राष्ट्रीय हिन्दी साप्ताहिक अखबार

वर्ष : 05 अंक 19
पृष्ठ : 8
मूल्य : 2.00/– रू.
UPHIN/2014/67765

क्राइम रिव्यू

साहस सच लिखने का

लखनऊ
रविवार, 21 अक्टूबर 2018
www.crimereview.co.in
www.facebook.com/crimereview
@crimereview2012

मोदी की रनिल विक्रमसिंघे से मुलाकात, विकास परियोजनाओं पर हुई चर्चा

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को अपने श्रीलंकाई समकक्ष रनिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की और द्विपक्षीय संबंधों के व्यापक आयामों एवं श्रीलंका में विकास परियोजनाओं के बारे में चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने ट्वीट कर यह जानकारी दी। उन्होंने कहा, ‘श्रीलंका के लिये हमारे दिल में विशिष्ट स्थान है। ''प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने श्रीलंका के प्रधानमंत्री रनिल विक्रमसिंघे का स्वागत किया।’ उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच यहां हैदराबाद हाउस में शिष्टमंडल स्तर की बातचीत हुई जिसमें द्विपक्षीय संबंधों के सम्पूर्ण आयामों पर व्यापक चर्चा हुई और विशेष तौर पर श्रीलंका में विकास परियोजनाओं को लेकर भी चर्चा हुई। इससे पहले, विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने भारत की यात्रा पर आए श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे से शनिवार को मुलाकात की और भारत के सहयोग से वहां चलाये जा रहे विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की। सुषमा और विक्रमसिंघे ने दोनों देशों के बीच संबंधों को प्रगाढ़ बनाने के उपायों के बारे में भी चर्चा की। गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने भी विक्रमसिंघे से मुलाकात की और भारत एवं श्रीलंका के बीच सुरक्षा एवं आतंकवाद के खिलाफ सहयोग से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रवीश कुमार ने बैठक के बाद ट्वीट किया, ‘करीबी मित्र के साथ संबंधों को गहरा बनाना जारी रखने की प्रतिबद्धता। विदेश मंत्री सुषमा स्वराज ने श्रीलंका के प्रधानमंत्री रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की। द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत बनाने पर विचारों का आदान प्रदान किया और विकास परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की।’ उल्लेखनीय है कि विक्रमसिंघे गुरूवार को तीन दिवसीय यात्रा पर भारत आए हैं।

छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनावों के लिए बसपा ने जारी की उम्मीदवारों की दूसरी सूची

रायपुर। छत्तीसगढ़ में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए बहुजन समाज पार्टी (बसपा) ने अपनी दूसरी सूची जारी कर दी। उत्तर प्रदेश की पूर्व मुख्यमंत्री मायावती के नेतृत्व वाली बसपा इन चुनावों में 33 सीटों पर अपने उम्मीदवार उतार रही है और उसका गठबंधन राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री अजित जोगी के नेतृत्व वाली जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) से है। इस गठबंधन में जोगी की पार्टी को 55 सीटें व भाकपा को दो सीटें क्रमशः सुकमा और दंतेवाड़ा दी गई हैं। बसपा के एकमात्र विधायक केशव प्रसाद चंद्र को जैजैपुर से एक बार फिर टिकट दिया गया है जबकि जोगी की पुत्रवधु रिचा जोगी को अकलतरा से चुनावी मैदान में उतारा गया है। पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष ओमप्रकाश बचपई नवागढ़ से जोर आजमाइश करेंगे। शुक्रवार रात जारी सूची के अनुसार भिलाईगढ़ से श्याम टंडन, कसडोल से रामेश्वर कैवर्तिया, सारंगढ़ से अरविंद खटकर, चंद्रपुर से गीतांजलि पटेल, कुरूद से कन्हैयालाल साहू, रायपुर पश्चिचम से भोजराम गौरखेड़े, पंडरिया से चौतराम राज, सरायपाली से छबिलाल रात्रे और बिलाईनगर से दीनानाथ प्रसाद को टिकट दिया गया है। राज्य में विधानसभा चुनाव दो चरणों 12 एवं 20 नवम्बर को और मतों की गणना 11 दिसम्बर को होगी। साल 2013 में हुये इस 90 सदस्यीय विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी ने 49 सीटें, कांग्रेस ने 39 सीटें हासिल की थीं जबकि एक एक सीट बसपा और निर्दलीय के खाते में गई थी।

अमृतसर की रामलीला में रावण का रोल निभा रहा दलबीर भी ट्रेन से कटकर मरा

नई दिल्ली। पंजाब में अमृतसर के निकट शुक्रवार शाम रावण दहन देखने के लिए रेल पटरियों पर खड़े लोगों के ट्रेन की चपेट में आने से कम से कम 61 लोगों की मौत हो गई जबकि 72 अन्य घायल हो गए। ट्रेन दुर्घटना में मारे गए 61 लोगों में से अब तक 39 लोगों की पहचान की जा सकी है।

अधिकारियों ने आज यह जानकारी दी। यह भी खबर है कि इस रामलीला में रावण का रोल निभाने वाले दलबीर की भी ट्रेन से कटकर मौत हो गयी है। दलबीर अपना रोल निभाने के बाद पटरी के पास खड़े होकर रावण के पुतले को जलता हुआ देख रहे थे। उनके परिजनों ने दलबीर की फोटो दिखाते हुए बिलखते हुए कहा कि अब वह सिर्फ यादों में ही जिंदा रह गये हैं। अधिकारियों ने बताया कि

ट्रेन हादसे में घायल हुए लोगों को सात अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। उन्होंने बताया कि 29 शवों का पोस्टमार्टम कराया जा चुका है।

यहाँ बहुत पहले से होता रहा है कार्यक्रम

दशहरे के मौके पर रावण दहन देखने के लिए 20 से अधिक वर्षों से लोग आसपास के गांवों से रेलवे पटरियों से महज 50 मीटर दूर जोड़ा फाटक पर खाली पड़े मैदान में एकत्रित होते रहे हैं।

बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक दशहरा उत्सव की खुशियां शुक्रवार को तब मातम में बदल गई जब एक ट्रेन की चपेट में आने से कम से कम 61 लोगों की मौत हो गई, जो वहां रावण के पुतले का दहन देखने के लिए जुटे थे। 55 वर्षीय जसवंत ने कहा कि इस प्लॉट में रावण का पुतला जलाया जाता है जबकि रामलीला रेलवे पटरियों से थोड़ी दूर पर आयोजित की जाती है। जसवंत ने दावा किया कि आतिशबाजी के शोर के कारण लोगों को जालंधर से आती ट्रेन के हॉर्न की आवाज सुनाई नहीं दी।

हत्यारी ट्रेन से पहले भी गुजरी थीं दो ट्रेनें

जसवंत ने दावा किया कि इस ट्रेन के जालंधर से अमृतसर जाने से पहले भी दो ट्रेनें पटरियों से गुजरी लेकिन उन्होंने अपनी गति धीमी कर ली थी। स्थानीय लोगों ने बताया कि यह हादसा शुक्रवार

अमृतसर ट्रेन हादसे को लेकर अमरिंदर सरकार विपक्ष के निशाने पर

अमृतसर। पंजाब के अमृतसर में हुए ट्रेन हादसे ने शुक्रवार को राजनीतिक रंग ले लिया। विपक्ष ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर रेलवे पटरी के निकट समारोह की अनुमति देने में खामियों का आरोप लगाया। पंजाब के मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू की पत्नी पर भी घटना के बाद मौके से तुरन्त चले जाने के आरोप लगे हैं। इस समारोह की मुख्य अतिथि नवजोत कौर सिद्धू ने बाद में उस अस्पताल में मीडिया से बात की जहां घायलों को ले जाया गया है। उन्होंने कहा कि उनकी प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि घायलों को समुचित इलाज मिले। नवजोत कौर सिद्धू ने कहा, ''रावण का पुतला जला दिया गया था और मैं वहां से निकली ही थी कि यह हादसा हुआ। प्राथमिकता यह होनी चाहिए कि घायलों को इलाज मिले।'' उन्होंने लोगों से इस मुद्दे का राजनीतिकरण करने से बचने की सलाह दी। केन्द्रीय मंत्री और अकाली दल की नेता हरसिमरत कौर बादल ने कहा कि पूरी जिम्मेदारी राज्य सरकार की है। उन्होंने ट्वीट किया, ''अमृतसर ट्रेन हादसे में कई निर्दोष लोगों की जान जाने के संबंध में शोक व्यक्त करने के लिए पर्याप्त शब्द नहीं हैं। हादसे में अपनों को खोने वाले परिवारों के साथ मेरी गहरी संवेदना है। इस घटना की जांच होनी चाहिए क्योंकि इससे प्रशासन पर गंभीर सवाल खड़े हुए हैं।'' भाजपा नेता और केन्द्रीय वित्त मंत्री अरुण जेटली ने कहा कि प्रारंभिक रिपोर्टों से पता चलता है कि यह एक त्रासदी थी जिसे टाला जा सकता था। अकाली दल के अन्य नेता बिक्रम मजीठिया ने कहा कि ट्रेन दुर्घटना की दुर्भाग्यपूर्ण खबर सुनकर वह दुखी हैं।

कुछ विपक्षी नेताओं ने यह भी आरोप लगाया कि बिना किसी उचित मंजूरी के रेल पटरियों के निकट कांग्रेस द्वारा दशहरा आयोजित कराया गया। पूर्व मुख्यमंत्री प्रकाश सिंह बादल ने जिम्मेदारी तय करने और दोषियों को दंड़ित करने के लिए इस घटना की उच्च न्यायालय के किसी सेवानिवृत्त न्यायाधीश से जांच कराने की मांग की। उनके पुत्र और पार्टी के वरिष्ठ नेता सुखबीर सिंह बादल ने कहा कि वह इस दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बारे में सुनकर बहुत दुखी हैं। अधिकारियों ने बताया कि अमृतसर के निकट शुक्रवार शाम रावण दहन देखने के लिए रेल की पटरियों पर खड़े लोगों के ट्रेन की चपेट में आने से कम से कम 52 लोगों की मौत हो गई जबकि 72 अन्य घायल हो गए।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले का इंतजार, राम मंदिर बनाने के लिए हम प्रतिबद्ध : भाजपा

हैदराबाद। भाजपा प्रवक्ता जीवीएल नरसिंह राव ने शनिवार को कहा कि भाजपा अयोध्या में राम मंदिर निर्माण को लेकर प्रतिबद्ध है और वह इस मुद्दे पर उच्चतम न्यायालय के फैसले का इंतजार करेगी। संवाददाताओं के साथ बातचीत में राव ने कहा कि नेताओं के एक वर्ग की मंदिर पर एक अध्यादेश लाने की मांग थी। उन्होंने कहा कि पार्टी लोगों की भावनाओं को समझती है। उन्होंने बताया कि जहां तक भगवान राम के लिए भव्य मंदिर के निर्माण का मुद्दा है तो हमारी पार्टी का रूख इस पर यथावत है। हम हमेशा से अयोध्या में भव्य मंदिर के निर्माण के पक्ष में रहे हैं। यह देश के करोड़ों लोगों हिन्दुओंकी आकांक्षा और भावना है। राव ने कहा कि हम मंदिर निर्माण के लिए प्रतिबद्ध हैं। लेकिन हम चाहते हैं कि यह अदालत के फैसले के माध्यम से हो या फिर समुदायों के बीच किसी तरह के समझौते के जरिये हो, जोअब तक तो नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा, इसलिए हमेंउच्चतम न्यायालय के फैसले की प्रतीक्षा करना होगा।’

अमृतसर ट्रेन हादसे की होगी मजिस्ट्रेटी जांच, ४ ह ते में आएगी रिपोर्ट: अमरिंदर

अमृतसर। पंजाब के मुख्यमंत्री कैप्टन अमरिंदर सिंह ने शनिवार को अमृतसर ट्रेन हादसे की मजिस्ट्रेटी जांच कराने का आदेश दिया और कहा कि चार हफ्ते में रिपोर्ट जमा की जाएगी। सिंह अस्पताल पहुंचे और इस दुखद हादसे में घायल हुए लोगों एवं मृतकों के परिजनों से मुलाकात की। अमृतसर में जोड़ा फाटक के निकट शुक्रवार शाम को रावण दहन देखने के लिए रेल की पटरियों पर खड़े लोग एक ट्रेन की चपेट में आ गए जिसमें कम से कम 61 लोगों की मौत हो गई थी। हादसे में 72 लोग घायल भी हुए हैं।

छत्तीसगढ़ के बीजापुर में सुरक्षाबलों और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ में 3 ढेर

रायपुर। छत्तीसगढ़ के नक्सल प्रभावित बीजापुर जिले में शनिवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में तीन नक्सलियों को मार गिराया। बीजापुर जिले के पुलिस अधिकारियों ने दूरभाष पर बताया कि जिले के मिरतुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत मड़पाल गांव के पास डीआरजी के दल ने मुठभेड़ में तीन नक्सलियों को मार गिराया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि पुलिस को आज जानकारी मिली थी कि मिरतुर थाना क्षेत्र में नक्सलियों का एक दल बैठक कर रहा है तथा वे अगले माह होने वाले मतदान में व्यवधान उत्पन्न करना चाहते हैं। जानकारी के बाद क्षेत्र में पुलिस दल को रवाना किया गया। उन्होंने बताया कि नक्सलियों के दल ने मड़पाल के गांव के पास पुलिस दल को देखा तो गोलीबारी शुरू कर दी। इसके बाद पुलिस दल ने भी गोलीबारी शुरू कर दी। दोनों ओर से गोलीबारी के बाद नक्सली वहां से भाग गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि बाद में जब पुलिस दल ने घटनास्थल की तलाशी ली तो वहां तीन नक्सलियों के शव, एक 303 राइफल और दो भरमार बंदूक बरामद हुईं। घटनास्थल से कुछ विस्फोटक सामाग्री, नक्सली साहित्य, विधानसभा चुनाव का बहिष्कार करने वाला पर्चा बरामद किया गया। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को भी जिले के इंद्रावती राष्ट्रीय उद्यान के पास नीलमड़गु गांव के नजदीक पुलिस और नक्सलियों के बीच मुठभेड़ हुई थी। इस दौरान पुलिस दल ने दो माओवादी शिविरों को ध्वस्त कर दिया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि कल हुई मुठभेड़ में पांच से अधिक नक्सली घायल हुए हैं जिन्हें उनके साथी अपने साथ ले गए। पुलिस ने शिविर से टेंट, विस्फोटक से भरा बैग और अन्य सामान बरामद किया है।

सपा नेता ने भागवत से पूछा, चुनाव के वक्त ही क्यों याद आता है राम मंदिर निर्माण

बलिया। समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं उत्तर प्रदेश विधानसभा में विरोधी दल के नेता राम गोविंद चौधरी ने संघ प्रमुख मोहन भागवत पर पलटवार करते हुए कहा है कि चुनाव के कुछ माह पहले ही उनको राम मंदिर की याद क्यों आती है। चौधरी ने शुक्रवार रात पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि संघ प्रमुख मोहन भागवत को एक बार फिर राम मंदिर की याद आ गई है। संघ और भाजपा समर्थक संत भी मंदिर को लेकर फिर से माहौल गरमाने लगे हैं। उन्होंने सवाल किया कि चुनाव के ऐन वक्त पहले ही इनको राम मंदिर की क्यों याद आ रही है। पिछले दो वर्ष यह खामोश क्यों रहे। उन्होंने कहा कि भगवान राम मर्यादा पुरुषोत्तम हैं और आस्था के प्रतीक हैं। वह स्वयं भाजपा को बर्बाद करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा हर मसले पर पूरी तरह से फिसड्डी साबित हुई है। किसी भी वादे को पूरा नहीं कर पायी है। कानून व्यवस्था की स्थिति बदतर है। डीजल एवं पेट्रोल की बढ़ती कीमत से जनता कराह रही है।

रेलवे ने कहा- हमने पटरी के पास किसी कार्यक्रम की इजाजत नहीं दी

नई दिल्ली। दशहरे के मौके पर अमृतसर के पास हुए हादसे को लेकर रेलवे का कहना है कि पुतला दहन देखने के लिए लोगों का वहां पटरियों पर एकत्र होना ''स्पष्ट रूप से अतिक्रमण का मामला'' था और इस कार्यक्रम के लिये रेलवे द्वारा कोई मंजूरी नहीं दी गई थी।

अमृतसर प्रशासन पर इस हादसे की जिम्मेदारी डालते हुए आधिकारिक सूत्रों ने कहा कि स्थानीय अधिकारियों को दशहरा कार्यक्रम की जानकारी थी और इसमें एक वरिष्ठ मंत्री की पत्नी ने भी शिरकत की। रेलवे अधिकारियों ने कहा, ''हमें इस बारे में जानकारी नहीं दी गई थी और हमारी तरफ से कार्यक्रम के लिये कोई मंजूरी नहीं दी गई थी। यह अतिक्रमण का स्पष्ट मामला है और स्थानीय प्रशासन को जिम्मेदारी लेनी चाहिए।'' इतनी भीड़ होने के बावजूद रेल चालक द्वारा गाड़ी नहीं रोके जाने को लेकर सवाल उठने पर अधिकारी ने कहा, ''वहां काफी धुआं था जिसकी वजह से चालक कुछ भी देखने में असमर्थ था और गाड़ी घुमाव पर भी थी।''

शहरी स्थानीय निकाय चुनाव : दक्षिण कश्मीर के 4 जिलों में भाजपा का परचम लहराया

श्रीनगर। दक्षिण कश्मीर के आतंक प्रभावित चार जिलों के शहरी स्थानीय निकाय चुनाव में भाजपा ने 132 वार्डों में से 53 में जीत हासिल किया है। यहां इस महीने चार चरणों में मतदान आयोजित किया गया था। चुनाव अधिकारियों ने यह जानकारी दी है। भाजपा की अभूतपूर्व जीत से चार जिलों अनंतनाग, कुलगाम, पुलवामा, शोपियां के 20 नगर निकायों में से कम से कम चार पर पार्टी ने अपना कब्जा जमा लिया है। दक्षिण कश्मीर के 94 वार्डों का परिणाम अभी तक घोषित कर दिया गया है जिसमें से कांग्रेस 28

सीटें जीतने में सफल रही है। इस तरह से पार्टी ने कम से कम तीन नगर निगमों पर अपना नियंत्रण कर लिया है। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शोपियां में अच्छा किया है जहां 12 वार्डों में इसके प्रत्याशी निर्विरोध चुने गये। जिले के पांच वार्डों में किसी ने नामांकन दायर नहीं किया था। देवसर नगर निगम में पार्टी ने सभी आठ सीटों पर जीत हासिल की है। इस क्षेत्र से कांग्रेस के नेता मोहम्मद अमीन भट विधानसभा के सदस्य हैं। काजीगुंड नगर समिति में भाजपा को साधारण बहुमत मिला और उसने सात वार्डों में से चार में जीत हासिल की। तीन अन्य वार्डों में कोई प्रत्याशी मैदान में नहीं था। पहलगाम नगर समिति में पार्टी ने 13 सीटों में से सात पर जीत हासिल की जबकि शेष छह सीटों पर कोई प्रत्याशी नहीं था। दूसरी तरफ कांग्रेस ने डूरू नगर निगम में जबर्दस्त जीत हासिल की जो जेकेपीसीसी प्रमुख जी ए मीर का मजबूत गढ़ है। पार्टी ने 17 में से 14 सीटों पर जीत हासिल की है जबकि भाजपा ने दो सीटों पर जीत दर्ज की है। एक सीट खाली रही। कांग्रेस ने केरनाग नगर निगम में आठ में से छह सीटों पर जीत दर्ज की। यरीपोरा में पार्टी ने तीन सीटों पर जीत दर्ज की जबकि शेष में प्रत्याशियों के मैदान में नहीं होने के कारण खाली रही।

गैस से भरा टैंकर पलटने से रिसाव, खाली कराए गए तीन गांव

लखनऊ। गोरखपुर जिले के गीडा स्थित इंडेन गैस के रिफिलिंग प्लांट से गैस लेकर नेपाल के लिए रवाना हुआ टैंकर भैया फरेंदा में पलट गया। इससे गोरखपुर–सोनौली राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात को डायवर्ट कर दिया गया। टैंकर से गैस रिसाव होने पर फायर ब्रिगेड की दो गाडिघें को मौके पर तैनात कर दिया गया है।

साथ ही एक किमी दायरे में आग जलाने पर रोक लगा दी गई है। टैंकर से 300 मीटर के दायरे में किसी को भी नहीं जाने दिया जा रहा है। हालात की गंभीरता को देखते हुए एसपी भारत सिंह यादव, एडिशनल एसपी हरिगोविंद और सीओ रचना मिश्रा के साथ ही कोल्हुई, पुरंदरपुर, फरेंदा और बृजमनगंज पुलिस को तैनात कर दिया गया है।

टैंकर में कुल 18 टन गैस भरी है। टैंकर पलटते ही उसमें से रिसाव होने लगा। मामले की गंभीरता को देखते हुए गोरखपुर–सोनौली मार्ग पर यातायात को डायवर्ट कर दिया गया।

सोनौली से आने वालों को मोहनापुर से और गोरखपुर से आने वाले वाहनों को फरेंदा में डायवर्ट कर दिया गया है। टैंकर के एक किमी दायरे की सभी चाय और मिठाई की दुकानों को बंद कर दिया गया है। कहीं भी चूल्हा नहीं जल रहा है। एहतियात के तौर पर पुलिस ने तीन टोलों जुगुलपुर, नियामतपुर और गुजरपुरवा को खाली करा दिया है। सूचना पर गीडा से पहुंचे दूसरे टैंकर में गैस रिफिलिंग शुरू करा दी गई है।

कांग्रेसी MLA बोले, BJP ने दिया था 50 करोड़ और राज्यसभा सीट का ऑफर

देहरादून। उत्तराखंड में चल रहे सियासी बवाल के बीच दो कांग्रेसी विधायकों ने दावा किया कि कि भाजपा ने उन्हें पाला बदलने के लिए 50 करोड़ रुपये देने की पेशकश दी थी।

अंग्रेजी पेपर के अनुसार कांग्रेस के दो विधायक, राजेंद्र भंडारी और जीतराम ने कहा, ष्भाजपा ने हमें अपने पाले में करने के लिए सभी हथकंडे अपनाए, जिसमें 50 करोड़ रुपये नकद तथा परिवार के एक सदस्य को विधानसभा चुनावों में टिकट एवं एक राज्यसभा सीट की पेशकश की गई।ष दोनों विधायकों को भाजपा नेता सतपाल महाराज का करीबी माना जाता है। विधायकों ने साफ किया कि सतपाल महाराज के साथ उनके संबंध व्यक्तिगत है, राजनैतिक नहीं।

बद्रीनाथ के विधायक राजेंद्र भंडारी के अनुसार, जब से राज्य में राजनैतिक संकट उत्पन्न हुआ है तभी से मेरे अलावा कुछ कांग्रेस के विधायकों को आकर्षक ऑफर दिए जा रहे हैं। उन्होंने कहा, ष्ऑफर की शुरूआत 2.5 करोड़ रुपये के साथ हुई जो 5 से लेकर 10 करोड़ तक पहुंची और खत्म होते–होते यह 50 करोड़ रुपये पर आ पहुंची। हम भले ही सतपाल महाराज के करीबी हों लेकिन उनके साथ हमारे व्यक्तिगत संबंध है। हमें कोई भी नहीं खरीद सकता।

भंडारी ने बताया, इन दिनों ऐसी खबरे चल रहीं हैं कि हम तीन (अनुसुइया प्रसाद मैखुरी, और जीत राम) बागियों के साथ मिल सकते हैं और भाजपा का समर्थन कर सकते हैं, इस तरह की खबरों से हम निराश हैं। हम तीनों कांग्रेस के सच्चे सिपाही हैं और हम पार्टी के खिलाफ जाने की सोच भी नहीं सकते।

थराली से कांग्रेस विधायक जीतराम ने कहा, ष्किसी भी सरकार का पांचवा वर्ष सबसे महत्वपूर्ण होता है। कई विकास कार्य अंतिम अवस्था में होते हैं। कार्यकाल पूरा होने से आठ माह पूर्व ही सरकार से समर्थन वापस लेकर बागी विधायको तथा भाजपा ने लोगों को विकास से वंचित कर दिया है जिसकी कीमत उन्हें आने वाले चुनावों में चुकानी पड़ेगी।ष उन्होंने कहा, ष्हम कांग्रेस के निष्ठावान सिपाही हैं और हमेशा पार्टी की सेवा करते रहेंगे।ष्कांग्रेसी विधायकों के इन आरोपों का जवाब देते हुए भाजपा प्रवक्ता मुन्ना सिंह चौहान ने विधायकों को चुनौती देते हुए कहा कि वे हम पर लगाए गए आरोपों को सिद्ध करें। उन्होंने कहा, ष्पहले हरीश रावत के कार्यालय का एक आईएएस अधिकारी घूस की मांग करते हुए पकड़ा गया और फिर रावत बागी खुद विधायकों को कैबिनेट सीट और कैश की पेशकश करते हुए (स्टिंग ऑपरेश) रंगे हाथों पकड़े गए। इन सबसे लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश की जा रही है।

मुलायम के नेतृत्व में दिल्ली में अपनी ताकत दिखाएगी सपा

लखनऊ। समाजवादी पार्टी डॉ.राम मनोहर लोहिया के दर्शन को गांव–गलियारे से शहरों तक पहुंचाने की मंशा से दिल्ली में निर्मित लोहिया सभागार के उद्घाटन के बहाने बुधवार को अपनी ताकत दिखाएगी। इसमें उसके रणनीतिकार उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में गठबंधन की संभावनाओं को खारिज कर अपने बूते चुनाव लडने का संकेत भी दे सकते हैं।

डॉ.लोहिया के दर्शन पर सियासत करने का दावा करने वाली समाजवादी पार्टी ने दिल्ली के नेल्सन मंडेला रोड पर लोहिया सभागार बनाया है। सपा मुखिया मुलायम सिंह यादव, महासचिव प्रो.राम गोपाल यादव की मौजूदगी में बुधवार को इसका उद्घाटन करेंगे। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री अखिलेश यादव को भी हिस्सा लेना है। दरअसल, वर्ष 2014 में साइकिल यात्रा के बाद समाजवादी पार्टी अब दिल्ली में कोई ऐसा कार्यक्रम कर रही है, जिसमें पश्चिम से पूर्वी उत्तर प्रदेश तक के सपाइयों को दिल्ली पहुंचने को कहा गया है। पार्टी ने समाजवादी छात्रसभा, युवजन सभा, लोहिया वाहिनी, मुलायम सिंह यूथ ब्रिगेड, समाजवादी महिला सभा और अल्पसंख्यक सभा के अध्यक्षों के अलावा सक्रियकार्यकर्ताओं को दिल्ली पहुंचने की हिदायत दी गयी है। इतनी बड़ी संख्या में कार्यकर्ताओं को आमंत्रित करने के पीछे शक्ति प्रदर्शन की रणनीति मानी जा रही है।

सूत्रों का कहना है कि जनसभा में मुलायम सिंह कुछ महीनों के बाद उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनाव में पार्टी के रुख का इशारा कर सकते हैं। गठबंधन की संभावनाओं को खारिज कर अपने बूते विधानसभा चुनाव लडने की बात भी की जा सकती है, भाजपा और कांग्रेस दोनों से बराबर की दूरी बनाकर सियासत का एलान भी हो सकता है। इधर, कार्यक्रम में हिस्सा लेने के लिए सपाइयों के दिल्ली रवाना होने का सिलसिला शुरू हो गया। बड़ी संख्या कार्यकर्ता बसों, ट्रेन और निजी वाहनों से दिल्ली के लिए रवाना हो गये हैं। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेश दीक्षित का कहना है कि पार्टी लोहिया के विचारों, उनके दर्शन और ताकत के बंटवारे की उनकी नीति को किसानों, मजदूरों से लेकर विश्वविद्यालयों की परिचर्चा तक में शामिल कराने में जुटी है। इसी मंशा से उनकी याद में सभागार बनाया गया है जिसमें पार्टी अध्यक्ष मुलायम सिंह के साथ सभी प्रमुख नेता मौजूद रहेंगे।

इस बार अबूझ मुहूर्त अक्षय तृतीया पर नहीं बजेगी शहनाई

बरेली । अक्षय तृतीया के दिन शादी इस बार बार भूल जाइये। इस साल इस दिन शुभ मुहूर्त नहीं होने की वजह से फेरे नहीं हो सकेंगे। बस बार अबूझ मुहुर्त वाले इस दिन कहीं भी शहनाई, बैंड–बाजों की धुन सुनाई नहीं देगी।

संवत 2073 का राजा शुक्र व मंत्री बुध होने के कारण इन दोनों ग्रहों, इनकी राशियों, नक्षत्रों से संबंधित युवक–युवतियों के विवाह के जबरदस्त योग हैं। वर्ष भर में कई शुभ मुहूर्त पर विवाह होंगे। ज्योतिष शास्त्र में शुक्र को शुभ ग्रह माना गया है। वैवाहिक सुख में शुक्र ग्रह का बहुत बड़ा योगदान रहता है। इसके द्वारा सांसारिक और व्यावहारिक सुखों का विशेष विचार किया जाता है। तमाम लग्न, राशियों के हिसाब से भी युवक–युवतियों को विशेष फल मिलता है। अक्षय तृतीया के दिन हर साल लोग अबूझ मुहूर्त में विवाह करते रहे हैं। पर वर्षों बाद इस बार अलग योग बन रहा है। इस बार दो मई को बैसाख कृष्ण दशमी में शुक्र पूर्वास्त हो जाएगा। इसके कारण नौ मई को अक्षय तृतीया पर विवाह नहीं होंगे। इसके बाद शुक्र आठ जुलाई आषाढ़ शुक्ल चतुर्थी को परिचय में उदय होगा। इस प्रकार 11 सितंबर भाद्रपद शुक्ल नवमी में गुरु पश्चिमास्त होकर सात अक्टूबर को आश्विन शुक्ल षष्ठी को पूर्व में उदय होगा। इसके बाद 22 मार्च 2017 चौत्र कृष्ण नवमी में शुक्र पश्चिमास्त होकर 26 मार्च चौत्र कृष्ण त्रयोदशी को पूर्व में उदय होगा। दोनों ग्रहों के अस्त होने वाले दिनों में शुभ विवाह मुहूर्त नहीं होंगे।

जब शुक्र और बृहस्पति अस्त होते हैं तो यह समय विवाह के लिए वर्जित है। इस बार दो मई को शुक्र अस्त हो रहा है। इसके कारण नौ मई को अक्षय तृतीया पर विवाह का कोई मुहूर्त ही नहीं है।

तिरुमाला मंदिर के पास दंपत्ति ने की खुदकुशी, मरने से पहले ली सेल्फी

तिरुपति। मंगलावार को तिरुमाला मंदिर के पास एक गेस्ट हाउस में एक दंपत्ति ने खुदकुशी कर ली। खुदकुशी से पहले पति पत्नी ने सेल्फी भी ली और फिर पंखे से लटककर आत्महत्या कर ली।पुलिस के मुताबिक मरने वालों की पहचान तमिलनाडू के कोयंबटूर में रहने वाले संपत कुमार और सत्या वानी के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक दोनों ने तीन दिन पहले यहां एक गेस्ट हाउस में कमरा लिया था।मंगलवार को जब गेस्ट हाउस कर्मचारी ने सफाई के लिए कमरा खटखटाया तो अंदर से कोई जवाब नहीं आया। इसके बाद गेस्ट हाउस कर्मी ने पुलिस को मामले की जानकरी दी। पुलिस ने जब दरवाजा खोला तो दोनों को पंखे से लटका हुआ पाया।

पुलिस ने दोनों का मोबाइल फोन भी बरामद किया है जिसके मुताबिक मरने से पहले दोनों ने सेल्फी ली थी और एक वीडियो मैसेज रिकॉर्ड कराया था। इसमें आत्महत्या के लिए किसी को भी दोषी करार नहीं दिया गया है।

अंग्रेजी न्यूज़ खबर के मुताबिक पुलिस जांच के दौरान पता चला है कि संपत तलाक के बाद अपनी रिश्तेदार सत्या वानी से शादी करना चाहता था लेकिन परिवारवाले इस रिश्ते के खिलाफ थे। पुलिस इस बात की भी तहकीकात कर रही है कि क्या परिवार के दवाब की वजह से दोनों ने आत्महत्या तो नहीं की?

जिला समाज कल्याण अधिकारी ने करायी अधिकारी पति की हत्या !

लखनऊ। शाहजहांपुर में जिला विकलांग कल्याण अधिकारी रंजीत सोनकर की मौत के मामले में नया मोड़ आ गया है। मामले में मृतक रंजीत के भाई राजेश सोनकर ने थाना सदर बाजार में तहरीर देकर रंजीत की पत्नी और जिला समाज कल्याण अधिकारी अर्चना सोनकर पर जहर देकर मारने का आरोप लगाया है। राजेश की तहरीर पर पुलिस ने गैर जमानती धारा 328 में अर्चना सोनकर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। आपको बता दे रंजीत सोनकर ने फरवरी में शादी होने के चंद दिनों बाद ही तलाक की फेमिली कोर्ट में अर्जी दाखिल की थी। जिसके बाद जिला विकलांग कल्याण अधिकारी

रंजीत सोनकर की बीते 21 अप्रैल की रात संदिग्ध हालात में मौत हो गई थी।

पुलिस ने उनके शव का पोस्टमार्टम कराने के बाद बिसरा सुरक्षित कर उसे जांच के लिए प्रयोगशाला में भेजा था। रंजीत के भाई भाई राजेश सोनकर ने तहरीर मे कहा है कि शादी के तुरंत बाद से ही उनके भाई रंजीत के अपनी पत्नी अर्चना सोनकर से संबंध खराब हो गए थे। बकौल राजेश, भाई ने बताया था कि अर्चना में महिलाओं जैसे कोई गुण नहीं थे।

यह देखकर उन्होंने पत्नी से कहा था कि वह यह बात परिवार वालों को बता देंगे। आरोप है कि इस पर अर्चना सोनकर ने राज खोलने पर जान से मारने की धमकी दी थी।उन्होंने आरोप लगाया कि अर्चना सोनकर ने षड्यंत्र रचकर किसी नौकर या सहयोगी की मदद से जहर देकर रंजीत की हत्या कर दी।

बीजेपी के दो सांसदों ने ऑड–इवन का अनोखी तरह किया विरोध

नई दिल्ली,(एएनआई)। दिल्ली में जारी ऑड–ईवन फॉर्मूले के विरोध में असम के तीजपुर सीट से भाजपा सांसद राम प्रसाद शर्मा आज घोड़े पर बैठकर संसद की कार्रवाई में हिस्सा लेने पहुंचे।

इस दौरान राम प्रसाद शर्मा ने दिल्ली सरकार द्वारा प्रदूषण कम करने के मकसद से लागू किए गए ऑड–ईवन स्कीम पर व्यंग्य करते हुए घोड़े की पीठ पर एक पोस्टर भी लगा रखा था जिसमें लिखा था पॉल्यूशन फ्री व्हीकल यानि प्रदूषण मुक्त सवारी।

दूसरी तरफ भाजपा नेता और राज्यसभा सांसद विजय गोयल भी आज अपनी गाड़ी से संसद पहुंचे जिसपर ऑड–ईवन स्कीम के खिलाफ कई संदेश लिखे हुए थे। गोयल की गाड़ी पर लिखा था कि ऑड ईवन से कुछ भी हासिल नहीं होगा बल्कि ये सिर्फ परेशानी बढ़ाएगा।

विजय गोयल की गाड़ी के चारो तरफ इसी तरह के संदेश वाले कई स्टीकर लगे हुए थे जिसमें ऑड–ईवन को प्रदूषण कम करने के लिहाज से बिलकुल विफल बताया गया था। आपको बता दें कि पिछले दिनो ऑड–ईवन की वजह से विजय गोयल को 3500 रूपये का जुर्माना भी भरना पड़ा था।

वहीं दूसरी तरफ ऑड–ईवन का समर्थन करते हुए भाजपा सांसद मनोज तिवारी आज साइकिल से संसद पहुंचे। मनोज तिवारी ने कहा कि वो ऑड–ईवन फॉर्मूले का पालन करते हैं।

AAP की 25 सदस्यीय नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी में केजरीवाल का दबदबा

नई दिल्ली। दिल्ली के अलीपुर में चल रही राष्ट्रीय परिषद की बैठक में आम आदमी पार्टी ने 25 सदस्यीय नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी का किया है।

इन 25 सदस्यों में 7 महिलाएं भी शामिल हैं। जैसा कि कहा जा रहा था कि इस बार परिषद में केजरीवाल के कट्टर समर्थकों को ही स्थान मिला। यहां पर बता दें कि पिछले पखवाड़े भर से सदस्यों को लेकर ऐसी कवायद चल रही थी। पहले यह संख्या 341 थी, लेकिन योगेंद्र यादव और प्रशांत भूषण खेमे ने आप से अलग राह चुनने के बाद स्वराज अभियान का गठन किया तो परिषद के 115 सदस्यों ने आप से नाता तोड़ स्वराज का दामन थाम लिया था। अलीपुर में हुई राष्ट्रीय परिषद की बैठक में शामिल नेताओं को अंदर मोबाइल ले जाने की भी इजाजत नहीं दी गई थी।

PM की एयर इंडिया–1 फ्लाइट में नहीं मिलती शराब, नॉनवेज पर रोक नहीं

नई दिल्ली। पीएम के विदेशी दोरों के समय आमतौर पर एयरइंडिया वन की फ्लाइट्स में शराब परोसा जाता रहा है। विदेशी दौरों के समय अधिकारी शराब का लुत्फ भी उठाते रहे हैं। लेकिन पीएम मोदी के विदेश दौरों के समय अधिकारियों को शराब से मरहूम होना पड़ता है। वजह है कि पीएम की फ्लाइट में शराब नहीं परोसी जाती है। इसके लिए खास निर्देश भी जारी किए गए हैं।

पीएम और दूसरे खास लोगों के लिए एयर इंडिया के बोइंग 747 का इस्तेमाल किया जाता है। जिसकी औसत उम्र 25 साल है। बताया जाता है कि यात्रा के दौरान अधिकारियों के पास केवल एक ही विकल्प होता है या तो वे विमान में सो कर आराम करें या पीएम की मीटिंग के लिए आवश्यक दस्तावेजों पर अपना दिमाग खर्च करें। फ्लाट्स में शराब न परोसे जाने की एक खास वजह भी है। पीएम मोदी पूरी तरह से शाकाहारी हैं और वे खुद शराब का सेवन नहीं करते हैं। अंग्रेजी अखबार के मुताबिक फ्लाइट्स में खानपान के बारे में विदेश मंत्रालय फैसला लेता है। पीएम के लिए मेन्यू में शाकाहारी भोजन का प्रबंध किया जाता है। जबकि अधिकारियों के लिए नॉन वेज के इस्तेमाल पर किसी तरह का प्रतिबंध नहीं है।

अब आप नहीं देख पाएंगे 16 करोड़ साल पुराना डायनासोर का जीवाश्म

नई दिल्ली। नेशनल म्यूजियम ऑफ नेचुरल हिस्ट्री की आग से संग्रहालय में रखीं प्राकृतिक विज्ञान से संबंधित वस्तुएं व ऐतिहासिक दस्तावेज खाक हो गए हैं। यहां तक कि 16 करोड़ साल पुराने डायनासोर के जीवाश्म भी भीषण आग की चपेट में आकर राख हो गए।

म्यूजियम से जुड़े अधिकारी ने कबूल किया है कि नर्मदा घाटी में खोजे गए करीब 16 करोड़ साल पुराने भारतीय डायनासोर के कुछ जीवाश्म जलकर रखा हो गए हैं। अधिकारी का कहना है कि पहली मंजिल पर रखे डायनासोर के जीवाश्म बचे हैं, लेकिन बाकी जगहों पर जीवाश्म जल गए हैं।

वन्य जीव से जुड़ी 10 हजार से ज्यादा दुर्लभ पुस्तकें भी इस आग में जल गई हैं। बताया जाता है कि म्यूजियम की स्थापना के समय ही एक रेड पांडा के प्रोटो टाइप मॉडल सहित कई जानवरों के मॉडल ऑस्ट्रेलियाई सरकार ने दिए थे, लेकिन वे सभी जल गए। यही नहीं जानवरों की खालों का एक बड़ा संग्रह और दुर्लभ तस्वीरें भी आग में खाक हो गईं। दिल्ली के मध्य में स्थित छह मंजिला यह संग्रहालय सबसे बड़ा था। यहां ऐसे जीवाश्म मौजूद थे, जिनका वक्त गुजरने के साथ आधुनिक तरीके से अध्ययन किया जाता था।

संग्रहालय के प्रथम तल पर प्राकृतिक इतिहास की पूरी झांकी तैयार की गई थी। पोर्ट्रेट के जरिए वनस्पति, खनिज और पशु–पक्षियों के साथ ही जीवन की उत्पत्ति को दर्शाया गया था। वर्तमान परिवेश में मानव जीवन की शैली को दस्तावेज और शोध पत्रों के जरिए दिखाया गया। इस तल पर 1980 से पहले मृत जानवरों की खाल से बनाए गए जानवरों के नमूनों को संरक्षित किया गया था।

इसमें सोरापॉड डायनासोर, हाथी, गैंडा, देश की विभिन्न प्रकार के पक्षी, शेर के स्ट्रक्चर को प्राकृतिक रूप में संरक्षित किया गया था। इसी तल पर जलीय जंतुओं और पक्षियों के जीवन को दर्शाया गया था।

द्वितीय तल पर प्राकृतिक नेटवर्क को दर्शाया गया था। इसमें विश्व की प्राकृतिक पारिस्थितिकी तंत्र को दर्शाया गया था। पौधों के प्राकृतिक स्वरूप के साथ ही फूड चेन, वॉटर चेन, विभिन्न पौधों के आपसी संबंध, जानवर और मनुष्य के जीवन से जुड़ी जानकारियां एवं दस्तावेज मौजूद थे। वर्तमान में पर्यावरण की समस्याएं के साथ ही नैतिक, आर्थिक एवं वैज्ञानिक तरीके से संरक्षित करने के संबंध में दस्तावेजों को प्रदर्शित किया गया था।

तीसरे तल पर विशेष तौर पर प्रकृति के संरक्षण से जुड़ी जानकारी थी। घडघ्यिाल को लेकर चलाई जा रही योजना के अलावा कई योजनाओं के नवीन डाटा भी थे। वन्यजीव मानव जीवन के लिए क्यों जरूरी हैं, इससे जुड़ी जानकारियों के साथ कई महत्वपूर्ण दस्तावेज भी थे।

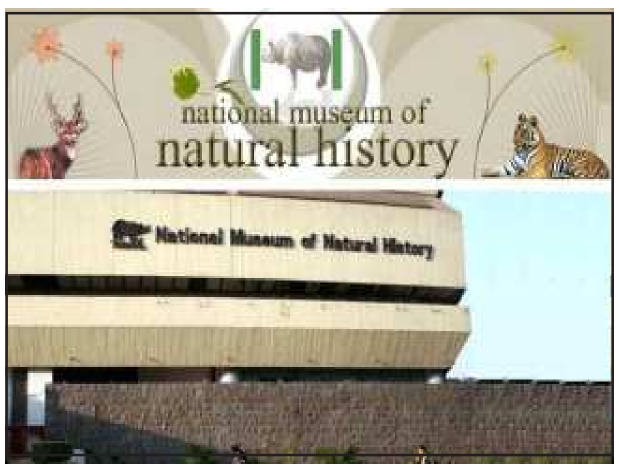

दरोगा की हत्या का राज गहराया, एन्काउंटर में मारे गए SI की ही पिस्टल से हुई हत्या

नोएडा। ग्रेटर नोएडा में एन्काउंटर के दौरान दरोगा अख्तर खान की हत्या का रहस्य गहराता जा रहा है। दरअसल, जांच में यह साफ हो गया है कि हत्या में जिस पिस्टल का प्रयोग किया गया था वह शहीद हुए उस सब इसंपेक्टर का ही था। इस मामला सामने आते ही हत्या की गुत्थी और भी उलझ गई है।

परिजनों ने पूर्व में यह आरोप लगाया था कि अख्तर खान की एन्काउंटर टीम में शामिल एक पुलिस अफसर से नहीं बनती थी। इससे अब यह मामला गंभीर बनता जा रहा है। कई सवाल एक साथ उठ गए हैं। पहले यह शोर हुआ कि बदमाशों ने दरोगा को भीतर खींच कर हत्या कर दी। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी नाइन एमएम की गोली मिलने से इसकी पुष्टि हुई है। बदमाश कुछ देर तक इस भ्रम में रहे कि बाहर पुलिस उन्हें घेरे हुए है। बाद में वे वहां से फरार हो गए। सूत्रों की मानें तो दारोगा और बदमाश जावेद के बीच संघर्ष हुआ था।

जावेद ने दारोगा की पिस्टल हाथ से छीन कर गर्दन में सामने से गोली मार दी थी। इसके बाद जावेद, तोता, गुलफाम, औरंगजेब और वसीम ने मोर्चा संभाल लिया था। उधर, पुलिस का दावा है कि उसने दोबारा मौके पर पहुंच कर जब फायरिंग की तब बदमाश भागे और इस दौरान ही औरंगजेब नामक बदमाश को गोली लगी और वह पकड़ा गया।

जावेद ने भागने से पहले दारोगा की सरकारी नाइन एमएम की पिस्टल मोटरसाइकिल के नीचे छोड़ दी थी। पुलिस जावेद पर रासुका लगाने के लिए प्रदेश सरकार को रिपोर्ट भेजेगी। उधर, एसपी देहात अभिषेक यादव ने कहा कि वह इससे इत्तेफाक नहीं रखते कि दारोगा को उसके पिस्टल से गोली मारी गई है। पुलिस जावेद को गिरफ्तार नहीं कर पाती तो अदालत में कुर्की के आदेश के लिए जाएगी। दादरी के नई आबादी में बने जावेद के मकान में अब कोई नहीं रह रहा है, लेकिन मकान के अंदर सारा सामान मौजूद है। जावेद की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की चार टीमों को लगाया गया है।वहीं दारोगा अख्तर खान की पोस्टमार्टम रिपोर्ट आ गई है। इस रिपोर्ट से दारोगा की मौत पर कई सवाल उठ गए हैं। बताया जाता है कि गोली घुसने का घाव साढ़े तीन सेंटीमीटर और गोली निकलने का घाव दो सेंटीमीटर मिला है। जो गोली सामने से घुसी है, वही गोली पीछे से बाहर निकली है। गोली लगने के बाद फायर इंजरी के बाद शॉक लगने से मौत हुई है। इसके अलावा पोस्टमार्टम रिपोर्ट में यह बात सामने आई है कि गोली लगने के बाद कुछ देर तक दारोगा का खून बहा था। उसे देरी से अस्पताल पहुंचाया गया। शरीर में गोली घुसने और निकलने का घाव गले से नीचे नहीं उतर रहा था।

गैंगरीन की गिरफ्त में दाऊद, डी कंपनी ने किया इनकार

नई दिल्ली। दाऊद इब्राहिम वो शख्स जिसकी तलाश भारत को पिछले 25 सालों से है। आतंक और दहशत का वो नाम जिसने मुंबई को छलनी छलनी कर दिया। वो शख्स जो पाकिस्तान की सरपरस्ती में काले कारनामों को अंजाम देता है। लेकिन वो अब जिंदगी और मौत के बीच झूल रहा है। एक रिपोर्ट के मुताबिक अंडरवर्ल्ड डॉन गैंगरीन नाम की घातक बीमारी का शिकार है और उसके पूरे शरीर में जहर फैल चुका है। हालांकि मीडिया में इन खबरों के आने के बाद दाऊद का दाहिना हाथ माना जाने वाला छोटा शकील ने खबरों को बेबुनियाद बताया है।

अंग्रेजी अखबार के मुताबिक छोटा शकील का कहना है कि दाऊद पूरी तरह से स्वस्थ है। शकील ने कहा कि डी कंपनी के कारोबार को चोट पहुंचाने के लिए इस तरह की अफवाहें फैलायी जा रही हैं। कराची में क्लिफटन इलाके में दाऊद के घर पर डॉक्टरों की मौजूदगी के बाद ये जानकारी सामने आयी कि वो किसी घातक बीमारी का सामना कर रहा है। बताया जा रहा है कि गैंगरीन बीमारी की वजह से अंडरवर्ल्ड सरगना दाऊद के पैर को काट दिया गया है। ताकि उसके शरीर में जहर न फैल सके। लियाकत नेशनल मेडिकल कॉलेज और कंबाइन्ड मिलिट्री अस्पताल के डॉक्टर उसके इलाज में जुटे हुए हैं।

दाऊद के उच्च रक्तचाप और हाइ ब्लड सूगर की वजह से उसके शरीर में ऑक्सीजन की कमी हो गयी है। और वो गैंगरीन नाम की भयंकर बीमारी का शिकार हो गया है।

बताया जाता है कि दाऊद इब्राहिम कराची में दो से तीन सेफ हाउस में रहता है। जिनमें ह्वाइट हाउस, क्लिफ्टन, हाउस नंबर 37, 30 वीं गली डिफेंस हाउसिंग अथॉरिटी और नूराबाद इलाके में एक बंगला शामिल है। दाऊद इन जगहों से अपने काले साम्राज्य को आगे बढ़ाने में लगा हुआ है। हाल ही में उसने हीरों के कारोबार में भी दस्तक दी है।

दाऊद इब्राहिम के पिता पुलिस में थे लेकिन उसने पैसा कमाने के लिए शॉर्टकट चुना और उसी रास्ते पर आगे चलते हुए वो भारत का मोस्ट वांटेड अपराधी बन गया। पांच फुट चार इंच जैसे छोटे कद का ये अपराधी जरायम की दुनिया में सबसे बड़ा कद रखता है। और उसे पकड़ पाना अभी तक एक चुनौती है।बताया जाता है कि दाऊद ने अपने आपराधिक जीवन की शुरुआत करीम लाला के गैंग से की थी। करीम लाला उस वक्त मुंबई का जाना माना अपराधी था। हाजी मस्तान गैंग के साथ भी दाऊद के रिश्ते थे और अपराध की इस राह पर चलने के लिए उसने पढ़ाई से भी नाता तोड़ लिया था।

1980 के दशक में दाऊद मुंबई का डॉन बन गया और एक के बाद एक अपने गुनाहों की इबारतें श्खूनश से लिखने लगा। सट्टा बाजार से लेकर शेयर बाजार तक सब कुछ उसके इशारों पर चलने लगा। और फिर बॉलीवुड भी उसके सामने नतमस्तक होने लगा।दाऊद पर पुलिस अब सख्त होने लगी थी। उसे यकीन हो चला था कि वो अब बहुत ज्यादा दिन मुंबई पर राज नहीं कर सकेगा। और फिर उसने भारत को अलविदा कह दिया। दाऊद ने 90 के दशक की शुरुआत में मुंबई में सीरियल ब्लॉस्ट भी कराए। 12 मार्च 1993 को मुंबई में 13 जगह ब्लास्ट हुए, इन धमाकों में 350 लोग मारे गए। बताया जाता है कि इन हमलों के पीछे पाकिस्तान का हाथ था।

प्राइमरी स्कूल का भूकंपरोधी कमरा गिरा, 25 बच्चे बाल-बाल बचे

लखनऊ। राजधानी के माल इलाके के मुसरिहन खेड़ा गांव स्थित प्राइमरी स्कूल में शिक्षिका की सूझबूझ से 25 बच्चों की जान बच गई। स्कूल में बने षट्कोणीय मॉडल के भूकंपरोधी कमरे में ईंटों के खिसकने की सरसराहट सुनते ही शिक्षिका बच्चों को लेकर क्लास से बाहर भागी। इसके कुछ समय बाद ही पूरा कमरा मलबे में तब्दील हो गया।सोमवार सुबह 9 बजे स्कूल के सभी कमरों में क्लासेज चल रही थीं। भूकंपरोधी कमरे में 25 बच्चे पढ़ रहे थे। प्रत्यक्षदर्शी एक शिक्षिका के मुताबिक, अचानक इस कमरे से टीचर और बच्चे शोर मचाते हुए बाहर की तरफ भागते हुए नजर आए। इससे पहले कोई कुछ समझ पाता कि पूरा कमरा भरभरा कर गिर गया। हादसा देख स्कूल में मौजूद सभी बच्चे और अध्यापक सहम गए।

रोने लगे बच्च्चे

वे सभी कमरों से बाहर निकलकर बाग में आ गए। बच्चे रोने लगे तो अभिभावकों को जानकारी दी गई। भूकंपरोधी कमरे में मौजूद शिक्षिका ने बताया कि वह बच्चों को पढ़ा रही थी, तभी यह हादसा हुआ। घटना से सहमे बच्चे रोने लगे। टीचरों ने उन्हें समझाने का काफी प्रयास किया, लेकिन वे शांत नहीं हुए।

ग्रामीणों के साथ स्कूल पहुंचे अभिभावकों ने बच्चों को गोद में उठा लिया और उन्हें चुप करवाया। किसी ग्रामीण ने यह नहीं देखा कि वे बच्चे किसके हैं। कोई बच्चे को गांव में ले गया तो किसी ने पेड़ में लगे आम दिखाकर उन्हें बहलाया।

घटना के बाद मौके पर पहुंचे ग्रामीण स्कूल की हालत देख आक्रोशित हो गए। उनका आरोप है कि घूसखोरी के कारण 2001 में बना कमरा ढह गया। इस कारण कई बच्चों की जान पर बन आई। आक्रोशित ग्रामीणों को प्रधानाचार्या मधु वर्मा, सहायक अध्यापिका सुषमा, सुमनदेवी और शिक्षामित्र सर्वेश कुमार ने समझाकर शांत कराया।

क्या कहते हैं अधिध्कारी

बेसिक शिध्क्षा अधिध्कारी (बीएसए) प्रवीण मणि त्रिपाठी ने बताया किध् यह कमरा भूकंपरोधी नहीं था। सोमवार को इसमें बच्चे भी नहीं पढ़ रहे थे। 2001 में गुंबद के आकार वाले कुछ कमरे बनवाए गए थे। उस डिजाइन में गड़बड़ी थी। इसीलिए उस तरह के कमरों का निर्माण बंद हो गया था। जांच के निर्देश दिए गए हैं।

RLB स्टूडेंट मर्डर केस: साइकिल खोजने वाले को पुलिस देगी पांच हजार रूपए का इनाम

लखनऊ। सीएम हाउस के पास त्स्ठ की 12वी की छात्रा के साथ हुए गैंगरेप मामले में पुलिस अब तक चार आरोपियों को जेल भेज चुकी है। इस मामले में अब तक लध्की की साइकिल का कोई पता नहीं चल सका है। जिसके चलते पुलिस ने घटनास्थल से गायब साइकिल को ढूँढ कर पुलिस तक पहुँचाने वाले को इनाम देने की घोषणा कर दी है।

पिछले 3 दिनों से कई राष्ट्रीय अखबारों और न्यूज पोर्टलों ने इस मामले को तूल देते हुए खबर प्रकाशित की थी की छात्रा के साथ सामूहिक बलात्कार में करीब 21 लोग शामिल थे। इन घ्बरों को संज्ञान में लेते हुए आईजी जोन लखनऊ ए. सतीश गणेश ने एक नोटिस जारी करते हुए कहा है कि यह सभी खबरें निराधार हैं। साथ ही ऐसी खबरे प्रकाशित होने से सरकार, पुलिस और पीध्ति के परिवार की गरिमा को ठेस पहुँच रही है।

उन्होंने यह भी कहा है की आगे से अगर किसी भी जन माध्यम से ऐसी घ्बर प्रकाशित होगी तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी।

इस मामले में एसएसपी लखनऊ राजेश कुमार पाण्डेय ने बताया की विवेचना के दौरान साक्ष्य जुटाने के लिए वारदात के समय से गायब साइकिल का मिलना जरूरी है। इस लिए पुलिस ने साइकिल लौटाने वाले को 5000रूपए का नगद इनाम देने की घोषणा की है।

क्या है मामला? कैसे लापता हो गई थी लड़की?

– लखनऊ के जानकीपुरम की रहने वाली प्रगति वर्मा (बदला हुआ नाम) इंदिरा नगर के आरएलबी स्कूल की स्टूडेंट थी।

– 10 फरवरी को वह केमिस्ट्री का प्रैक्टिकल एग्जाम देने के लिए घर से निकली थी। इसके बाद वो लापता हो गई थी। बताया जा रहा है कि वह स्कूल नहीं पहुंची थी।

– फैमिली ने काफी खोज–बीन के बाद जानकीपुरम थाने में गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

– 15 फरवरी सुबह हजरतगंज में पार्क रोड के जंगल में नाले से उसकी बॉडी मिली थी।

– जब पुलिस मौके पर पहुंची, तो प्रगति के हाथ पेड़ से बंधे थे। कपड़े फटे थे।

– सीएम ने मामले की एसटीएफ से जांच के आदेश दिए हैं।

देवरिया जेल में भड़के कैदियों का बवाल, फायरिंग व पथराव

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की जेलों में बंदियों का बवाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। वाराणसी, आजमगढ़, फैजाबाद तथा मेरठ के बाद आज देवरिया में कैदी भड़क उठे।

देवरिया जिला जेल में गांजा पीने की बात पर पहले कैदियों के बीच मारपीट के बाद माहौल काफी बिगड़ गया। जेल अधीक्षक रंग बहादुर पटेल ने जब प्रकरण में हस्तक्षेप किया, तो कुछ दबंग कैदी आगबबूला हो गए और उन्हें मारने के लिए दौड़ा लिया। उन्होंने इसकी डीएम व एसपी को दी। उच्चाधिकारी जब तक मौके पर पहुंचते इसके पहले ही कैदी बैरक तोड़ बाहर निकल आये। फिर उन्होंने हंगामा खड़ा कर दिया। कैदियों की मान मनौव्वल हो रही है। जेल से उंची आवाजें निकल रही थीं। स्थिति काफी गंभीर बनी थी। प्रकरण की गंभीरता भांप डीएम व एसपी भारी फोर्स के साथ जेल पहुंचे। फोर्स की भारी तादाद जेल में उपजे खतरनाक हालात की तरफ संकेत दे रही है। डीएम व एसपी मौके पर हैं। डीएम तथा एसपी के बाहर निकलने की प्रतीक्षा हो रही है। जेल के बाहर व भीतर का माहौल तनावपूर्ण है।

कैदी बैरक में वापस

देवरिया जेल में पुलिस का आपरेशन समाप्त हो गया है। करीब चार घंटे के पुलिस तथा प्रशासन के ऑपरेशन के बाद कैदी बैरकों में लौट गये हैं। अभी पेड़ पर चढ़े करीब दो दर्जन बंदियों को भी उतरा गया है। प्रशासन अब जेल में बंदियों के अलग–अलग समूहों से बात कर रहा है। इसके साथ ही दोषी चिन्हित किये जा रहे हैं।

जेल में बिगड़े हालात

जेल में स्थिति संभालने गये डीएम व एसपी के साथ पुलिस बल पर बंदियों ने पथराव कर दिया। यहां पर पांच मिनट में दस बार फायरिंग हुई है। पुलिस ने भी की फायरिंग। जेल के अंदर से तीन गोली दागने की आवाज बाहर तक गूंजी। जेल के बाहरी हिस्सों पर भी कडा पहरा। जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक के साथ जिला जज के प्रतिनिधि भी जेल में मौजूद हैं।

पुलिस फायरिंग के बाद आग

पुलिस फायरिगं में परिसर में आग लगने की सूचना है। इस सूचना के बाद फायर ब्रिगेड भेजी गई है। वहां पहले से भी दमकल मौजूद हैं।

करीब 30 राउंड फायरिंग की गई है। इसके साथ ही आंसू गैस के गोले छोड़े जा चुके हैं। फिर भी हालात बेकाबू हैं। पुलिस की टीमें एक बैरक में पहुंचने में सफल रही हैं। बंदियों के कब्जे से गैस सिलेंडर तथा कई आपत्तिजनक सामान बरामद किया गया है। सम्बंधित बैरक में सर्च आपरेशन जारी।

JNU : सजा पाए एक छात्र ने कहा– देशभक्ति है अपराध, तो बार–बार करूंगा

नई दिल्ली। सोमवार को जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्याल (JNU) प्रशासन द्वारा 9 फरवरी की घटना के बाद जेएनयू प्रशासन द्वारा लिए गए निर्णय को जेएनयू छात्र संघ ने नकार दिया है। जेएनयू छात्र संघ की उपाध्यक्ष शेहला राशिद ने कहा यह निर्णय हमारे लिए अमान्य है और कुलपति ने यह निर्णय दबाव में लिया है।

वहीं छात्रसंघ के सचिव रामा नागा का कहना है कि हम इस निर्णय के खिलाफ अदालत में अपील करेंगे। जबकि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के नेता और जेएनयू छात्रसंघ के संयुक्त सचिव सौरभ कुमार शर्मा ने कहा कि जेएनयू प्रशासन ने जो निर्णय लिया है वह जेएनयू शिक्षक संघ के दबाव में लिया है। यह न्याय नहीं समझौता है।

उन्होंने कहा कि इस फैसले में मेरे ऊपर बस में सवार होकर देश विरोधी नारे लगाते बाहर जा रहे लोगों को रोकने का आरोप है। इसके लिए मुझे अपराधी करार दिया गया है और मुझ पर 10,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है और साथ ही साथ यह भी कहा गया है की भविष्य में मैं किसी भी देश विरोधी गतिविधियों में हस्तक्षेप न करूं।सौरभ शर्मा का कहना है कि मैंने एक देशभक्त छात्र होने के नाते अपने मूल कर्तव्यों का निर्वहन किया था। यह फैसला केवल मेरे लिए ही नहीं अपितु देश में रह रहे संपूर्ण भारतीय समाज के लिए अन्याय और धोखा है।

यदि भारत माता के अपमान के विरोध में खड़ा होना अपराध है और उसकी यह सजा है तो मैं अपनी अंतिम सांस तक यह अपराध बार बार करता रहूंगा। मैं चीफ प्रॉक्टर और अपने कुलपति से कहना चाहूंगा की वह मुझे सजा देकर अपने अपराध एवं प्रशासनिक गलतियों को छुपाने की कोशिश न करें। उन्होंने कहा कि मैं मांग करता हूं कि जो देशविरोधी तत्व इसके अपराधी हैं उन्हें आजीवन जेएनयू कैंपस से निष्कासित किया जाए।

आप भी जारी करवा सकेंगे खुद का डाक टिकट, वह भी सिर्फ 300 रुपये में

गाजियाबाद। महान हस्तियों की तरह आप भी अपनी फोटो वाला डाक टिकट जारी करवा सकते हैं। डाक विभाग अपनी लोकप्रियता बढाने के लिए गाजियाबाद जिले में इस तरह की व्यवस्था जल्द ही शुरू करने जा रहा है।

अपनी फोटो वाले डाक टिकट के लिए आपको मात्र तीन सौ रुपये व अपनी पासपोर्ट साइज की फोटो डाकघर में जमा करनी होगी। बदले में 12 डाक टिकटों वाली शीट आपको मिलेगी। इस टिकट को पोस्टल सेवा में आप इस्तेमाल कर सकते हैं। प्रधान डाकघर में माई स्टैंप नाम से अलग काउंटर खोला जाएगा।

एक टिकट की वैल्यू पांच रुपये की होगी। कोई भी व्यक्ति अपनी या अपने परिचित की फोटो या पसंदीदा सीनरी को टिकट पर छपवा सकता है। अभी तक यह व्यवस्था दिल्ली, आगरा, लखनऊ में है। इसी हफ्ते यह व्यवस्था नवयुग मार्केट स्थित प्रधान डाकघर में शुरु होने जा रही है।फोटो व पैसा देने के 15 मिनट बाद ही डाक टिकट की शीट आपको मिल जाएगी। माई स्टैंप काउंटर पर फोटो खींचने की भी व्यवस्था रहेगी। यदि कोई व्यक्ति अपने साथ पासपोर्ट साइज की फोटो नहीं लाता है तो वह काउंटर पर फोटो खिचवा सकता है। आपको अपने साथ अपना परिचय पत्र साथ ले जाना होगा।

कोई भी इंस्टीट्यूट या संस्था चाहे तो वह भी अपनी संस्था की फोटो वाला डाक टिकट जारी करवा सकती है। इसके लिए संस्था को कम से कम 12 टिकटों वाली 100 शीट लेनी पड़ेगी। 100 शीट लेने पर संस्था को कुछ छूट दी जाएगी।

जडेजा की शादी के दौरान जश्न में हुई फायरिंग में एफआईआर दर्ज

नई दिल्ली। रवींद्र जडेजा की शादी अचानक उस समय विवादों में आ गई जब 17 अप्रैल को राजकोट में आयोजित उनके विवाह समारोह के जश्न में रिश्तेदारों ने गोलियां चला दी थी। फिलहाल गोली चलाने के मामले में प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।जडेजा आईपीएल की गुजरात लॉयन्स टीम में खेल रहे जडेजा ने 17 अप्रैल को रीवा सोलंकी से शादी की थी।बारात निकलने के दौरान जडेजा के एक रिश्तेदार ने एक पिस्तौल से छह गोलियां हवा में चलाईं। यह दृश्य कैमरे में कैद हो गया था। लोधिका तहसील थाने के अधिकारी एमएन राणा ने कहा, हमने जडेजा परिवार के यहां शादी के वीडियो देखे हैं ।

थार के रेगिस्तान में किसानों के पास 'लबालब जलस्रोत'

जैसलमेर। ये देश के दो अलग हिस्सों की तस्वीरे हैं। एक तरफ जहां किसान बेबस हैं। लोग आसमान की तरफ टकटकी लगाए हुए हैं कि इंद्र देवता मेहरबान हों और उनकी सूखी जमीन की प्यास बुझ सके। वहीं थार के रेगिस्तान में पानी का मिलना अपने आप में अनोखी बात है। थार के रेगिस्तान में जलस्रोत की मौजूदगी तपती गर्मी में शीतलता प्रदान करती है। अंग्रेजी न्यूज के अनुसार, पाकिस्तान की सीमा से करीब 50 किमी दूर जैसलमेर जिले के चलनवाला गांव में जलस्रोत किसानों के लिए वरदान साबित हो रहे हैं।

चलनवाला गांव में सात साल पहले, किसान अरशद अली चरनवाला गांव में ट्यूबवेल की खुदाई शुरू की थी। 560 फीट की गहराई में उसे पानी का स्रोत मिला। यह फव्वारा इतनी तेजी से फूटा कि इसे रोकना असंभव था। आज उसकी खेत में इतना पानी है कि वह आस–पास की खेतों में भी पानी दे रहा है।

अली ने अपने अनुभव को बताते हुए कहा कि यह कोई इकलौता और अनोखा नहीं है। जिले में 60 किमीवर्ग के क्षेत्र में पानी प्रचुर मात्रा में उपलब्ध है। पानी का यह बहाव समय के साथ कम नहीं हुआ।यदि पानी के इस बहाव को नियंत्रित करने की कोशिश की जाती है तो पाइप के फटने का अंदेशा रहता है।इस क्षेत्र में कम से कम 10 ट्यूबवेल शुरू किए गए हैं और पानी काफी फोर्स के साथ आ रहा है। जैसलमेर के पूनम नगर में ग्रामीणों ने उस स्थान पर मंदिर बनवाने का निर्णय लिया है।

एक वर्ष पहले जैसलमेर के पूर्व जिला कलक्टर गिरीराज सिंह कुशवाहा ने राज्य सरकार से इस पानी के उपयोग की के लिए योजना के बाबत दरख्वास्त की थी।अक्टूबर 2005 में, सरस्वती नदी पर अध्ययन के लिए ओएनजीसी बोर्ड ने 1.7 करोड़ रुपये की मंजूरी दी थी। 2007 में ओएनजीसी ने जैसलमेर के कुछ हिस्सों में कुएं बनवाए और 550 मीटर की गहराई पर पानी के स्रोत की भी खोज की। गहराई के इस स्तर पर यहां कुएं बनवाए गए।

दूसरे जिलों में इतर हैं हालात

देश में 33 करोड़ लोग सूखे की मार झेल रहे और काफी हिस्सों में जलसंकट है। थार के एक जिले में इतना पानी वहीं दूसरे जिले में गर्मी के मौसम की शुरुआत के साथ ही गर्म हवाओं ने अपनी तल्खी का इजहार जोर शोर से करना शुरू कर दिया है। इसका प्रभाव लोगों के अलावा खूबसूरत पक्षियों पर हो रहा है।

थार के डिप्लो टाउन स्थित गांवों में कम से कम 20 मोर की जान चली गयी है वहीं नागरपार्कर जिले में 10 मोर के मरने की खबर है। इसके अलावा गर्मी से अपने जीवन के लिए दर्जनों मोर संघर्ष कर रहे हैं। वन्यजीवन विभाग को अनेकों बार सूचना भेजने के बाद भी कोई आवश्यक कदम नहीं उठाए गए। पिछले वर्ष भी गर्मी के मौसम के कारण ही करीब 200 मोर की जान गयी थी।

विशाखापट्टनम के ऑयल डिपो में आग : 6 कंटेनर में ब्लास्ट से कितने करोड़ का नुकसान

विशाखापट्टनम।आंध्र प्रदेश के विशाखापट्नम के पास एक बायोडीजल यूनिट में आग लग गई। इसमें तेल के 18 टैंकर हैं। आग 12 टैंकरों तक फैल गई। आईविटनेस के मुताबिक, इनमें से 6 टैंकरों में ब्लास्ट हो गया। अब तक 120 करोड़ रुपए का नुकसान बताया जा रहा है। फिलहाल आग पर काबू पा लिया गया है, लेकिन हालात नॉर्मल होने में और वक्त लगेगा। 40 फायर ब्रिगेड की गाडध्यिां पहुंची थीं आग पर काबू पाने...

– घटना मंगलवार रात की है। कंपनी का नाम बायोमैक्स है।

– आग बुझाने के लिए 40 फायर ब्रिगेड की गाडध्यिां पहुंची थीं।

– हादसे के दौरान 15 इम्प्लॉइज वहां थे। ये सभी सेफ बताए जा रहे हैं।

– आग लगने के कारणों का पता नहीं लगा है। हालांकि, इसके चलते 120 करोड़ रुपए का नुकसान हुआ है।

– आग से किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

– सीएम चंद्रबाबू नायडू ने मामले में सभी अफसरों से बात की।

– केंद्रीय मंत्री गांता श्रीनिवास राव भी मामले पर नजर रखे हुए हैं।

– एक नेवी अफसर राजेश शेट्टी के मुताबिक, आग बुझाने के लिए हमने 15 फायर ब्रिगेड की गाडियों को भेजा है।

– आग कंट्रोल करने के लिए जो भी बन पड़ेगा, हम करेंगे।

अभी भी जारी है काम

– एक अफसर के मुताबिक, बुधवार सुबह भी 8 टैंक्स में आग की लपटें दिख रही थीं।

– हालांकि, आग पर काबू पा लिया है लेकिन पूरी तरह हालात सामान्य होने में वक्त लगेगा।

– एक टैंकर में करीब 3 हजार लीटर ऑयल रहता है।

सम्पादकीय

शुद्ध राजनीतिक धोखा

आरएसएस प्रमुख ने फिर एक बार मोदी की गिरती साख के चलते बदहवासी में राममंदिर का मुद्दा उछाला है । अन्य कई विमूढ़ लोगों की तरह ही उन्होंने कानून बना कर राममंदिर बनाने की मांग की है जो भारत के संविधान और कानून के बारे में उनकी खुद की अज्ञता अथवा आम लोगों के बड़े हिस्से की अज्ञानता से राजनीतिक लाभ उठाने की उनकी बदनीयती के अलावा और कुछ नहीं है ।भारत एक धर्म–निरपेक्ष जनतांत्रिक राष्ट्र है जिसमें राज्य का काम एक समतावादी समाज के निर्माण के लिये जन–कल्याणकारी दिशा में नीतियां बना कर उन पर अमल करना निर्धारित है। मंदिर, मस्जिद, गिरजा या गुरु द्वारा बनाना राज्य का काम कतई नहीं है। राज्य अगर ऐसा कोई भी काम करता है तो वह संविधान के धर्मनिरपेक्ष चरित्र का खुला उल्लंघन होगा और इसीलिये उसे कानून की अदालत में चुनौती दे कर तत्काल निरस्त किया जा सकता है, बल्कि किया जायेगा। इसके अलावा, अयोध्या में राम मंदिर के मामले में तो कानून बना कर मंदिर बनाने का कोई भी कदम संविधान और कानून के दोहरे उल्लंघन का कदम होगा।अभी 28 अक्टूबर से सुप्रीम कोर्ट में इस मसले से जुड़े मामले पर रोजाना सुनवाई शुरू होने वाली है। इसके पहले ही सुप्रीम कोर्ट ने अपने पिछले निर्णय में यह साफ कर दिया था कि वह राममंदिर या बाबरी मस्जिद के बनने या न बनने के सवाल पर विचार नहीं करेगा। अर्जुन की मछली की आंख की तरह उसकी नजर सिर्फ और सिर्फ बाबरी मस्जिद जिस जगह थी उस जमीन के मालिकाना हक से जुड़े दीवानी पहलू पर ही टिकी रहेगी। सुप्रीम कोर्ट के इस स्पष्टीकरण के बाद से ही वास्तव में राममंदिर की राजनीति में सुप्रीम कोर्ट को घसीट लाने की सारी कोशिशों पर पानी फिर गया था।इस बात को सारी दुनिया जानती है कि इस विवादित स्थल पर पिछले लगभग चार सौ साल से एक मस्जिद थी और वहां रामलला की मूर्ति तो चोरी–छिपे 1949 में बैठा कर जोर–जबर्दस्ती एक मंदिरनुमा तंबू बना दिया गया है। इसीलिये हर कोई यह भी जानता है कि उस जमीन पर मालिकाना हकध् के मामले में राममंदिर वालों की जीत असंभव है। वे कानून के ऊपर अपनी आस्था को रखने की जिद ठाने हुए हैं, जो किसी भी धर्मनिरपेक्ष संविधान से चालित कानून के शासन में संवैधानिक तौर पर मान्य नहीं हो सकता है। इस सच्चाई को अच्छी तरह समझने के कारण ही आरएसएस के सारे तत्व इस मुद्दे को राजनीतिक तौर पर ही आगे और जीवित रखने के लिये अब कानून बना कर राम मंदिर बनाने की बात कहने लगे हैं। वे यह जानते हैं कि उनका यह कानून, वह किसी रूप में, अध्यादेश या बाकायदा संसद द्वारा पारित कानून के रूप में क्यों न आए, उस समय तक सुप्रीम कोर्ट में टिक नहीं सकेगा, जब तक संविधान को ही पूरी तरह से बदल कर भारत को धर्म–निरपेक्ष राष्ट्र के बजाय हिंदू राष्ट्र घोषित नहीं किया जाता ।सारे संघी नेता इस सच को जानते हैं, लेकिन वे यह मान कर चल रहे हैं कि इससे वे संभवतरू एक नई और लंबी कचनूनी लड़ाई का प्रारंभ कर पायेंगे, जिसका हर मौकध्–बेमौके वे राजनीतिक लाभ उठा पायेंगे। अर्थात, कानून बना कर राम मंदिर बनाने की बात राम मंदिर बनाने का रास्ता साफ करने का कोई वास्तविक उपाय नहीं, आम लोगों को बरगलाने और सांप्रदायिक जहर फैलाने का एक प्रवंचनाकारी कदम भर होगा। इसे भारत में वर्तमान संविधान के रहते कभी भी स्वीकृति नहीं मिल सकती है। इस सच्चाई को सभी नागरिकों को समझ लेने की जरूरत है कि भारत सरकार मंदिर बनाने के लिये किसी की भी जमीन का अधिग्रहण करने लिये स्वतंत्र नहीं है। अगर ऐसी कोई भी कोशिश की गई तो हम समझते हैं कि उस पर अदालत से रोक लगाने में एक क्षण का भी समय नहीं लगेगा। और, अगर कानून भी बनाया गया, तो उसकी नियति उसके पूरी तरह से खारिज हो जाने के अलावा दूसरी कुछ नहीं हो सकती है ।धार्मिक आस्थावान लोगों के लिये इस पूरे विषय का सही, संविधान–सम्मत और न्यायसंगत एक मात्र समाधान यही है कि बाबरी मस्जिद की जमीन बाबरी मस्जिद वालों को सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद सौंप दी जाए और उसके बगल में, यदि राममंदिर वालों को जमीन उपलब्ध हो तो उसे खरीद कर उस पर या अगल–बगल में कहीं भी भव्य राममंदिर बना दिया जाए। इसके अलावा, इस विषय पर जहरीली राजनीति हमारे राष्ट्र को अंदर से तोड़ने की राष्ट्र–विरोधी राजनीति होगी। दुर्भाग्य से राष्ट्रवाद की रट लगाने वाले ही आज देशमें सबसे अधिक राष्ट्र–विरोधी कामों में लगे हुए हैं।

मिले भूख से आजादी

इंटरनेशनल फूड पॉलिसी रिसर्च इंस्टीट्यूट (आइएफपीआरआइ) ने विश्व का भूख सूचकांक प्रकाशित किया है. इस सूचकांक के अनुसार 119 देशों की लिस्ट में भारत 103 नंबर पर है और दक्षिणी कोरिया एवं बांग्लादेश से भी पीछे है. भारत की ऐसी बदहाली क्यों है? इससे बाहर निकलने का क्या उपाय हो सकता है? क्या इसके लिए समाज को भी जागरूक करना जरूरी नहीं है?

पहले इस सूचकांक को समझ लें. इस बनाने के लिए चार तरह की सूचनाओं को एक साथ एकत्रित किया गया हैरू अपर्याप्त भोजन आपूर्ति, बच्चों की मृत्यु दर और कुपोषण.

इस तरह की सूचनाओं को चार तरह के सूचक में बांटकर इस सूचकांक को बनाया जाता हैरू अपर्याप्त कैलोरी के कारण होनेवाले कुपोषण, पांच साल तक की उम्र के ऐसे बच्चों की संख्या जिनका कुपोषण के कारण उनकी ऊंचाई के अनुसार वजन कम है, बच्चों की संख्या जिनकी कुपोषण के कारण ऊंचाई उम्र के हिसाब से कम है और बच्चों की मृत्यु दर. इसलिए इस सूचकांक में नीचे होने का अर्थ है कि हमारा देश जिस बात को अपनी ताकत समझ रहा वहीं, इसकी स्थिति गंभीर बनी हुई है. हम समझते हैं कि हमारे देश के बच्चों की संख्या आनेवाले समय में दूसरे देशों से आर्थिक रूप से सक्रिय जनसंख्या में हमें आगे ले जायेगी और यह हमारी बड़ी ताकत होगी. लेकिन यदि यह जनसंख्या बीमार और लाचार लोगों की हो जाये, तो यही हमारी सबसे बड़ी कमजोरी भी हो जायेगी. इस सूचकांक के आने से इतना तो स्पष्ट हो गया है कि विकास के जो दावे हम बढ़–चढ़कर कर रहे हैं, उसमें सच्चाई केवल आंशिक है. इतने वर्षों तक जिस जीडीपी और प्रतिव्यक्ति आय को हम विकास का मानक मानते रहे हैं, उससे हमारे समाज के बारे में शायद ही कुछ पता चलता है. अंतरराष्ट्रीय शक्ति बन पाने का हमारा सपना केवल सपना रह जायेगा, यदि हम इस समस्या का सही निदान नहीं निकाल सके. अच्छा तो यह हो कि राज्य सरकारें भी इस तरह का कोई सूचकांक बनायें, ताकि भारत के अंदर भी विषमताओं को ठीक से समझा जा सके. इस रिपोर्ट के अनुसार भारत की स्थिति पहले से भी बदतर हो गयी है. हम कुछ और सीढ़ी लुढ़क गये हैं. आनेवाले समय में यदि कुछ नहीं किया गया, तो स्थिति और भी बदतर हो सकती है. क्या इसका यह अर्थ भी निकाला जाना चाहिए कि हमारा विकास समावेशी नहीं है? इस विकास का फल केवल ऊपर के हिस्सों में ही बंट जा रहा है? क्या यह नहीं समझना चाहिए कि विकास का मॉडल जो नव उदारवादी आर्थिक नीतियों ने हमें दिया है, यह उसका ही दुष्परिणाम है? विकास के इस मॉडल में एक तरफ संपत्ति और दूसरी तरफ गरीबी जमा हो रही है. नव उदारवादी आर्थिक चिंतन में

विकास का मापदंड कुछ ऐसा बना है कि समावेशी विकास को उसमें कोई महत्व नहीं मिल पाता है. मजदूरों से संबंधित कानून, हर सुविधा को बाजार के द्वारा संचालित करने की जिद और उत्पादन के अनौपचारिक क्षेत्रों का विकास आदि कुछ ऐसी नीतियां हैं कि इसमें लोगों की सामाजिक सुरक्षा खतरे में रहती है. यदि यह हालत सामान्य लोगों की है, तो गरीबी रेखा से नीचे रहनेवालों की स्थिति क्या हो सकती है? इस सूचकांक में भारत की यह हालत इस बात का द्योतक भी है कि यहां की आर्थिक स्थिति जैसी है, उसमें लोक कल्याणकारी राज्य के अलावा कोई सुरक्षा यथेष्ट नहीं है. नव उदारवादी नीतियों ने भारतीय राज्य के लोक कल्याणकारी स्वरूप को जो झटका दिया है, यह उसी का परिणाम है. यह बात सरकारों को समझ लेना होगा कि राष्ट्र का हित संविधान के उन नीति–निर्धारक नीतियों का पालन करने में ही है, जिसने भारतीय समाज को वर्षों तक पूंजीवादी वर्चस्व से बचाये रखा. सच तो यह है कि अब नीति–निर्धारक नीतियों को प्रमुखता देने का समय आ गया है. भारत को इस समस्या से निजात पाने के लिए कई आयामों पर एक साथ काम करने की जरूरत है. सबसे पहले तो भूख से आजादी का जिम्मा सरकारों को लेना होगा और शहर–शहर और गांव–गांव में 'अम्मा–रसोई' जैसी व्यवस्था करनी होगी, जिसमें संतुलित आहार हर बच्चे को न्यूनतम मूल्य पर उपलब्ध हो सके. हो सकता है इस काम में कुछ खर्च भी आये, इसके लिए सरकारों को तैयार होना चाहिए कि अन्य अपव्यय को कम करके इस काम को किया जाये. इसके साथ ही जितनी भी स्वयंसेवी संस्थाएं भारत में काम करती हैं, उन्हें यह निर्देश दिया जाना चाहिए कि अपने कार्यक्षेत्र में इसकी व्यवस्था जनसहयोग से करें इसका एक अच्छा उदाहरण पलामू में काम करनेवाले एक स्वयंसेवी संस्था 'चक्रिय विकास योजना' ने प्रस्तुत किया था. इस संस्था के निदेशक ने इस प्रयोग के तहत दूध और फल का भरपूर उत्पादन किया था और यह घोषणा की थी कि इसे बेचा नहीं जायेगा, बल्कि बच्चों और बुजुर्गों में बांटा जायेगा. भोपाल के एक स्वयंसेवी संस्था ने भी केवल पांच रुपये में भरपेट संतुलित आहार देने का काम शुरू किया है. हालांकि, इस एक प्लेट की लागत तो बीस से पच्चीस रुपये तक है. बाकी पैसे समाज के सहयोग से उपलब्ध हो रहा है. तमाम धार्मिक संस्थाओं से अनुरोध किया जाना चाहिए कि नियमित रूप से बच्चों के लिए भोजन की व्यवस्था उनके द्वारा की जाये. इस सबके लिए यदि राज्य को कुछ कानून भी बनाने की जरूरत पड़े, तो बनाना चाहिए. इसके अलावा, शादी – ब्याह में जो खाने की बर्बादी हो रही है, उसे भी रोकने की जरूरत है. उस खर्चे में कटौती कर इस काम के लिए धन उपलब्ध कराने की जरूरत है. यह काम कठिन तो है, लेकिन मुश्किल नहीं है. इसे राष्ट्रीय आपदा की तरह देखा जाना चाहिए और समाज को इसमें सहयोग करना अपना नैतिक दायित्व समझना चाहिए. शायद अब भी कोई राष्ट्रीय नेतृत्व इतना प्रभावकारी हो, जिसके आह्वान पर लोग अपने खाने से एक मुट्ठी अनाज जरूरतमंद बच्चों के लिए जमा कर सकें और अपने मानवीय नैतिक दायित्व का पालन कर सकें. मुझे मालूम है कि इन बातों को सुनकर कोई भी कह सकता है कि भारत में तो ऐसी अनेक समस्याएं हैं, आखिर किस–किस के लिए क्या–क्या किया जा सकता है. लेकिन, मैं इस बात को स्पष्ट करना चाहता हूं कि भूख की और कोई भी समस्या इतनी गंभीर और अनैतिक नहीं है. यहां तो उन बच्चों की जिंदगी का सवाल है, जिन्हें इस 'धनी देश' में भोजन नसीब नहीं है, और जो जीवनभर विकलांगता में जीने के लिए बाध्य हैं. हमें इसका नैतिक दायित्व तो लेना ही होगा.

संघ के स्वभाव में है खुलापन

विजयदशमी पर सरसंघचालक मोहन भागवत के संबोधन के बाद जैसी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं कुछ वैसी ही उनकी तीन दिवसीय व्याख्यानमाला के उपरांत भी आई थीं। तब किसी ने भागवत जी के संबोधन का स्वागत किया। किसी ने जो कहा गया उसकी प्रामाणिकता पर संदेह जताया। कुछ लोगों को अभी भी लगता है कि संघ में खुली चर्चा या संवाद के लिए कोई अवसर नहीं है, परंतु वास्तवकता है कि संघ में अनेक षयों पर खूब खुली बहस और चर्चा होती है। सरसंघचालक समेत सभी अखिल भारतीय अधिकारियों के प्रवास में प्रत्येक स्थान पर स्वयंसेवकों से प्रबुद्ध नागरिकों से जिज्ञासा समाधान का कार्यक्रम अवश्य रहता है। संघ के बारे में जो दुष्प्रचार होता रहा उसके कारण बाहर के लोगों को ऐसा लगना स्वाभाक था कि संघ में अब खुलापन आ रहा है, नए चारों का स्वागत हो रहा है। ईसीलिए किसी ने इसे ग्लासनोस्त की उपमा भी दी। देशी चारों या रोधियों की शब्दावली का हमें ऐसा अभ्यास हो जाता है कि हम भी अनजाने में उनका उपयोग करने लगते हैं। ग्लासनोस्त और पेरेस्त्रोइका यानी खुलापन और सुधार। ये संकल्पनाएं मूलतरू रूसी भाषा से हैं। कम्युनिस्ट रूस की कठोर साम्यवादी व्यवस्था के पतन और खंडन के समय ये संकल्पनाएं चर्चा में आईं और इस तरह बहुत वर्षों की तानाशाही व्यवस्था के बाद सामाजिक चर्चा में खुलापन और आर्थिक एवं राजनीतिक क्षेत्र में सुधारों की बात की गई।

सेमेटिक मूल के चारों की यह शेषता रही है कि सोचने का काम एक व्यक्ति या फिर एक छोटा समूह ही करता है। उसका अनुसरण करना सभी के लिए बाध्यता होती है। इससे अलग सोचेंगे तो वह द्रोह होगा। इसकी कड़ी सजा भी तय है। रूस में कम्युनिस्ट क्रांति के नाम पर कुछ ऐसा ही हुआ था। चर्च ने यह ईसाईयत के नाम पर शुरू किया था। इसके चलते गैलीलियो को कारावास सहना पड़ा। उनका अपराध इतना ही था कि चर्च की मान्यता के परीत उन्होंने कहा कि पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा करती है। कम्युनिस्ट रूस और चीन में मार्क्स की पोथी के खिलाफचार रखने के कारण कितने ही लोगों को मृत्यु का सामना करना पड़ा या देश छोड़ना पड़ा। जहां नया चार प्रकट करने की सोच भी नहीं सकते वहां

नया चार करने की सुबह का निश्चित ही महत्व है, परंतु भारत में देश, काल, परिस्थिति के अनुसार समाज को दिशा देने वाले, नई राह बताने वाले संत, आध्यात्मिक पुरुष, समाज सुधारक यहां हमेशा होते आए है और आते रहेंगे। आधुनिक काल को देखें तो स्वामी दयानंद सरस्वती, रामकृष्ण परमहंस, स्वामी वेकानंद, नारायण गुरु आदि अनेक नाम सामने आते हैं। सामाजिक सुधारकों को भी समाज ने मान्यता दी है। इसीलिए वेकानंद की यूरोपियन मूल की शिष्या भगिनी निवेदिता, जो ईसाई पादरी की बेटी थीं, ने लिखा कि रूनो यदि भारत में होता तो जिंदा नहीं जलाया जाता। 1राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का वैचारिक आधार भारतीय चिंतन होने के कारण संघ में खुली बहस हमेशा चलती है और अनेक नए सुझावों का स्वागत भी होता है। ऐसे कुछ अनुभव–उदाहरण जानने योग्य हैंरू मेरा जन्म संघ परिवार में ही हुआ। मेरे पिताजी ने 18 वर्ष की आयु में 1941 में आजीवन संघ कार्य करने की प्रतिज्ञा ली। वह आज भी उसका पालन कर रहे हैं। बचपन से ही शाखा में जाने का मेरा अनुभव है। मैंने कभी संघ में मुसलमान या ईसाई के प्रति घृणा या तिरस्कार की बात नहीं सुनी। राष्ट्र रोधी तत्वों का रोध (घृणा या तिरस्कार नहीं) जम कर होता देखा है। 1971 से मुझे एक शाखा का दायित्व मिला जो नागपुर में अजनी स्टेशन के सामने चलती थी। पास ही सरकारी मेडिकल हॉस्पिटल के मकान थे। एक दिन 10–12 बच्चों का एक नया समूह शाखा में आया। सभी का परिचय हुआ। उनमें आमिल खान और फिरोज खान 7वीं और 5वीं में पढ़ने वाले दो भाई थे। शाखा में किसी मुस्लिम से मैं पहली बार मिल रहा था। दो दिन बाद मैं उनके घर संपर्क के लिए गया। बच्चों के पिता बशीर खान एंबुलेंस के ड्राइवर थे। मैंने अपना परिचय दिया और यह जानकारी दी कि उनके बच्चे दो दिन से शाखा में आ रहे हैं। उन्होंने चाय के लिए कहा। मैं तब चाय नहीं पीता था, परंतु मुझे चार आया कि मैं मना करूंगा तो कहीं वह यह न सोचने लगें कि हम मुसलमान हैं इसलिए मना कर रहे। इसलिए मैंने आधा कप चाय ली। चाय पीने का यह मेरा पहला अनुभव था। मुझे याद है कि आमिल और फिरोज 10 वीं तक शाखा में नियमित आते रहे। संघ मुसलमानों का तिरस्कार करता है और उन्हें दुश्मन मानता है, ऐसा दुष्प्रचार होता देखकर आश्चर्य होता था। मेरा प्रांत प्रचारक का दायित्व 1996 से 2006 तक था। अखिल भारतीय स्तर पर अनेक बैठकों में रहना हुआ। मुझे कोई नया चार सूझता तो मैं सरकार्यवाह शेषाद्रि जी से साझा करता। पूजनीय रज्जू भैय्या ने भी कभी मुझे नए चार, सुझाव देने से रोका नहीं। हां, एक बार ऐसा कहकर टोका अवश्य था कि अपनी भाषा शालीन होनी चाहिए।1संघ में कैसा खुलापन है, इसका एक अन्य उदाहरण मुझे याद है। एक भाग प्रचारक को कुछ समय के लिए भारत के बाहर चलने वाले हिंदू स्वयंसेवक संघ का दायित्व मिला। हिंदू स्वयंसेवक संघ की कार्य पद्धति राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के समान ही है, परंतु प्रार्थना अलग है। भाग प्रचारक ने वहां जाने पर पाया कि भारत में संघ की प्रार्थना की दो महत्व की बातें वहां की प्रार्थना में नहीं हैं और वे जुड़नी चाहिए। जब उन्होंने अपने निकटस्थ अधिकारी से यह कहा तो जवाब मिला कि यह प्रार्थना माननीय भिड़ेजी ने बनाई है और पूजनीय गुरुजी ने देखी है। वर्षों से चल रही है। उन्हें यह उत्तर ठीक नहीं लगा। उन्होंने जब दत्तोपंत ठेंगड़ी जी को यह बताया तो ठेंगड़ी जी कहा कि यह यदि सच है तो परिवर्तन करना चाहिए। जब यह बात संघ के पदाधिकारियों के ध्यान में लाई गई तो उस पर चार हुआ और वर्ष 2000 से श्व भाग की 50 वर्षों से प्रचलित प्रार्थना में एक नया श्लोक जोड़ने का निर्णय हुआ। एक भाग प्रचारक के सुझाव पर प्रार्थना जैसे गंभीर षय पर चर्चा करते हुए उसमें सहज परिवर्तन करना संघ की कार्यपद्धति की शक्ति है। इससे यह भी पता चलता है कि संघ में कितना खुलापन है। 1संघ के एक जीवंत संगठन होने के नाते ऐसे परिवर्तन सहज हैं। हां, इतना शाल और व्यापक संगठन होने के कारण ऐसे परिवर्तन नीचे तक समझाने और लागू करने में समय लगता है। 1990 के बाद जब सेवा, संपर्क और प्रचार भाग संघ में नए जुड़े तब उनकी उपयोगिता नीचे तक समझाने में पांच से दस साल लगे थे। नई बातों का स्वीकार करने का रोध नहीं है। उन पर चर्चा अवश्य होती है और प्रश्न पूछे जाते हैं। 2015 में जब 85 वर्षों बाद संघ के गणवेष में निक्कर बदलकर पैंट स्वीकार की गई तब भी निर्णय में सहमति लाने के लिए पांच वर्ष लगे। वस्तुतरू जहां पोथीबंद चारों का अंधकार है वहां ग्लासनोस्त और पेरेस्त्रोइका का महत्व है परंतु जहां सतत नया चार होता रहता है और पुराने शाश्वत तत्वों के आधार पर नई बातों को सहज स्वीकार किया जाता है वहां इन रूसी संकल्पनाओं की आवश्यकता नहीं। इस संबंध में प्रसिद्ध गुजराती लेखक ध्रुव भट्ट की एक कता की पंक्ति याद आती हैरू1रात्रि के जागरण तो पृथ्वी के होते हैं । सूरज की तो रात ही कभी नहीं होती है1

दुरुस्त करें अपनी प्राथमिकताएं

भारत के आर्थिक विकास की गति इस वर्ष भी चीन से आगे निकल विश्व में अव्वल आनेवाली है. मुद्रास्फीति को समायोजित करके भी हमारे जीडीपी की वास्तविक वृद्धि दर 7 प्रतिशत से ऊपर रहनेवाली है, जबकि इस पैमाने पर चीन 6.5 प्रतिशत से भी नीचे खिसक सकता है. आर्थिक विकास देश के नागरिकों के जीवन स्तर में वृद्धि का कारक होता है और यह वस्तुओं तथा सेवाओं के मूल्य के अलावा बुनियादी ढांचे एवं यहां तक कि सुरक्षा तथा प्रदूषण नियंत्रण जैसी सामाजिक बुराइयों पर होनेवाले खर्च की भी माप करता है. जीडीपी के साथ ही हमें लोगों के जीवन में आये वास्तविक सुधार को भी मापने की जरूरत होती है, जिन्हें मानव विकास सूचकों के आधार पर तौला जाता है. इनमें सर्वाधिक उपयोगी सूचक मानव विकास सूचकांक (एचडीआइ) है, जिसे भारतीय नोबेल पुरस्कार विजेता अर्थशास्त्री अमर्त्य सेन तथा पाकिस्तानी अर्थशास्त्री महबूब–उल–हक ने वर्ष 1980 में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के तत्वावधान में विकसित किया था. एचडीआइ के पूर्व इस कार्य के लिए 'जीवन की भौतिक गुणवत्ता सूचकांक' (पीक्यूएलआइ) नामक सूचक का इस्तेमाल किया जाता था. पीक्यूएलआइ पूरी तरह परिणामों पर गौर करते हुए आय तथा जीडीपी की पूर्ण उपेक्षा कर देता था. मगर एचडीआइ प्रतिव्यक्ति जीडीपी, जीवन प्रत्याशा और साक्षरता के तीन सूचकों पर आधारित है तथा इसके नतीजे को 0 से 1 तक की संख्या के रूप में प्रदर्शित किया जाता है.

एचडीआइ के पैमाने पर पहली वैश्विक रिपोर्ट 1990 में प्रकाशित हुई. इस सूचकांक के साथ एक उल्लेखनीय बात यह है कि इसके नतीजे को अत्यंत छोटे स्तर के लिए भी प्रदर्शित किया जा सकता है.

हम किसी एक देश, राज्य, शहर अथवा एक गांव का भी एचडीआइ माप सकते हैं और इस पर सिर्फ एक लिंग अथवा किसी खास आयुवर्ग के प्रदर्शन की माप भी की जा सकती है. इसकी गणना पद्धति सरल एवं वस्तुपरक है तथा वह इसे कई अवधियों, देशों, क्षेत्रों अथवा उपसमूहों के बीच तुलना के योग्य भी बनाती है. वर्ष 2010 से यूएनडीपी एचडीआइ को किसी देश की आंतरिक असमानता के लिए समायोजित करती रिपोर्ट प्रकाशित करता आ रहा है, जिसे आइएचडीआइ कहते हैं. अब इसे किसी देश की जीडीपी यानी उसके द्वारा उत्पादित आय तथा वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य से आगे बढ़कर इसका पैमाना भी माना जाता है कि उसके नागरिक कितने स्वस्थ हैं उसके बच्चे कितने शिक्षित हैं इस वर्ष भारत का आइएचडीआइ 0.64 यानी पिछले वर्ष से थोड़ा अधिक है, पर 189 देशों में हम श्रीलंका (76वां स्थान) से नीचे और बांग्लादेश (136वां स्थान) से कुछ ही ऊपर 130वें पायदान पर हैं. यह रिपोर्ट लगभग तीस वर्षों से प्रकाशित हो रही है और इस दौरान भारत के प्रदर्शन में तकरीबन 50 प्रतिशत का सुधार आया है. हमारी जीवन प्रत्याशा में जहां 11 वर्षों की बढ़ोतरी हुई है, वहीं औसत विद्यालयी शिक्षा में प्रति बच्चा लगभग पांच वर्ष की वृद्धि दर्ज की गयी है. वर्ष 1990 की तुलना में हमारी प्रतिव्यक्ति आय, क्रयशक्ति की भिन्नता को शामिल करते हुए भी, मोटे तौर पर 300 प्रतिशत बढ़ी है. इस तरह यह तो साफ है कि आय की दृष्टि से भारत का प्रदर्शन अच्छा है, पर पड़ोसी श्रीलंका से तुलना करें, तो हम इस बढ़ोतरी को स्वास्थ्य तथा साक्षरता के तदनुरूप लाभ में नहीं बदल सके हैं. यदि भारत के प्रदर्शन को असमानता के लिए समायोजित कर दें, तो यह 0.64 से गिरकर 0.47 पर आ जाता है, जिसका अर्थ यह है कि हमारे प्रदर्शन की बेहतरी हमारी आबादी के एक छोटे हिस्से तक सीमित रह गयी है. दूसरी ओर, श्रीलंका के प्रदर्शन में असमानता के लिए समायोजन के बाद भी सिर्फ 0.11 अंकों का फर्क पड़ता है. पिछले ही सप्ताह विश्व बैंक ने भी अपनी पहली 'मानव पूंजी सूचकांक' (एचसीआइ) रिपोर्ट प्रकाशित की है, जिसने 157 देशों की सूची में भारत को नेपाल, बांग्लादेश, श्रीलंका और म्यांमार से नीचे 115वां स्थान दिया. यह निश्चित ही चिंताजनक था और भारत सरकार ने इस रिपोर्ट के औचित्य, उपयोगिता तथा गणना विधि पर अपनी आपत्तियां जतायीं.

वाहन चोर गैंग के 03 अपराधी चोरी की 03 कारें सहित गिरफ्तार असलहा बरामद

इटावा (एजेंसी)। जिले के सैफई थाना पुलिस टीम ने मुखबिर की सूचना पर वाहन चेकिंग के दौरान करहल फाईपास तिराहे से वाहन चोर गैंग के 03 अभियुक्तों को पकड़ लिया। अतः पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की 03 कारें व अवैध असलहा बरामद किये। पुलिस ने अभियुक्तों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें जेल भेज दिया। त्यौहारों को ध्यान मे रखते हुए इटावा जिला एसएसपी के आदेश पर सैफई थानाध्यक्ष टीम सहित क्षेत्र के अर्न्तगत वाहनों तथा संदिग्ध लोगों की चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान थाना पुलिस टीम को मुखबिर द्वारा सूचना मिली कि क्षेत्र के करहल बाईपास तिराहे से होते हुए कुछ लोगा चोरी के वाहन व अवैध असलहा लेकर किसी बड़ी घटना को अंजाम देने के लिए जा रहे हैं। अतः सूचना मिलते ही थाना पुलिस फोर्स व इटावा क्राइम ब्रांच टीम करहल बाईपास तिराहे पर पहुंची और वहां पर वाहनों की चेकिंग जारी कर दी। तभी थाना पुलिस टीम तथा इटावा क्राइम ब्रांच टीम ने सामने से तेज रफ्तार गाड़ियों को आते देखा। पुलिस टीम द्वारा टॉर्च दिखाकर गाड़ियों को रोकने का इशारा किया। तभी पुलिस को देख गाड़ी सवार व्यक्ति वहां से भागने लगे। अतः पुलिल बल का प्रयोग कर सैफई थाना पुलिस टीम व क्राइम ब्रांच इटावा टीम ने तीन अभियुक्तों को पकड़ लिया। गाड़ियों की तलाशी पर पुलिस ने 03 अदद तमंचा व 06 जिंदा कारतूस बरामद की। पुलिस द्वारा अभियुक्तों से गाड़ियों के प्रपत्र मांगे जिसे दिखाने में अभियुक्त असमर्थ रहे। पूछताछ पर अभियुक्तों ने गाड़ियों को चोरी का बताया। अतः सैफई थाना पुलिस टीम ने तीनों अभियुक्तों को चोरी की 03 कारों सहित गिरफ्तार कर थानें लाया गया। जहां सख्ती से पूछताछ पर अभियुक्तों ने अपना नाम आरिफ पुत्र मुन्ना खां निवासी जसराना थाना जसराना जिला फिरोजाबाद, आसिफ पुत्र साबिर निवासी मोहल्ला शीशपुरी थाना जसराना जिला फिरोजाबाद व अमन यादव पुत्र उमाशंकर यादव निवासी मौहल्ला कोटला जिला फिरोजाबाद बताया। साथ ही अभियुक्तों ने यह भी बताया कि उन्होंने कारों को अलग अलग जनपदों से चोरी किया था। पुलिस ने मामला पंजीकृत कर तीनों अभियुक्तों को जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि अभियुक्त शातिर किस्म के वाहन चोर है जो अलग अलग स्थानों से वाहनों की चोरी करते आ रहे थे। अतः इन अभियुक्तों का अलग अलग थाना क्षेत्रों में अनेक धाराओं के तहम ऐतिहासिक अपराध भी दर्ज है।

70 फीट ऊंचा रावण का पुतला, हुई रामचरित मानस पर आधारित मूक लीला

वाराणसी डीजल रेल इंजन कारखाना के केंद्रीय मैदान पर गुरुवार को मनाया गया विजया दशमी का त्योहार। इसी मौके पर रामचरित मानस पर आधारित मूक रामलीला हुई। इस रामलीला में डीरेका परिसर स्थित स्कूलों के बच्चों ने लिया। इसके बाद सायं 7.30 बजे 70 फीट ऊंचे रावण, 65 फीट ऊंचे कुमकरण और 60 फीट ऊंचें मेघनाद के पुतले में आग लगाई गई। इस मौके पर जम कर आतिशबाजी हुई। इससे पूर्व डीरेका के बिद्युत इंजीनियर च्म्म सुधीर रंजन ने राम दरबार की पूजा कर लीला की शुरुआत की। डीजल रेल इंजन कारखाना में विजयादशमी समारोह धूमधाम से मनाया जा रहा था। सायं 04रू00 बजे से डीरेका स्टेडियम (केंद्रीय खेलकूद मैदान) में विजयादशमी समारोह का आयोजन शुरू हुआ। इसके अंतर्गत रामचरित मानस पर आधारित अति रोचक रूपक प्रस्तुत किया गया। फिर रावण, कुम्भकरण एवं मेघनाद के विशालकाय पुतलों का दहन हुआ। रावण के पुतले को दो सौ मीटर दूर बने मंच से आग का गोला जाकर रावण की नाभी में लगगया और वह जल उठा। आकर्षक आतिशबाजी भी हुई। इन पुतलो के निर्माण में 80 बॉस ,10 बल्ली,150 किलो मैदा,150 पीस साड़ी,60 किलो विशेष प्रकार के तांत,150 किलो कागज 5 किलो रंग और 25 लीटर पेंट का प्रयोग किया गया था। शमसाद खा के अनुसार पुतलो के अंदर 50 आवाज के पटाखे थे। विजयादशमी समिति के निदेशक एसडी सिंह ने बताया कि डीरेका में पहली बार दश सिरों वाला दशानन बना था। इस अवसर पर सुरक्षा प्रबंधों के अंतर्गत डीरेका स्टेडियम, सिनेमा हॉल और बास्केटबॉल ग्राउण्ड परिसर से बाहर के मार्गों पर चारो तरफ सायकिलधरिक्शाध्दू–व्हीलरधचार पहिया वाहनधकिसी भी प्रकार के वाहनों का परिवालन प्रतिबंधित रहा। भारतीय खाद्य निगम द्वार और सेंट जॉन्स स्कूल गेट दोपहर 12रू00 बजे से रात्रि 21रू00 बजे तक सभी प्रकार के वाहनों के लिए बंद रहे। पिकेट गेटों से भी सायकिल एवं टू–व्हीलर का प्रवेश वर्जित रहा। बता दें कि दशहरे के दिन केंद्रीय खेल मैदान पर रावण मेघनाद और कुम्भ कर्ण के पुतलो को जलाने के लिए नया प्रयोग किया गया था। सोने की लंका का भी निर्माण कुछ अलग अंदाज में बना था। सोने की लंका भी 40 फिट लंबी बनाई गई थी। इन सभी पुतलो के निर्माण कार्य में लगे शमशाद की माने तो लगभग डेढ़ महीनों से उनका परिवार और दर्जनों मुस्लिम कारीगर मिल कर निर्माण करते है। इसके पूर्व इनके नाना रब बाबू खां बनाते रहे है। रूपक राम वनगमन से लेकर रावण बध तक कि लीलाओं को रूपक के माध्यम से मुक्त अभिनय पर प्रस्तुत किया गया। एसडी सिंह ने बताया कि इस बार मानस की चौपाइयो को हिंदी विधाओं की कजरी चौता, छप्पय,कहरवा की धुनों पर आधुनिक वाद्य यंत्रों का प्रयोग किया गया था।

बिजली चोरी रोकने में सुस्त वितरण निगमों पर होगी कार्रवाई

लखनऊ (एजेंसी)। प्रदेश में बिजली चोरी और लाइन हानियां रोकने के लिए चल रही कोशिशें कई जिलों में कारगर साबित नहीं हो रही हैं। वैसे तो पूरे प्रदेश के सभी वितरण निगमों में बिजली चोरी होने से लाइन हानियां कम नहीं हो रही हैं लेकिन प्रदेश के टॉप टेन बिजली चोरी–लाइन हानियां वाले क्षेत्र पश्चिम में ही हैं। इसमें इटावा, मेरठ, संभल, कन्नौज आदि जिलों में 55 फीसदी तक बिजली चोरी हो रही है। प्रदेश में ऐसे वितरण खंडों को चिन्हित भी किया गया है, जहां 25 फीसदी से अधिक लाइन हानियां–बिजली चोरी हो रही है लेकिन इस पर बहुत प्रभावी अंकुश नहीं लग पा रहा है। पॉवर कारपोरेशन ने इन क्षेत्रों में तैनात अधीक्षण अभियंताओं को सीधे जिम्मेदार बनाते हुए स्थिति सुधारने के लिए दो महीने का समय दिया है। यूपी पॉवर कारपोरेशन के आंकड़ों के अनुसार प्रदेश में हर वर्ष पांच हजार करोड़ रुपये से अधिक की बिजली चोरी में चली जाती है। नए टैरिफ के अनुसार यदि लाइन हानियां–बिजली चोरी 19 फीसदी से अधिक होती है तो कारपोरेशन को घाटा उठाना पड़ेगा। इसका बोझ आम लोगों पर टैरिफ या सरचार्ज के तौर पर डाला जाता है। पूर्वांचल के बलिया में 35.7 फीसदी, सुल्तानपुर में 30.4 फीसदी से अधिक लाइन हानियां हैं। पश्चिम में इटावा के खंड प्रथम में 55 फीसदी तक बिजली चोरी हो रही है। इसके अलावा मेरठ, छिबरामऊ, संभल, कन्नौज, महोबा, शामली, मैनपुरी भी अधिक बिजली चोरी–हानियों वाले क्षेत्र–जिले के तौर पर चिन्हित किए गए हैं। प्रदेश में ऐसे 35 क्षेत्रों को चिन्हित भी किया गया। बिजली चोरी–लाइन हानियों को कम करने के लिए पूरे प्रदेश में विशेष अभियान भी चलाया जा रहा है। संबंधित डिस्काम के प्रबंध निदेशक और अन्य अधिकारियों को इसकी जिम्मेदारी दी गई है। यदि सुधार नहीं होता है तो सीधे कार्रवाई की जाएगी। प्रमुख सचिव ऊर्जा आलोक कुमार कहते हैं कि बिजली चोरी रोकने की जिम्मेदारी संबंधित डिस्कॉम के एमडी और चीफ इंजीनियरों सहित अवर अभियंताओं पर है। जहां लापरवाही मिल रही है, वहां कार्रवाई भी की जा रही है।

सेना के रिटायर जवान ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

आजमगढ़ (एजेंसी)। सिधारी थाना क्षेत्र के चकगोरया गांव में गुरुवार की सुबह सेना के रिटायर जवान ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। शव को पुलिस ने पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। आत्महत्या का कारण पारिवारिक कलह बताया जा रहा है। चकगोरया गांव निवासी 36 वर्षीय विजय कुमार मिश्र पुत्र मधुबन मिश्र थल सेना में चालक के पद पर तैनात थे। वह एक वर्ष पूर्व सेना से रिटायर हुए थे। परिजनों का कहना है कि गुरुवार की सुबह वह मकान के दूसरे मंजिल पर स्थित कमरे में गए। कमरे में लगे छत के चुल्ले में रस्सी के सहारे फांसी लगा लिये। कुछ देर बाद परिजनों ने जब फंदे से लटकते हुए उन्हें देखा तो व आननफानन शहर के एक प्राइवेट अस्पताल से जिला अस्पताल लेकर पहुंचे। जिला अस्पताल में मृत घोषित कर दिए जाने पर परिजन शव लेकर घर पहुंच गए। सूचना पाकर मौके पर पुलिस पहुंच गई। मृत जवान के एक पुत्र आदित्य व एक पुत्री रिषिका है। पत्नी प्रियंका का रो–रोकर बुरा हाल है। सिधारी थानाध्यक्ष ने कहा कि छानबीन में परिजनों ने आत्महत्या का कारण पारिवारिक कलह बताया है।

दुर्गापूजा पंडाल में लगी आग, मूर्ति क्षतिग्रस्त

जौनपुर (एजेंसी)। क्षेत्र के बंधवा बाजार में दुर्गा पूजा पंडाल में गुरुवार के दिन सुबह करीब साढ़े नौ आग लग गई। आग की जद में आने से प्रतिमा के नीचे का हिस्सा जलकर खाक हो गया। पंडाल में आग पूजा के लिए जलाई गई अगरबत्ती से लगी। घटना की जानकारी होते ही बड़ी संख्या में लोग जुट गए। किसी तरह से आग बुझाई गई। इसके बाद वस्त्र बदलकर पूजा–अर्चना की गई।

प्रधानमंत्री की योजनाओं के बारे में की चर्चा

चकरनगर/इटावा (एजेंसी)। कब्जा मुक्त प्रदेश के बल बूथों पर उत्तर प्रदेश में फिर से सभी सांसद बनेगें। यह बात भाजपा युवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष शेखर चौहान ने एक भंडारे के दौरान कहीं। चौहान ने कहा कि उत्तर प्रदेश में लाखों किसानों को अवैध कब्जा से पीड़ितों को मुक्त किया गया है। उन्होंने कहा कि जिन्होने जबरन क्षेत्र में अवैध कब्जा किया था। उन लोगों से पूरे प्रदेश के प्रत्येक ब्लाक में दर्जनों लोगों की भूमि कब्जा मुक्त कराई गई है। इससे भाजपा सरकार को अच्छा राजनैतिक लाभ मिलेगा। इस दौरान शेखर चौहान ने कहा कि भाजपा सरकार ने गुंडों व भू माफियाओं को जेल भेजा जा रहा है। इसके साथ ही उन्होंने भाजपा सरकार की अनेक योजनाओं के बारे में लोगों को अवगत कराया। इस दौरान भाजपा योवा मोर्चा के जिलाध्यक्ष शेखर चौहान ने प्रधानमंत्री की उज्जवला योजना, ग्रीन पंचायत स्कीम पंचायत तथा शौचालय युक्त प्रदेश योजना तथा आवासीय योजना के साथ ही बालविकास योजना पर भी बल दिया जा रहा है। अंतता मोर्चा जिलाध्यक्ष ने कब्जा मुक्त प्रदेश को सरकार की प्रथम प्राथमिकता बताया। इस दौरान उक्त नेता के साथ शिवकुमार निषाद, हरिओम परिहार, रविन्द्र चौहान, अनिल चौहान सहित तमाम भाजपाई मौजूद रहे।

22 तक छात्रवृत्ति फार्म जमा कर सकते हैं विद्यार्थी

लखीमपुर–खीरी (एजेंसी)। शैक्षणिक सत्र 2018–19 में पूर्वदशम छात्रवृत्ति योजना में कक्षा 9 और 10 तथा दशमोत्तर एवं शुल्क प्रतिपूर्ति योजनांतर्गत कक्षा 11 एवं 12 ग्रुप 4 के पाठयक्रमें में अध्ययनरत सभी वर्ग के छात्र और छात्राओं को इस विज्ञप्ति के माध्यम से सूचित करते हुए जिला समाज कल्याण अधिकारी ओपी सिंह ने बताया कि छात्रवृत्ति/शुल्क प्रतिपूर्ति योजनान्तर्गत जिन छात्रों द्वारा 10 अक्टूबर ;छात्र द्वारा आवेदन करने की अंतिम तिथि तक अपना आवेदन पत्र सबमिट करते हुए टेम्परेरी लाक कर दिया गया है तथा उनके द्वारा केवल संस्था में जमा करने हेतु फाइनल प्रिंट नहीं लिया गया है ऐसे छात्रों को फाइनल प्रिंट लेने हेतु 22 अक्टूबर 2018 संस्था द्वारा अग्रसारित करने की अंतिम तिथि के मध्यान्ह 12 बजे तक जमा करने की सुविधा प्रदान की गयी है। जिससे की छात्र का आवेदन पत्र उसी दिन जमा होकर संस्था द्वारा अग्रसारित किया जा सके।

बाहरी पहलवानों ने दिखाया मेले में दम

मोहम्मदी–खीरी (एजेंसी)। मेला श्री राम मेला में आज दंगल में बाहरी पहलवानों ने बढ़–चढ़कर हिस्सा लिया। इसमें सोनू पहलवान अलीगढ़, राणा पहलवान कलियर, शिव सिंह कानपुर, बाबा बजरंगी अयोध्या, रहमान अली दिल्ली, रमण हरियाणा, भोला दिल्ली, बादल पहलवान हरियाणा, छोटा मस्तान कलियर व मुरारी पहलवान ग्वालियर की रोमांचित कुश्ती हुई। इसमें आज दंगल के चौथे दिन पहलवानों का सेमी फाइनल मैच भी हुआ। जिसमें लखबीर सिंह और मुरारी पहलवान ग्वालियर फाइनल में पहुंचे। कल दंगल के आखिरी दिन महिला पहलवानों के बीच में कुश्ती का आयोजन आयोजकों द्वारा किया जाएगा। आज की कुश्ती में प्रमुख रूप से कस्बा इंचार्ज जेपी यादव, युवा प्रेस क्लब के पूर्व अध्यक्ष मोहम्मद अब्बास नकवी, आख्शी दिलीप यादव, आबकारी विभाग से दीपक मिश्रा, सभासद अनुपम गुप्ता, सिराज अली, अधिवक्ता सत्य प्रकाश शुक्ला, रमाकांत द्विवेदी व राहुल राठौर सहित काफी गणमान्य लोग मौजूद रहे।

विजयी प्रतिभागियों को किया गया पुरस्कृत

बांदा (एजेंसी)। पंडित दीनदयाल उपाध्याय जनशताब्दी वर्ष के अवसर पर जूनियर बालक एवं बालिका वर्ग की जिला स्तरीय प्रतियोगितायें बीते 15 से 17 अक्टूबर तक आयोजित की गई। जिससे बालक व बालिका वर्ग के खिलाड़ियों ने अपने हुनर का प्रदर्शन करते हेतुय जीत दर्ज की। गुरूवार को समापन अवसर पर विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। आयोजित प्रतियोगिताओं में बैडमिन्टन बालिका वर्ग के फाइनल में एकल खेल में कुमारी आस्था गुप्ता ने कुमारी अन्तरा को हराकर विजयश्री प्राप्त की। साथ ही डबुल में कुमारी आस्था व अन्तरा ने अक्षरा व हुजैफा को हराकर विजेता होने का गौरव प्राप्त किया बालक वर्ग एकल फाइनल में मोहम्मद अर्स ने शशांक सिंह को हराकर विजयश्री प्राप्त की। इसके अलावा बालक युगल फाइनल में शशांक सिंह एवं यदुनाथ सिंह ने आलोक कुमार व पवन सिंह को हराकर विजेता बने। बालीबाल फाइनल खेल में खानकाह स्कूल के बच्चों ने आदर्श बजरंग इण्टर कालेज से खेलते हुये विजेता होने का गौरव प्राप्त किया तथा क्रिकेट खेल में विद्या मंदिर इण्टर कालेज बांदा ने पहले खेलते हुये 20 ओवर में 128 रन बनाकर विजेता रहे एवं बजरंग विद्यालय ने 98 रन बना पाये जो उपविजेता रहे। समापन के मुख्य अतिथि मनोज तिवारी आईपीएस उप पुलिस महानिरीक्षक रहे। उन्होने अपने कर कमलों द्वारा विजेता एवं उपविजेता खिलाड़ियों के नगद पुरस्कार देकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर जिला क्रिकेट संघ बांदा द्वारा खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। जिसमें कैलाश मेहरा, कृष्ण चौरसिया, सैय्यद मुन्ने मगरबी, शिवकुमार गुप्ता, अभय श्रीवास्तव, प्रकाश साहू बाबा फरीद आदि रहे। प्रतियोगिताओं के समापन अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में भाजपा जिलाध्यक्ष लवलेश सिंह एवं प्रदेश कार्यकारिणी की सदस्य भोला सिंह तथा वरिष्ठ बैडमिन्टन खिलाडी सिरजध्वज सिंह, रामेन्द्र शर्मा, असलम, वासिफ जमा, गजराज सिंह, शिवकरन सिंह, सुरेन्द्र सिंह, वरिष्ठ बसपा नेता नीलू द्विवेदी आदि उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का आयोजन शैलेन्द्र कुशवाहा बैडमिन्टन, जावेद अहमद हाकी, अखिलेश खरवार बालीबाल, जितेन्द्र सिंह क्रिकेट के दिशा निर्देशन में उक्त प्रतियोगिताओं को सम्पन्न कराया गया। कार्यक्रम के अन्त में जिला क्रीड़ाधिकारी आनन्द बिहारी श्रीवास्तव ने सभी का आभार व्यक्त किया।

ट्रैक्टर–ट्राली से टकराई बाइक, चालक की मौत

मैगलगंज–खीरी (एजेंसी)। मैगलगंज थाना क्षेत्र के औरंगाबाद चौकी क्षेत्र स्थित औरंगाबाद चौराहे पर बर बर की ओर से आ रहे है बाइक चालक की सामने से तेज रफ्तार आ रहे है ट्रैक्टर ट्राली से जोरदार टक्कर हो गई जिससे बाइक चालक की मौके पर ही मौत हो गई जबकि बाइक पर सवार दो अन्य बुरी तरह घायल हो गए। घायलों को उपचार के लिए सीएचसी मितौली भेजा गया, जहां घायलों की हालत को देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार मोहम्मदी थाना क्षेत्र के मोहल्ला बाजार खुर्द गणेश गंज निवासी हारून पुत्र मसीबुल्लाह उम्र 25 साल अपने चाचा हिमाईतुल्ला पुत्र हबीब उल्ला व अपनी चाची रहीसा पत्नी हीमाईतुल्ला को दवाई दिलाने के लिए बाइक से औरंगाबाद स्थित डाक्टर के यहां आ रहे थे। इसी दौरान औरंगाबाद चौकी के सामने बाइक सवार की बाइक औरंगाबाद की तरफ मुड़ी हुई थी तभी औरंगाबाद की ओर से जा रहे मितौली थाना क्षेत्र के निवासी तेज रफ्तार ट्रैक्टर चालक ने अनियंत्रित होकर बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे बाइक चला रहे हारून पुत्र मसीबुल्लाह की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गईए जबकि बाइक सवार मृतक के चाचा चाची भी गंभीर रूप से घायल हो गए आनन.फानन में चौकी पुलिस ने ट्रैक्टर को मय चालक हिरासत में ले लिया गया है तथा घायलों को उपचार हेतु मितौली सीएससी भेजा गया जहां घायलों की स्थिति नाजुक देख जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया समाचार लिखे जाने तक घायलों की हालत चिंताजनक बनी हुई है वहीं मैगलगंज पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है।

शराब समेत दो गिरफ्तार

भरथना/इटावा (एजेंसी)। थाना पुलिस ने गश्त के दौरान क्षेत्र के अर्न्तगत उमरसेंडा पुल से बाहरपुरा जाने वाले मार्ग से दो अभियुक्तों को अवैध देशी शराब सहित गिरफ्तार कर लिया गया। शराब माफियाओं के खिलाफ चलाये जा रहे धड़पकड़ अभियान के तहत भरथना थाना उपनिरीक्षक वीरेन्द्र सिंह अपने हमराहियों के साथ गश्त पर थे। उसी दौरान थाना पुलिस टीम ने दो अभियुक्तों का बड़े से प्लास्टिक के थैलें के साथ क्षेत्र के उमरसेंडा पुल की ओर जाते देखा। तभी पुलिस टीम द्वारा संदेह पर दोनों व्यक्तियों को रोकने का इशारा किया लेकिन पुलिस को देख दोनों व्यक्ति तेज रफ्तार में वहां से भागने लगे। पुलिस द्वारा संदेह पर दोनों व्यक्तियों का पीछा कर उन्हें उमरसेंडापुल से बाहरपुरा की ओर जाने वाले मार्ग से दबोचकर गिरफ्तार कर लिया गया। तलाशी पर पुलिस ने दोनों व्यक्तियों के कब्जे से करीब 98 क्वार्टर अवैध देशी शराब बरामद की। पूछताछ पर अभियुक्तों ने अपना नाम मनोज कुमार पुत्र फूलसिंह, सतपाल पुत्र धनीराम बताया दोनों अभियुक्त ग्राम नगला अवसार थाना भरथना जिला इटावा रहने वाले हैं। थाना पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के खिलाफ मामला पंजीकृत कर उन्हें जेल भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि अभियुक्तगण काफी समय से चोरी छिपे अवैध शराब को बेचने का कारोबार करते आ रहे थे।

पूर्व विधायक सीपू हत्याकांड की पैरवी करने पर मिली धमकी

आजमगढ़ (एजेंसी)। बसपा के पूर्व विधायक सर्वेश सिंह उर्फ सीपू हत्याकांड की पैरवी कर रहे परिजनों को हत्यारोपितों द्वारा जानमाल की धमकी दी जा रही है। इतना ही नहीं हत्यारोपितों द्वारा सीपू के परिजन से रंगदारी के तौर पर 15 लाख रुपये की रंगदारी भी मांगी जा रही है। इस संबंध में मृत सीपू के बड़े भाई ने जेल में निरुद्ध कुख्यात बदमाश कुंटू सिंह समेत चार लोगों के खिलाफ शहर कोतवाली में बुधवार को प्राथमिकी दर्ज कराई है। बता दें कि जीयनपुर बाजार में 19 जुलाई 2013 को सशस्त्र बदमाशों ने बसपा के पूर्व विधायक सर्वेश सिंह उर्फ सीपू पुत्र स्व. रामप्यारे सिंह की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी थी। इस घटना में सीपू के साथ ही हमलावरों की गोली से उनके समर्थक भरत राय की भी गोली लगने से मौत हो गई थी। सीपू सिंह हत्याकांड में शामिल ध्रुव सिंह उर्फ कुंटू सिंह समेत कई हत्यारोपित अब भी जेल में निरुद्ध हैं। वर्तमान में मृत सीपू की पत्नी वंदना सिंह सगड़ी विधान सभा क्षेत्र से बसपा की विधायक हैं। सीपू हत्याकांड में उनके परिजन द्वारा आरोपितों के खिलाफ कोर्ट में पैरवी की जा रही है। शहर कोतवाली में दिए गए तहरीर में मृत सीपू सिंह के भाई संतोष सिंह उर्फ टीपू सिंह पुत्र स्व. रामप्यारे सिंह ग्राम अमुवारी नारायनपुर थाना जीयनपुर कोतवाली ने तहरीर दी है। तहरीर में उन्होंने उल्लेख किया है कि सीपू हत्याकांड के मुकदमे की पैरवी के लिए वह 15 अक्टूबर की दोपहर को दीवानी कचहरी गए थे। उसी दौरान हत्यारोपितों की ओर से जानमाल की धमकी देते हुए मुकदमे की पैरवी छोड़कर हट जाने की धमकी दी गई। इतना ही नहीं हत्यारोपितों की ओर से रंगदारी के तौर पर उनसे 15 लाख रुपये की रंगदारी भी मांगी गई। संतोष सिंह उर्फ टीपू की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने जेल में निरुद्ध कुख्यात बदमाश ध्रुव सिंह उर्फ कुंटू पुत्र रुद्र प्रताप सिंह, सुयश सिंह पुत्र रामबली सिंह ग्राम छपरा सुल्तानपुर थाना जीयनपुर, शिव प्रकाश उर्फ प्रकाश यादव पुत्र लालचंद यादव ग्राम खुजिया थाना मुबारकपुर, सुयश सिंह पुत्र रामबली सिंह, रिजवान पुत्र मुहम्मद जुम्मन ग्राम सुम्मनपुर थाना जीयनपुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

मुठभेड़ के बाद पुलिस ने दबोचे तीन बदमाश

लखीमपुर–खीरी (एजेंसी)। खीरी थाना क्षेत्र में माल सहित भागने का प्रयास कर रहे बदमाशों ने पकड़ने का प्रयास कर रही पुलिस पर अवैध असलहों से फायर कर दिया। कुछ देर चली गोलीबारी के बाद पुलिस ने तीन बदमाशों को पकड़ लिया। वहीं तीन बदमाश मौके से भाग निकले। पुलिस ने गिरफ्तार बदमाशों को जेल भेजने के साथ फरार बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस लाइन समागार में आयोजित प्रेसवार्ता में एसपी रामलाल वर्मा ने बताया कि करीब आधा दर्जन बदमाशों ने 17/18 की रात रिपोर्टिंग चौकी ओयल क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम बरुआ निवासी विष्णु सिंह के यहां घुसे। यहां से उन्होंने माल चोरी कर लिया। इसके बाद वह प्रधान पंकज के घर घुसे लेकिन जगहर हो जाने के कारण उन्हें बैरंग वापस लौटना पड़ा। 18 अक्टूबर की सुबह पुलिस को खानपुर गुरेला स्थित सूबेदार सिंह के खेत में संदिग्धों के छिपे होने की सूचना मिली। इस पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। ललकारने पर बदमाशों ने पुलिस पार्टी पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी कार्रवाई की। कुछ देर चली मुठभेड़ के बाद पुलिस ने आखिरकार तीन बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए बदमाशों ने अपनी पहचान रमाशंकर पुत्र नत्थाराम निवासी झउवाकला थाना सकरन जिला सीतापुर, मनोहर पुत्र मुल्लू निवासी मुल्लापुर थाना लहरपुर जनपद सीतापुर व शहीद खां पुत्र इद्रीश खां निवासी मोहल्ला कटरा, कस्बा व थाना लहरपुर जिला सीतापुर बताया। जामा तलाशी में पुलिस ने उनके पास से एक एचएमटी घड़ी, 2650 रुपए नकद, एक चश्मा, एक कपड़े, तीन मोबाइल, तीन तमंचे 315 बोर मय 6 खोखा व एक चोरी की बुलेरो यूपी34जे–9686 हुई। फरार बदमाशों में दो की पहचान लाला पुत्र अज्ञात निवासी कटियारी थाना हरगांव जनपद सीतापुर, कलीम पुत्र अज्ञात निवासी अज्ञात के रूप में हुई। एक का नाम–पता मालूम नहीं हो सका है। एसपी ने बताया कि पकड़े गए बदमाशों के गिरोह ने पड़ोसी जनपद सीतापुर के थाना हरगांव व लहरपुर सहित कई थाना क्षेत्रों में चोरी व लूट की घटनाएं कारित कीं। गिरफ्तारी करने वाली टीम में सीओ मितौली प्रदीप कुमार, प्रभारी निरीक्षक थाना खीरी विपिन कुमार सिंह, प्रभारी स्वाट टीम शिव कुमार सिंह, चौकी प्रभारी ओयल शशिशेखर यादव, उप निरीक्षक थाना खीरी आशीष कुमार सिंह, स्वाट टीम के कांस्टेबल शराफत अली, देवेंद्र यादव, परीक्षित चौरसिया, मंजीत सिंह, पुनीत यादव, चौकी ओयल के कांस्टेबल अंकुर त्रिपाठी, श्रीश कुमार श्रीवास्तव, बृजनाथ यादव, रामवृक्ष व सचिव कुमार आदि मौजूद रहे।

कुत्ता काटने की शिकायत पर चले ईंट पत्थर

लखनऊ (एजेंसी)। घर के बाहर खेल रही मासूम को पड़ोसी के कुत्ते ने काट लिया। बेटी के रोने की आवाज सुन परिवार वाले मौके पर पहुंच गए। पड़ोसी के घर पहुंच एतराज जताया। तो दूसरा पक्ष गाली–गलौज करने लगा। विवाद बढ़ने पर दबंग पथराव करने लगे। जिसमें एक बाइक क्षतिग्रस्त हो गई। ग्रामीणों से सूचना मिलने पर पहुंची नगराम पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार कर लिया। छोटीखेड़ा निवासी रघुनंदन रावत के पड़ोस में रामसुमिरन का मकान है। दोनों के बीच जमीन के एक टुकड़े को लेकर पुराना विवाद चल रहा है। बुधवार को रघुनंदन की पोती सुन्दरी घर के बाहर खेल रही थी। तभी रामसुमिरन के कुत्ते ने बच्ची को काट लिया। सुन्दरी घायल हालत में रोती हुई घर पहुंची। आजाद को जब बेटी के साथ हुई घटना का पता चला तो वह पड़ोसी रामसुमिरन के घर पहुंच गए। उन्होंने रामसुमिरन के बेटे बद्री से कुत्ते को बांध कर रखने की बात कही। इस पर बद्री उनसे गाली गलौज करने लगा। जिसे लेकर कहासुनी हो गई। कुछ ही देर में दोनों पक्षों के लोग आमने–सामने हो गए। कुत्ते के काटने से शुरू हुए विवाद में जमकर पथराव किया गया।

अधिक उत्पादन की चाह में फसलों में प्रोटीन घटा : संयुक्ता भाटिया

लखनऊ (एजेंसी)। वैदिक काल से गाय व कृषि का गहरा नाता रहा है। गाय व कृषि दोनों भारतीय संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा रही है। पशुपालन और जैविक कृषि एक दूसरे के पूरक हैं। गाय को कृषि से जोड़ने पर ही जैविक कृषि की सफलता संभव हो पाएगी। ये बातें गुरुवार को वरिष्ठ सामाजिक विचारक सगीर अहमद ने कही। वह बतौर अति विशिष्ट अतिथि निलमथा स्थित महाकाली इंटर कॉलेज में 'वर्तमान परिदृश्य में जैविक खाद्यान्नों की उपयोगिता' विषयक संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। संगोष्ठी की अध्यक्ष महापौर संयुक्ता भाटिया ने कहा कि अधिक उत्पादन की चाह में किसान खेती में यूरिया व केमिकल का इस्तेमाल करने लगे। जबकि इससे उपजे अनाज का शरीर पर काफी बुरा प्रभाव पड़ रहा है। मिलावट के चलते तरह–तरह की बीमारिया जन्म ले रही हैं। जन्म से पहले बच्चा मिलावट के जहर का शिकार हो रहा है।

उनकी रोग प्रतिरोधक क्षमता कम होती जा रही है। अधिक यूरिया के इस्तेमाल से मिट्टी की उर्वरा शक्ति का ह्रास हो रहा है। पर्यावरण बुरी तरह से प्रभावित हो रहा है। ऐसी स्थिति में सबको बहुत ही शुद्ध आहार लेने की जरुरत है। वर्तमान समय में जैविक कृषि व उत्पादों को लेकर समाज में व्यापक स्तर पर जागरुकता लानी पड़ेगी। जनसहभागिता बढ़ाकर ही जैविक खेती को बढ़ावा जा सकता है। उन्होंने इस क्षेत्र में प्रयास करने के लिए संयोजक भवानी दत्त भट्ट की सराहना की। सामाजिक चिंतक राजनाथ शर्मा सूर्य ने बताया कि बीते एक दशक में दूध में लगातार यूरिया की मिलावट हो रही है। इसका मुख्य कारण खेती का जैविक आधारित न होना है। पशुपालन ना के बराबर हो रहा है ऐसी स्थिति में पशुओं के गोबर से बनने वाली खाद किसानों को उपलब्ध नहीं हो पा रही है। यही कारण है कि यूरिया से उत्पादित खेती जहरीली बनती जा रही है। उत्तराखंड की तरह पूरे देश में होनी चाहिए जैविक खेतीरिटायर्ड आईएएस डा कमल टावरी ने बताया कि यदि जैविक खेती पर देश को आगे नही बढाया गया तो तमाम लाइलाज बीमारियां जन्म लेती रहेंगी। जैविक खेती से पशुपालकों को जहां मजबूती मिलेगी वहीं देश वासियों को शुद्ध जैविक आहार मिल सकेगा। डा वी के वर्मा ने बताया कि वर्तमान समय में चिकित्सकों को भी जैविक कृषि पर समाज में जागरुकता पैदा करने की जरूरत है। मुख्य वक्ता कृपाशंकर भगवान कार्की व अशोक पांडेय ने संगोष्ठी को संबोधित किया। कार्यक्रम के संयोजक भवानीदत्त भट्ट व प्रधानाचार्य रीता भट्ट ने कार्यक्रम में आए सभी अतिथियों को प्रतीक चिन्ह व अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में कृष्ण दत्त त्रिपाठी प्रमोद शुक्ला शिवकांत द्विवेदी अरविंद शर्मा गंगा भट्ट जी उपस्थित रहे।

तिलक चढ़ाकर लौट रहे थे, हुआ भीषण एक्सीडेंट और हर तरफ बिखर गई लाशें

भीषण हादसे में 9 की मौत, मुख्यमंत्री राहत कोष से 2–2 लाख की मदद की घोषणा।

कानपुर देहात। एक तिलक समारोह से लौट रही इनोवा कार रविध्वार सुबह कानपुर देहात में दुर्घटनाग्रस्त हो गई। उसमें बैठे 7 लोगों की मौके पर और 2 लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई। दो शख्स घायल हैं, उनका इलाज चल रहा है। पुलिध्स ने शवों को पोस्टमार्टम के लिध्ए भेज दिध्या है। मुख्यमंत्री राहत कोष से हादसे में मरने वालो के परिजनों को दो–दो लाख रूपए देने की घोषणा की है।

कानपुर देहात के अकबरपुर कोतवाली क्षेत्र के फतेहपुर रोशनाई के रहने वाले मान सिंह अपनी बेटी का तिलक चढ़ाने इटावा गए थे। रविवार सुबह उनकी इनोवा कार को अकबरपुर थाना क्षेत्र में नेशनल हाइवे पर ट्रक ने टक्कर मार दी। इसमें कार सवार आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि दो का इलाज कानपुर में चल रहा है। वहां उनकी हालत गंभीर है।

मरने वालों में कल्याण सिंह, मान सिंह, सुरेन्द्र सिंह, राहुल, शिवानी, सनी सिंह, कंचन और एक अन्ध्य की मौत हो गई है। राधा का इलाज कानपुर के अस्पताल में हो रहा है। मान सिंह के चाचा भानु सिंह ने बताया कि तिलक चधकर इनोवा से लौट रहे थे। सामने से आ रही डीसीएम से सीधी टक्कर हो गई। कई घंटे तक सभी लोग इनोवा में फंसे रहे। किसी ने कंट्रोल रूम में पुलिस को सूचना दी तब पुलिस ने सभी को बाहर निकाला।

चार दिन पहले बदमाश दबोचा था, अब उसके पति की हो गई हत्या

लखीमपुर–खीरी। पांच दिन पहले ट्रेन में कुंडल नोच रहे बदमाश को सबक सिखाकर चर्चा में आई मर्दानी शकुंतला देवी के साथ सोमवार को बधी अनहोनी हो गई। उसके पति विनोद कुमार की लाश संदिग्ध हालत में सध्क किनारे मिली। विनोद के सिर के पीछे घातक चोट है। एक पैर भी कटा हुआ है। घरवाले हत्या की आशंका जता रहे हैं। पुलिस जांच कर रही है।

लखीमपुर शहर के पास पिपरिया गांव की रहने वाली शकुंतला का नाम उस वक्त चर्चा में आ गया था, जब उसने ट्रेन में कुंडल नोच रहे बदमाश से मोर्चा लिया था। उसकी इस बहादुरी पर एसपी खीरी ने सम्मानित किया था। पुलिस के मुताबिक, घर चलाने के लिए शकुंतला का पति विनोद रानी सती प्लाई वुड फैक्ट्री में काम करता था। कल शाम को वह फैक्ट्री गया था, लौटा नहीं। सोमवार सुबह उसकी लाश मिली। शकुंतला का कहना है कि उसके पति का मर्डर किया गया है।

भारत–नेपाल अंतराष्ट्रीय सीमा पर बनाया गया अवैध पुल पकडा

पलिया कलां,। भारत और नेपाल की अंतराष्ट्रीय सीमा पर इस बार तस्करों ने एसएसबी और नेपाल सीमा प्रहरी दोनों को दांतों तले उंगली दबाने पर मजबूर कर दिया। नेपाल को जोध्ने वाली यूपी के खीरी जिले की गौरीफंटा मंडी के पास जंगल में तस्करों ने लकधी का 50 मीटर अवैध पुल बना दिया। लकधी के बने इस पुल से कोई भी मोहाना नदी पार कर सीधे नेपाल पहुंच सकता था या भारत आ सकता था। कोई भी सामान नेपाल से ला सकता था या वहां पहुंचा सकता था। इस पुल का खुलासा रविवार को गांव वालों ने किया।

एसएसबी 39 वीं बटालियन के सेनानायक एएन शेरखाने के मुताबिक, यह पुल पूरी तरह से अवैध लग रहा है, लेकिन यह इलाका नेपाल के ज्यादा करीब है। हम पता करा रहे हैं कि यह क्षेत्र भारतीय सीमा को कितना प्रभावित कर रही है। हालांकि उन्होंने माना कि इस इलाके में एक भी गांव करीब नहीं है। इससे यह आशंका जताई जा रही है कि पुल तस्करों ने अपने मकसद के लिए बनाया होगा। जंगल के बीच बने इस पुल पर एसएसबी की नजर अब तक नहीं गई थी। यहां बता दें कि वर्ष 2014 में भी तस्करों ने चंदनचौकी में ऐसा ही पुल बना था। बाद में उसे एसएसबी ने ही तोध्वा दिया था। नेपाल में बिगडे हालातों के बाद एसएसबी बेहद चौकन्नी हो गई है। बार्डर पार करने वालों की चेकिंग हो रही है। तस्करों और एसएसबी के बीच मुठभेडों के मामले सामने आते रहे हैं। सात जनवरी को स्थानीय तस्करों ने एसएसबी के एक दरोगी माल पकडने पर हत्या भी कर दी थी।

लखनऊ के सिविल हॉस्पिटल में होगी 400 रुपए में एंजियोग्राफी, गरीबों के लिए फ्री

लखनऊ। हार्ट के मरीजों के लिए जहां अस्पतालों में महंगा इलाज होता है, वहीं महंगे टेस्ध्ट उनकी कमर तोड़ देते हैं। ऐसे में लखनऊ के श्यामा प्रसाद मुखर्जी हॉस्पिटल (सिविल) अब हार्ट के मरीजों के लिए खुशखबरी लेकर आया है। अब यहां महज 400 रुपए में एंजियोग्राफी हो सकेगी। वहीं, यह टेस्ट गरीबों के लिए बिलकुल मुफ्त होगी।

अन्य संस्थानों में महंगा है टेस्ट

यह खुशखबरी इसलिए भी है, क्योंकि अन्य संस्थानों जैसे पीजीआई, केजीएमयू और लोहिया संस्थान जैसे संस्थानों में यह टेस्ट 7 हजार से 10 हजार रुपए के बीच होता है।

सिविल हॉस्पिटल के डॉक्टर आशुतोष दुबे ने बताया कि यूपी के सरकारी अस्पतालों में जांच के लिए कैथ लैब की बात की जाए तो यह सिर्फ सिविल हॉस्पिटल में ही है। डेढ साल से मशीन खराब थी। अब मशीन ठीक हो गई है। ऐसे में अब मरीजों को कम पैसे में बेहतर सुविधा मिल पाएगी।

पेपर लीक होने से सेना भर्ती परीक्षा रद, अब 15 को होने की संभावना

लखनऊ। भारतीय थल सेना में भर्ती की परीक्षा पेपर लीक होने के कारण आज रद कर दी गई है। अब परीक्षा के 15 मई को होने की संभावना है।

प्रदेश में कल वाराणसी के साथ ही आगरा व अमेठी में सेना भर्ती की परीक्षा आयोजित की गई थी। इस परीक्षा का पेपर वाराणसी समेत देश के अन्य हिस्सों में आउट हो गया। सैन्य अधिकारियों ने इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि लखनऊ मुख्यालय की तरफ से वहीं मुकदमा दर्ज किया गया। इस बीच मुख्यालय ने जांच खुफिया विंग को सौंप दी। इसके बाद जोनल कार्यालय ने कक्षा आठ व कक्षा दस पास के अभ्यर्थियों के लिए आयोजित ट्रेडमैन की परीक्षा को तत्काल निरस्त कर दिया। वाराणसी सैन्य भर्ती कार्यालय के निदेशक विनीत प्रभात ने बताया कि कोई हंगामा खड़ा न हो, इसके लिए परीक्षा संपन्न करा ली गई है।

वाट्सएप पर शेयर प्रश्नपत्र सबसे पहले एसटीएफ की स्थानीय इकाई को हाथ लगा। एसटीएफ की टीम ने तत्काल छावनी क्षेत्र के भर्ती कार्यालय में पहुंचकर सैन्य अधिकारियों को इससे अवगत कराया और सोशल मीडिया पर शेयर हो रहे प्रश्न पत्र का परीक्षा पेपर से मिलान कराया। सैनिक ट्रेडमैन पद का पेपर मैच कर गया। पर्चा लीक मामला बनारस से ही जुड़ा है। वाट्सएप के जरिए यूपी एसटीएफ को जो लीक पेपर मिला, उस पर वाराणसी स्थित सेना कार्यालय के ही एक कर्मचारी की मुहर लगी है। एसटीएफ इंस्पेक्टर विपिन राय ने बताया कि जिस मोबाइल नंबर के वाट्सएप से पर्चा आउट हुआ है, उस नंबर की पड़ताल की जा रही है।

पर्चा लीक के बाद पहले कई बार पकड़े गए दलालों को एसटीएफ व सेना के खुफिया विंग ने अपने रडार पर लेना शुरू कर दिया है। एसटीएफ को आशंका है कि सोशल मीडिया

पर लीक पेपर में सेना के अफसरों या जवानों का भी हाथ हो सकता है। इसी महीने अप्रैल में संपन्न हुई भर्ती रैली में सेना की खुफिया इकाई ने एनसीसी के एक हवलदार को दलाली के आरोप में पकड़ा था और कार्रवाई के लिए उसे बीएचयू यूनिट को सौंप दिया था।

गौरतलब है कि एक फरवरी से 14 फरवरी 2016 तक चार पदों सोल्जर जीडी, सोल्जर क्लर्क, सोल्जर टेक्नीकल व सोल्जर ट्रेडध्नर्सिंग पर वाराणसी छावनी में गोरखपुर, आजमगढ़, गाजीपुर, बलिया, मऊ व देवरिया की विभिन्न तहसीलों के अभ्यर्थियों की भर्ती रैली हुई थी। उनमें सफल अभ्यर्थियों की ही लिखित परीक्षा के क्रम में कल ट्रेडमैन पद पर 2244 अभ्यर्थियों की परीक्षा सुबह नौ से दस बजे तक हुई।

सेना भर्ती की खातिर कल सम्पन्न परीक्षा से एक दिन पहले पर्चा लीक ही नहीं हुआ बल्कि बेचने में सौदेबाजी भी खूब हुई। पेपर की कीमत 12 लाख रुपया लगाई गई थी। एसटीएफ लोकल इनपुट की पड़ताल कर रही है जिससे स्पष्ट हो सके कि इसमें कहीं यहां से तो कोई भितरघात नहीं हुआ। इस मामले में लखनऊ की एसटीएफ का दखल उस समय हुआ जा वाट्सएप पर पर्चा बिक्री के लिए आ गया। कीमत 12 लाख लगाई गई थी और किसी खरीदार ने धन का प्रबंध न होने पर जानकारी पुलिस और एसटीएफ को दे दी थी। परीक्षा एक दिन बाद होनी थी और इससे पहले पर्चा खोला नहीं जा सकता था। जो पेपर वाट्सएप पर है उसपर मुहर वाराणसी की लगी है। एसटीएफ जांच कर रही है कि कहीं स्थानीय स्तर पर तो किसी ने पर्चा आउट करने में मदद नहीं की। पहले भी जौनपुर का एक गिरोह रेलवे और सेना भर्ती का पेपर आउट कर उसकी बिक्री करता रहा है।

Uttarakhand पर घिरी मोदी सरकार, कांग्रेस बोली– लोकतंत्र की हत्या हुई

नई दिल्ली। संसद के दोनों सदनों में सोमवार को विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस ने उत्तराखंड में राष्ट्रपति शासन लगाने का मुद्दा उठाते हुए केन्द्र पर विपक्ष शासित राज्य सरकारों को अस्थिर करने का आरोप लगाया, हालांकि सरकार ने इसे सिरे से खारिज करते हुए कहा कि इसका राजग सरकार से कुछ लेना देना नहीं है और यह विपक्षी दलों के खुद के अंदरूनी संकट का परिणाम है।

लगभग 39 दिन के अवकाश के बाद आज संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण के शुरू होने पर इस मामले पर दोनों सदनों में खासा हंगामा रहा। राज्यसभा इस मुद्दे पर कई बार स्थगित हुई और लोकसभा में पूरे प्रश्नकाल में कांग्रेस की ओर से नारेबाजी होती रही।

लोकसभा में शून्यकाल में स्पीकर द्वारा मामला उठाने की अनुमति दिए जाने पर सदन में कांग्रेस के नेता मल्लिकार्जुन खघ्गे ने आरोप लगाया, राजग सरकार विपक्ष शासित राज्यों की सत्ता हघ्पने की बहुत ही जल्दबाजी में है। अगर हर विपक्ष शासित राज्यों को अस्थिर करने का यह रवैया चलता रहा तो देश में लोकतंत्र और संविधान नहीं बचेगा।

गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने हालांकि इसका कघ प्रतिवाद करते हुए कहा, उत्तराखंड में जो संकट पैदा हुआ है वह भाजपा या राजग सरकार द्वारा पैदा किया गया नहीं हैं। यह संकट तो इन दलों के आंतरिक संकट का नतीजा है। साथ ही उन्होंने कहा कि यह मामला अदालत में विचाराधीन है इसलिए इस पर सदन में चर्चा नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड की अनुदान की मांगों पर संसद के दोनों सदनों में चर्चा होनी है और उस

समय इस मामले में बात रखी जा सकती है। राज्यसभा में सदन में विपक्ष के नेता गुलाम नबी आजाद ने यह मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार जानबूझकर विपक्ष को उकसाती है और व्यवधान की स्थिति लाती है ताकि सदन नहीं चले। उन्होंने कहा कि पिछले करीब एक साल से लगातार देखा गया है कि सत्ताधारी दल ऐसे प्रयास करता है कि सदन में कामकाज नहीं हो पाए।

लोकसभा में बीजद के भर्तहरि महताब ने कहा कि उनकी पार्टी राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगाए जाने के सख्त खिलाफ है। उन्होंने कहा, मामला अभी संसद में विचाराधीन है और फैसले का इंतजार है। हम सही फैसले की उम्मीद कर रहे हैं। अनुच्छेद 356 का इस्तेमाल करना गलत है। इससे लोकतंत्र की अवमानना होती है।

खडगे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को परोक्ष निशाने पर लेते हुए कहा कि सरकार संविधान दिवस मनाती है, संविधान निर्माता डा अंबेडकर की जयंती मनाती है। लेकिन दूसरी ओर लोकतांत्रिक और संवैधानिक ढंग से चुनी गई विपक्ष शासित राज्य की सरकारों को अस्थिर करती है।सत्ता पक्ष द्वारा यह कहे जाने पर कि मामला अदालत में विचाराधीन है, खघ्गे ने कहा, मैं न्यायपालिका पर टिप्पणी नहीं कर रहा हूं बल्कि केन्द्र सरकार के बर्ताव पर बात कर रहा हूं। कैसे विधायक खरीदे जा रहे हैं, विभाजित किए जा रहे हैं, दबाव डाले जा रहे हैं। राज्यसभा में आजाद ने आरोप लगाया कि सरकार सत्र के दौरान या सत्र से पहले ऐसा कुछ कर जाती है कि संसद नहीं चल पाती। संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान अरूणाचल प्रदेश की सरकार को अपदस्थ करते हुए पहले वहां राष्ट्रपति शासन लागू किया गया और फिर जब तक वहां भाजपा की सरकार नहीं बन गई, केंद्र ने चौन की सांस नहीं ली। अब उत्तराखंड में यही किया जा रहा है।

माकपा के सीताराम येचुरी ने कहा कि सदन के नेता अरूण जेटली ने पिछले सत्र में कहा था कि सदन में किसी मुद्दे पर चर्चा को इसलिए नहीं टाला जा सकता कि वह मुद्दा अदालत में विचाराधीन है। आपको अपनी बात याद रहनी चाहिए।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आनंद शर्मा ने कहा कि निर्वाचित सरकार को हटाने के लिए केंद्र ने राष्ट्रपति की उदोषणा का उपयोग किया। इस पर हम चर्चा करेंगे और आपको बेनकाब करेंगे।

सदन के नेता और वित्त मंत्री अरूण जेटली ने शर्मा की बात से सहमति जताते हुए कहा कि अनुच्छेद 356 के तहत अगर कोई मुद्दा सदन के समक्ष रखा जाता है तो उस पर चर्चा होती है। राष्ट्रपति शासन लगाने की उद्घोषणा को अनुच्छेद 356 (3) के तहत सदन में रखा जा चुका है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सदस्य इस मुद्दे पर उस समय चर्चा कर सकते हैं जब उद्घोषणा पर चर्चा की जाएगी। इस बीच कांग्रेस के सदस्य हाथों में पोस्टर लिए हुए आसन के समक्ष आ कर सरकार के खिलाफ नारे लगाने लगे। उप सभापति पी जे कुरियन ने सदस्यों से सदन में पोस्टर नहीं दिखाने और अपने स्थानों पर लौट जाने तथा कार्रवाई चलने देने को कहा। सदन में व्यवस्था नहीं बनते देख कुरियन ने 11 बजकर 45 मिनट पर बैठक को दोपहर दो बजे तक के लिए स्थगित कर दिया। दो बजे के बाद भी सदन में हंगामा होने पर कार्यवाही तीन बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई। लोकसभा की कार्यवाही भी दोपहर दो बजे तक के लिए स्ध्थगित कर दी गई।सदन की कार्यवाही शुरू होने से पहले पीएम नरेंद्र मोदी ने उम्मीद जताई कि बजट सत्र के दूसरे हिस्से को सफल बनाने के लिए सभी दलों का सहयोग मिलेगा।

पीएम मोदी ने कहा कि बजट सत्र का पहला हिस्सा काफी प्रोडक्टिव रहा था। उम्मीद है कि दूसरा हिस्सा भी वैसा ही रहेगा। इस सत्र में अच्छे फैसले लेंगे।

भारत के इन 3 ठगों की कहानी जानकर दांतों तले दबा लेंगे उंगलियां

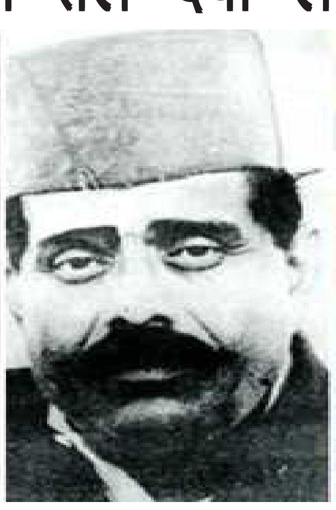

नई दिल्ली। आज हम आपको बताने वाले हैं वो कहानियां जो आपके दिलों को दहला देंगी। कहानियां ऐसे ठगों की जिनके नाम आज भी खौफ से लिए जाते हैं। बताने वाला और सुनने वाला दोनों की आश्चर्य और खौफ के समंदर में डुबकियां लगाता रह जाता है।

नटवरलाल– ठगी की दुनिया का सबसे चर्चित चेहरा यानि नटवरलाल। ऐसी शख्सियत का मालिक जो किसी को भी अपने जाल में फंसा सकता हो। उसके बारे में कहा जाता है कि उसने तीन बार ताजमहल, दो बार लालकिले और एक बार राष्ट्रपति भवन को बेच दिया था। कहा तो ये तक जाता है कि एक बार तो उसने भारत के संसद भवन को भी बेच दिया था। उसका असली नाम मिथिलेश कुमार श्रीवास्तव था और वो बिहार के सीवान का रहने वाला था। कहते हैं कि वो इतना शातिर था कि राष्ट्रपति के फर्जी हस्ताक्षर तक कर लेता था। उसके जीवन पर कई किताबें लिखी जा चुकी हैं तो कई फिल्में भी बन चुकी हैं।

चार्ल्स शोभराज– दुनिया के सबसे खतरनाक ठगों में नाम शुमार है चार्ल्स शोभराज का। उसे बिकिनी किलर भी कहा जाता है। हाल ही में उसके जीवन पर बनी फिल्म भी रिलीज हुई थी। उसके जीवन पर भी कई लेख, खबरें और किताबें लिखी जा चुकी हैं। 72 साल का शोभराज इस वक्त नेपाल की जेल में बंद है। कई लोगों ने उसके जीवन पर डॉक्यूमेंट्री भी बनाई है। कहते तो ये भी हैं कि वो लड़कियों का शिकारी था और बेहद खतरनाक सीरियल किलर था जिसके कारण उसे बिकिनी किलर भी कहा गया। बीबीसी की एक रिपोर्ट के मुताबिक 1970 के दशक में उस पर पूरे एशिया भर में 20 हत्याओं का आरोप लगा।

ठग बहराम– बहराम एक निर्मम हत्यारा था। माना जाता है कि उस अकेले ने 900 से अधिक लोगों की हत्याएं की थीं। 1765 में पैदा हुए इस हत्यारे को 1840 में फांसी की सजा दी गई। वह अपने पीले रुमाल के कारण जाना जाता था। वह इस पीले रुमाल से ही गला दबाकर हत्या को अंजाम देता था। उसके गिरोह में करीब 200 सदस्य थे जो पूरे के पूरे काफिले को मार डालते थे और लूट लेते थे। उसका नाम गिनीज बुक में भी दर्ज है।

अंग्रेज अधिकारियों के लिए बहराम एक सिरदर्द बन गया था और 10 सालों तक अंग्रेज उसे पकड़ने के लिए हर संभव तरीके आजमाते रहे।

पश्चिम बंगाल में बंपर वोटिंग, टीएमसी कार्यकर्ताओं से भिड़ी द्रौपदी

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में चल रहे विधानसभा चुनावों के चौथे चरण में आज सुबह से ही बंपर वोटिंग का दौर जारी है। सुबह से ही मतदाता पूरे जोश–खरोश के साथ मतदान के लिए घरों से बाहर निकले। आलम ये था कि दोपहर 11 बजे तक 30 फीसदी से ज्यादा वोटिंग हो चुकी थी। शुरूआती दो घंटे में ही 20 फीसदी से ज्यादा मतदाता पोलिंग बूथ तक पहुंच चुके थे।

राज्य के विधानसभा चुनावों के चौथे चरण में 49 सीटों के लिए कुल 345 उम्मीदवार मैदान में हैं। इस चरण में ममता के मंत्रियों अमित मित्रा, ज्योतिप्रिय मलिक, ब्रत्य बसु, पूर्णेन्दू बसु और चंद्रिमा भट्टाचार्य की किस्मत दांव पर लगी है।

इससे पूर्व चौथे चरण के लिए चुनाव आयोग ने पुख्ता सुरक्षा इंतजाम किए हैं। चुनाव शांतिपूर्ण

तरीके से संपन्न कराने के लिए 90 हजार से ज्यादा सुरक्षाबलों को तैनात किया गया है। इनमें 672 कंपनियां केन्द्रीय सुरक्षा बलों की हैं, जबकि भारी संख्या में राज्य पुलिस को भी ड्यूटी पर लगाया गया है। आयोग के लिए सबसे संवेदनशील 24 परगना जिला है। यहां आयोग का विशेष ध्यान है।

वहीं मतदान की खबरों के बीच एक सूचना ये भी आई कि भाजपा नेता और राज्य महिला मोर्चा की अध्यक्ष पूर्व टीवी अभिनेत्री रूपा गांगुली ने एक बूथ पर हंगामा किया। टीएमसी कार्यकर्ता ने उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई। टीवी सीरियल महाभारत में द्रोपदी का किरदार निभाने वाली रूपा गांगुली हावडा जिले से उम्ध्मीदवार है जहां उनका मुकाबला पूर्व क्रिकेटर लक्ष्मी रतन शुक्ला से है।

सलमान खान ने नहीं दिए जूस के पैसे, दुकानदार को दारोगा ने मार भगाया

मुजफ्फरनगर। मोरना में सुल्तान फिल्म की शूटिंग के दौरान दुकानदार राजपाल ने सलमान खान और शूटिंग के सदस्यों को गन्ने का जूस पिलाया। लेकिन उसे किसी ने पैसे नहीं दिए। इसके बाद वह पैसे लेने फार्म हाउस गया, जहां सलमान और दूसरे लोग रुके थे। लेकिन वहां मौजूद एक दारोगा ने उसे थप्पड मार कर भगा दिया।

200 गिलास गन्ने का जूस निकाल पिलाया

– राजपाल ने बताया कि उसने करीब 200 गिलास जूस निकालकर शूटिंग में आए लोगों का पिलाया।

– एक गिलास जूस वह 10 रुपए का देता है, इस हिसाब से उसके 2 हजार रुपए हुए थे।

– जो व्यक्ति उसे बुलाकर ले गया था उससे जूस पिलाने के बाद पैसे दिलाने की बात कही थी।

– बताते चलें कि सलमान ने 19 से 21 अप्रैल तक मोरना (मुजफ्फरनगर) में शूटिंग की थी।

पैसों के मिलने का गम नहीं, बेइज्जती होने का दुख

– शुक्रताल में रहने वाले राजपाल ने बताया कि इस बात का दुख नहीं है कि सलमान खान और उसके साथ आए अन्य लोगों ने जूस पीने के बाद पैसे नहीं दिए।

– उसे दुख इस बात का है कि जब वह पैसे मांगने फार्म हाउस गया तो उसे न तो अंदर जाने दिया और न ही उसके पैसे दिलाए गए।

– फार्म हाउस के गेट पर तैनात पुलिस कर्मियों ने धमका कर भगा दिया और दारोगा ने थप्पड तक मार दिया। – उसके साथ ठीक व्यवहार नहीं किया गया। – जूस पिलाने के लिए वह खुद नहीं गया था, उसे बुलाकर ले जाया गया था।

– उसने जूस दूसरे दिन की शूटिंग के दौरान पिलाई थी। गन्ने के जूस के पैसे नहीं मिलने की बात जब सलमान के फैन दानिश और शिवांश को पता चला तो वह शनिवार को शुक्रताल पहुंचे और राजपाल को पैसे देने लगे। लेकिन राजपाल ने पैसे लेने से इनकार कर दिया। दोनों ने बताया कि शायद सलमान खान को नहीं पता होगा कि जूस के पैसे नहीं दिए गए। वह किसी गरीब के पैसे नहीं रोक सकते। इस मामले में जरूर कुछ गलतफहमी हुई है। इसीलिए वह खुद पैसे देने के लिए आए, लेकिन राजपाल ने पैसे नहीं लिए।

गांव–गांव घूमकर पिलाता है गन्ने का जूस– राजपाल अपने परिवार का पेट पालने के लिए गांव–गांव घूमकर लोगों को गन्ने का जूस पिलाता है। – उसका बेटा शिवम भी उसके साथ जूस का ठेला लगाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने फिर लगाई महाराष्ट्र सरकार को फटकार, कहा– भीख मांगने से अच्छा है बार में डांस करना

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मुंबई के डांस बार मामले को लेकर एक बार फिर महाराष्ट्र सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि बार में डांस करना भीख मांगने से अच्छा है।

मुंबई में डांस बार खोलने के राह में सरकार रोड़ा न बने. कोर्ट ने सरकार से कहा कि आप बार में अश्लीलता रोकने के लिए नियम बनाये. एक बार फिर कोर्ट ने कहा कि शिक्षण संस्थानों से एक किमी की दूरी पर डांस बार खोले जाने चाहिए. सुप्रीम कोर्ट ने महाराष्ट्र में डांस बार मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि डांस करना भी एक व्यवसाय है, भीख मांगने से बेहतर है कि महिलाएं बार में डांस कर लें।

इससे पहले कोर्ट ने आदेश का पालन नहीं किए जाने को लेकर वहां के डीसीपी (लाइसेंसिंग) को 25 अप्रैल को तलब किया था

कोर्ट ने इस मामले को लेकर महाराष्ट्र सरकार को पहले भी कड़ी फटकार लगाई थी और सख्त लहजे में पूछा था कि उसके आदेश के बावजूद मुंबई में डांस बार के लाइसेंस क्यों नहीं दिए गए। कोर्ट ने 19 अप्रैल को मामले की सुनवाई करते हुए सरकार से एक सप्ताह के भीतर जवाब मांगा था. डांस बार के नए कानून के बारे में कोर्ट ने कहा था कि उसने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि अश्लील डांस नहीं होगा और यह कानून में भी प्रतिबंधित है।

सांसदों ने कल भी ODD–EVEN नियम तोड़ा तो होगा जुर्माना: गोपाल राय

नई दिल्ली। दिल्ली में ऑड इवन योजना लागू है, इसके बावजूद संसद सत्र में भाग लेने के लिए जाने के दौरान कई सांसदों ने नियम तोड़े। इस पर दिल्ली के परिवहन मंत्री गोपाल राय ने नाराजगी जताई है। उन्होंने बयान दिया है कि आज ऑड–इवन नियम तोड़ने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं की जाएगी, लेकिन सांसदों ने कल नियम तोड़ा तो नियमानुसार उनका चालान होगा।

उन्होंने यह भी कहा कि सांसदों के ऑड–इवन नियम तोड़ने के मुद्दे पर वह लोकसभा अध्यक्ष सुमित्रा महाजन से मुलाकात करेंगे।यहां पर याद दिला दें कि आज भारतीय जनता पार्टी के कई सांसद ऑड इवन नियम का उल्लंघन करते पाए गए। हालांकि नियम तोड़ने पर भाजपा के दो सांसदों अश्वनी कुमार और परेश रावल ने अपनी गलती मान ली है।वहीं, जिन भाजपा के दो सांसदों रंजन भट्ट और हरि ओम सिंह राठौर ने दिल्ली सरकार की ओर चलाई गई स्पेशल बस से सफर तयकर संसद पहुंचे। रंजन भट्ट ने कहा कि वह इस बस सेवा से बेहद खुश हैं। उन्होंने कहा, मैं इस सेवा से बेहद खुश हूं, मैं इसका समर्थन करती हूं। यह प्रदूषण नियंत्रण की दिशा में अच्छा कदम है। गौरतलब है कि आज दिल्ली में ईवन नंबर की कारों को ही चलने की इजाजत है। दिल्ली सरकार सांसदों के लिए इस सेवा के तहत 6 बसें चलाई गईं, लेकिन इक्का–दुक्का सांसद ही बस में नजर आए।

अब मोबाइल पर भरें लखनऊ यूनिवर्सिटी का फॉर्म

लखनऊ। लखनऊ यूनिवर्सिटी का एडमिशन फॉर्म भरने के लिए अब स्टूडेंट्स को कंप्यूटर की जरूरत नहीं पड़ेगी। वह स्मार्ट फोन से ही फॉर्म भर सकेंगे। एलयू ने रविवार को एडमिशन वेबसाइट का ऐप वर्जन लॉन्च किया। इसके तहत वेबसाइट मोबाइल पर खोलने पर वह एप्लिकेशन की तरह खुलेगी। ये स्क्रीन के मुताबिक सेट होगी। एलयू के एडमिशन को–ऑर्डिनेटर प्रो. अनिल मिश्रा ने बताया कि वर्तमान में हर स्टूडेंट के पास स्मार्टफोन है। ऐसे में यह सुविधा देने से स्टूडेंट्स को फॉर्म भरने में और भी आसानी होगी। जिनके पास कंप्यूटर या लैपटॉप नहीं हैं, उन्हें साइबर कैफे नहीं जाना पड़ेगा। वह घर पर अपने मोबाइल से ही फॉर्म भर सकेंगे। एप वर्जन में सबसे ज्यादा सहूलियत फॉर्म का शुल्क चुकाने में होगी।

ऑनलाइन ट्रेडिंग एप्लिकेशन पर जिस तरह सामान खरीदते हैं, उसी तरह फॉर्म का शुल्क भी चुका सकेंगे।

हिलेरी ने भारतीयों का मजाक उडाने पर की डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना

वाशिंगटन,। अमेरिका के राष्ट्रपति पद के चुनाव में रिपब्लिकन उम्मीदवार बनने की शीर्ष दावेदार हिलेरी क्लिंटन की प्रचार मुहिम ने इस सप्ताह एक चुनावी रैली में एक भारतीय कॉल सेंटर कर्मी का मजाक उघने पर डोनाल्ड ट्रंप की आलोचना करते हुए कहा कि यह समुदाय के प्रति असम्मान और ट्रंप की विभाजनकारी बयानबाजी को दर्शाता है।हिलेरी की चुनाव प्रचार मुहिम के अध्यक्ष जॉन पोडेस्टा ने कहा, भारतीय कर्मियों का मजाक उघना उस असम्मान को दिखाता है जो डोनाल्ड ट्रंप ने विभिन्न समूहों के प्रति दिखाया है।उन्होंने मेरीलैंड के जर्मनटाउन में इंडियन अमेरिकंस फॉर हिलेरी की औपचारिक शुरुआत के बाद संवाददाताओं से कहा, उन्होंने कटटरता और विभाजन की मुहिम चलाई है। मुझे लगता है कि यह उस समय देश के लिए बहुत खतरनाक है जब आप सोचते हैं कि आपको मित्रों, साथियों की आवश्यकता है।वह जिस प्रकार की मुहिम चला रहे हैं, ऐसी मुहिम विश्व भर में एक दूसरे के प्रति असम्मान और यहां घरेलू स्तर पर विभाजन एवं खतरे को जन्म देती है। इंडियन अमेरिकंस फॉर हिलेरी देश का समर्थन करने के लिए भारतीय अमेरिकी समुदाय का प्रयास है।

जहां एक बूंद पानी के लिए तरस रहे लोग, वहां अफसर पत्नी संग MP ने ली सेल्फी

झांसी (यूपी)। सूखे की मार झेल रहे बुंदेलखंड में बीएसपी के राज्यसभा सांसद ब्रजलाल खाबरी सेल्फी लेते नजर आए हैं। सेल्फी सूखे खेत में बैठकर ली गई है। इस दौरान उनके साथ पत्नी उर्मिला सोनकर भी थीं। वह पीसीएस अफसर हैं। सांसद ने यह फोटो अपने फेसबुक अकाउंट पर शेयर की है। जिसके बाद से वो विरोधी दलों के निशाने पर आ गए हैं। मायावती के करीबी हैं सांसद...

– ब्रजलाल खाबरी को बीएसपी सुप्रीमो मायावती का करीबी माना जाता है।

– वह जालौन से लोकसभा सांसद भी रह चुके हैं।

– बताया जा रहा है कि 22 अप्रैल को वह अपनी पत्नी के साथ सूखाग्रस्त इलाके को देखने गए थे। उसी दौरान उन्होंने सेल्फी ली।

– उन्होंने 22 अप्रैल को रात 11.22 बजे, 23 अप्रैल को शाम 5.01 बजे और 5.04 बजे इसे फेसबुक पर पोस्ट किया है।

– खाबरी ने दो शादियां की हैं। उर्मिला उनकी दूसरी पत्नी हैं।

विरोधी दलों ने क्या कहा?

– जालौन से सपा एमएलए दयाशंकर वर्मा ने कहा– खाबरी की पत्नी कुछ दिन पहले तक जालौन में ही तैनात थीं। बीएसपी के पास अब कोई मुद्दा नहीं रह गया है।

– किसान नेता शिवनारायण सिंह परिहार ने कहा– नेताओं के लिए सूखा देखने जाना पिकनिक पर जाने की तरह हो गया है।

– कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी द्विजेंद्र त्रिपाठी ने कहा– बीएसपी

को जनता से कोई मतलब नहीं है। ये वे लोग हैं जो सिर्फ जाति की राजनीति करते हैं। यही वजह है कि बुंदेलखंड में किसान मर रहे हैं, लेकिन इनके नेता सेल्फी लेने में व्यस्त हैं।

– बीएसपी के स्टेट प्रेसिडेंट स्वामी प्रसाद मौर्य ने कहा– मुझसे पूछने से पहले आप ब्रजलाल खाबरी से पूछिए। मुझे इस बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है।

– बीजेपी के स्टेट स्पोक्सपर्सन विजय बहादुर पाठक ने कहा कि नेता सूखाग्रस्त क्षेत्रों में जाएं, पर उपहास न करें। सीएम जाते हैं तो हजारों लीटर पानी बर्बाद हो जाता है। बीएसपी के नेता सेल्फी ले रहे हैं। ऐसी हरकतों के बजाए प्रॉब्लम को हल करने की कोशिश होनी चाहिए।

महाराष्ट्र की मिनिस्टर पंकजा आई थीं विवादों में

– महाराष्ट्र की रूरल डेवलपमेंट और वॉटर कंजर्वेशन मिनिस्टर पंकजा मुंडे 17 अप्रैल को सूखाग्रस्त मराठवाड़ा के दौरे पर थीं।

– इस दौरान जब वे लातूर के केसाई गांव में पहुंचीं तो सेल्फी लेती नजर आई थीं।

– यहां मंजरा नदी में पानी कम होने पर गाद निकालने का काम चल रहा है।

– पंकजा यहां के व्यू को देखकर बैकग्राउंड में चल रहे कामकाज के साथ सेल्फी लेने लगी थीं।

– वे जब नदी की दूसरी तरफ पहुंचीं तो उन्होंने गर्मी के चलते मेकअप खराब होने की शिकायत की और कुछ नाराजगी भी जाहिर की।

– इसके बाद उन्होंने कुछ लोगों के साथ एक और सेल्फी ली, जो वहां के अफसर बताए जा रहे थे।

– पंकजा के दौरे को दूरदर्शन का कैमरा भी पूरी तरह से फॉलो कर रहा था।

– पंकजा ने अपने दौरे की कुछ फोटोज सोशल साइट्स पर भी शेयर की थी। जिस पर विवाद हुआ था।

ऐसी फिल्में अमेरिका में कर सकती हूं, भारत में नहीं : नरगिस

मुंबई, । बॉलीवुड एक्ट्रेस नरगिस फाखरी का कहना है कि वह हिन्दी फिल्मों में व्यस्क कॉमेडी करने में असहज महसूस करती हैं। अमेरिकी मॉडल और एक्ट्रेस नरगिस की आने वाली अगली फिल्म हाउसफुल सीरीज की तीसरी फिल्म है। वह भारत में अब इस शैली की फिल्मों में काम करने को इच्छुक नहीं हैं।

नरगिस ने बताया, मैं यह व्यस्क या सेक्स कॉमेडी फिल्में नहीं करूंगी। भारत में हास्य की भावना भी काफी अलग है। अगर आप अमेरिका या जर्मनी या लंदन जाएंगे तो लोगों में अलग हास्य की भावना मिलेगी। ऐसे में मैं व्यस्क या सेक्स कॉमेडी फिल्म अमेरिका में कर सकती हूं लेकिन भारत में नहीं। अंग्रेजी व्यस्क कॉमेडी फिल्मों को बाजार में देखते हुए हिन्दी फिल्म निर्माताओं ने ग्रांड मस्ती, क्या सुपर कूल हैं हम, मस्तीजादे और अन्य फिल्मों जैसे व्यस्क कॉमेडी फिल्मों के निर्माण का भी प्रयास किया।

नरगिस ने बताया कि उन्होंने अभी तक हिन्दी में कोई व्यस्क कॉमेडी फिल्म नहीं देखी है। साजिद–फरहाद निर्देशित हाउसफुल 3 फिल्म में वह अभिनेता अक्षय कुमार, अभिषेक बच्चन, रितेश देशमुख और लीजा हेडन के साथ नजर आने वाली हैं।

1090 चौराहे सहित कई अन्य चौराहों के पास अस्थाई पर्किंग जल्द

लखनऊ। राजधानी के अम्बेडकर पार्क स्थित 1090 चौराहे के आसपास सुबह और शाम के समय खासतौर पर गाडियों का जमावड़ा लगता है। मरीन ड्राइव घूमने आने वाले पार्किंग की व्यवस्था न होने पर सड़क पर ही गाड़ी खड़ी करते हैं। इसे देखते हुए स्मारक समिति ने 150 वाहनों की अस्थायी पार्किंग बनाने की कवायद शुरू कर दी है।

डीएम ने चौराहे पर गाडियों की कतार देख पार्किंग की व्यवस्था करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद समिति ने गोमती विहार और म्यूजिकल पार्क की खाली पड़ी जमीन पर अस्थाई पार्किंग बनाने की तैयारी शुरू कर दी है।

एलडीए सचिव श्रीश चंद्र वर्मा ने बताया कि डीएम के निरीक्षण के बाद खाली पड़ी जगह में पार्किंग शुरू करने की योजना बनाई गई है। उम्मीद है कि इसी हफ्ते से पार्किंग शुरू करवा दी जाएगी।

अमिताभ की नातिन और शाहरुख के बेटे की दोस्ती में पड़ी दरार!

अमिताभ बच्चन की नातिन नाव्या नवेली और शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान लंदन में पढ़ाई कर रहे हैं। दोनों ज्यादातर मौकों पर साथ–साथ दिखते हैं। दोनों के अफेयर की खबरें भी लगातार आती रहती हैं, लेकिन अब मामला कुछ और ही लग रहा है। इसकी वजह कुछ तस्वीरें हैं। नाव्या नवेली और आर्यन के एक एमएमएस के लीक होने के बाद दोनों के रिश्ते की बात सामने आई। ये एमएमएस बाद में पूरी तरह फर्जी बताया गया लेकिन दोनों की साथ में तस्वीरें लगातार आती रहीं। इससे ये साबित हो गया कि दोनों के बीच दोस्ती बहुत गहरी है। नाव्या की हर तस्वीर में दिखने वाले आर्यन के साथ उनके रिश्ते को लेकर नाव्या की हाल ही में शेयर की गई तस्वीरों के बाद सवाल उठे हैं। दरअसल मामला ही कुछ ऐसा है।अपने दोस्तों के साथ नाव्या ने ये तस्वीर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर की है। इसमें उनके लंदन के बहुत सारे दोस्त दिख रहे हैं। उनके साथ काफी दिखने वाली उनकी सहेलियां भी मौजूद हैं।

भ्रष्टाचार से लड़ने को मेनका ने दिया सोनिया गांधी का उदाहरण

नई दिल्ली। गांधी परिवार से नजदीकी रिश्तों के बाद भी मेनका और उनके बेटे वरुण गांधी की दूरियां उस परिवार से जगजाहिर हैं। लेकिन सब उस समय हैरत में रह गए जब अपने संसदीय क्षेत्र पीलीभीत में भ्रष्टाचार के एक मामले से निपटने के लिए उन्होंने अपनी जेठानी और कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी का उदाहरण देकर उनकी तारीफ की। मेनका ने बताया कि किस तरह सोनिया गांधी ने भ्रष्टाचार का एक मामला संज्ञान में आने के बाद कार्रवाई की थी।

इंडियन एक्सप्रेस की खबर के अनुसार अपने संसदीय क्षेत्र पीलीभीत में केन्द्रीय मंत्री मेनका गांधी शनिवार को अधिकारियों की बैठक ले रही थीं। इसी दौरान उनके सामने शिक्षा विभाग में भ्रष्टाचार का मुद्दा आया। डिस्ट्रिक्ट विजिलेंस कमेटी की बैठक में जब कुछ अधिकारियों ने उन्हें बताया कि वह भ्रष्टाचार में लिप्त बाबुओं पर कार्रवाई करने के लिए सक्षम नहीं हैं तो मेनका

गांधी ने मिसाल देकर बताया कि कैसे सोनिया गांधी ने एक बार अपने नाम का दुरुपयोग रोकने के लिए कदम उठाया था।

मेनका ने बताया कि सोनिया गांधी के एक रिश्तेदार ने एक बार एक दुकान शुरू की, उसने लोगों को बताना शुरू किया कि वह कांग्रेस नेता का रिश्तेदार है। इसकी जानकारी सोनिया गांधी को लगी तो उन्होंने बकायदा अखबारों में इश्तहार देकर लोगों से अपील की वह उसकी दुकान पर न जाएं।

असल में सोनिया गांधी का यह उदाहरण मेनका ने उस समय दिया जब उनके सामने मुद्दा आया की किस तरह जूनियर स्तर की मान्यता लेने वाले स्कूल उच्च स्तरीय कक्षाओं को भी अपने यहां चला रहे हैं। यह सारा गोरखधंधा शिक्षा विभाग के कर्मचारियों की मदद से चल रहा है। इस पर मेनका ने वहां मौजूद बीएसए अंबरीश कुमार से आरोपी बाबुओं के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए कहा। कुमार ने मेनका को बताया कि उनके पास अधिकार नहीं है कि वह बाबुओं के खिलाफ कार्रवाई कर सकें। यह अधिकार केवल अतिरिक्त और संयुक्त शिक्षा निदेशक स्तर के अधिकारियों के पास है।

इस पर केन्द्रीय मंत्री मेनका गांधी ने सोनिया की मिसाल देते हुए कहा कि आप भी ऐसा ही करो। एक इश्तहार निकालकर इसकी जानकारी दे दो कि स्कूलों की मान्यता के लिए सीधे उनसे ही संपर्क किया जाए। इसके अलावा अपने कार्यालय में सीसीटीवी कैमरे भी लगवाएं, जिससे हर गतिविधि की जानकारी आपको मिलती रहेगी और बाबुओं के भ्रष्टाचार पर भी लगाम कसेगी।

खाली पेट 1 गिलास पानी दिन भर की परेशानियों से करेगा बचाव

शरीर का 70 प्रतिशत हिस्सा पानी से बना है। इसकी कमी हो जाने पर शरीर कई तरह की बीमारियों से घिर जाता है। अगर दिन की शुरुआत 1 गिलास पानी के साथ की जाए तो सारा दिन तंदुरुस्ती बनी रहती है। खाली पेट पानी का सेवन करने से कब्ज से छुटकारा, पाचन क्रिया दुरुस्त रहने के साथ–साथ ऊर्जा संचार भी बढ़िया तरीके से होता है। मेटाबॉलिज्म और इम्यून सिस्टम को बेहतर बनाने में भी पानी का सेवन फायदेमंद है। जानें, खाली पेट 1 गिलास पानी पीने के फायदे।

1. कब्ज की छुट्टी

कुछ लोग कब्ज से परेशान रहते हैं। पेट साफ न होने के कारण सारा दिन परेशानी में गुजरता है। खाली पेट पानी का सेवन करने से कब्ज दूर रहती है। पेट साफ रहने के कारण जो भी हम खाते हैं उसका पूरा फायदा शरीर को मिलता है।

2. आलस दूर

सारा दिन आलस और नींद का अहसास रहता है तो खाली पेट पानी जरूर पीए। इससे तुरंत ऊर्जा से भरपूर महसूस करते हैं। इसके अलावा यह ब्लड सर्कुलेशन की रुकावट में आने वाली रुकावट को भी दूर करता है। जिससे शरीर को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन और एनर्जी मिलती रहती है।

3. भूख न लगना

सारा दिन कुछ न खाकर भी भूख का अहसास न होना आगे चलकर कई परेशानियों का कारण बनता है। इसका कारण आंत में जमा गंदगी हो सकता है। खाली पेट पानी का सेवन करने से आंत साफ हो जाती है और भूख लगनी भी शुरू हो जाती है। इसके साथ ही किडनी से जुड़ी कई परेशानियां भी दूर हो जाती हैं।

4. इम्यून सिस्टम बेहतर

प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाने के लिए खाली पेट 1 गिलास पानी का सेवन जरूर करें। इससे शरीर में फ्लूड बैलेंस रहता है जिससे इम्यून सिस्टम बेहतर हो जाता है और इंसान की रोगों से लड़ने की क्षमता मजबूत होती है।

5. मेटाबॉलिज्म बढ़ाए

खाली पेट पानी का सेवन करने से मेटाबॉलिज्म सक्रिय रहता है। इससे वजन कम करने में बहुत मदद मिलती है।

प्रियंका के साथ न्यूयॉर्क के एक स्टोर में पहुंची आलिया

बॉलीवुड एक्ट्रेस आलिया भट्ट और प्रियंका चोपड़ा इन दिनों न्यूयॉर्क में हैं। हाल ही में आलिया और प्रियंका ने मुलाकात की। उनकी एक तस्वीर सोशल मीडिया पर काफी वायरल हो रही है।

ये दोनों न्यूयॉर्क की गलियों में घूमते हुए, एक दुसरे के साथ वक्त बिता रही है। सामने आई तस्वीर में प्रियंका और आलिया एक स्टोर से बाहर निकलते हुए नजर आ रही हैं। बता दें कि ऋषि कपूर इन दिनों न्यूयॉर्क में अपना इलाज करवा रहे हैं। वहीं आलिया और प्रियंका उनसे मिलने पहुंची। वर्कफ्रंट की बात करें तो आलिया फिल्म 'ब्रह्मास्त्र' के अलावा वरुण धवन के साथ कलंक में भी काफी बिजी हैं। आलिया सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं और अक्सर फैंस के साथ अपनी तस्वीरें शेयर करती रहती हैं।

डायबिटीज मरीजों के लिए फायदेमंद है शकरकंद, जानिए अन्य फायदे

शकरकंद या स्वीट पोटेटो का सेवन सर्दियों में बहुत फायदेमंद होता है क्योंकि ये शरीर को गर्म रखता हैं। कुछ लोग इसे उबालकर तो कुछ इसका चाट बनाकर खाना पसंद करते हैं। इसमें फाइबर, एंटी–ऑक्सीडेंट, विटामिन और अन्य कई पोषक तत्व पाए जाते हैं, जो शरीर को गंभीर बीमारियों से बचाने में मदद करते हैं। आज हम आपको शकरकंद के ऐसे फायदे बताएंगे, जिसे जानकर आप भी इसका सेवन शुरू कर देंगे।

1. डायबिटीज में फायदेमंद

अगर आपको डायबिटीज है तो शकरकंदी का सेवन करें। इसमें ऐसे स्लो कार्बोहाइड्रेट्स होते हैं जो ब्लड शुगर को एकदम से नहीं बढ़ाते और उन्हें कंट्रोल में रखते हैं।

2. अस्थमा के रोगी

नाक, श्वासनली और फेफड़ों में कफ जमने के अस्थमा रोगियों को काफी परेशानी होती है। ऐसे में रोज 1 शकरकंदी उबालकर खाने से कफ की समस्या दूर हो जाएगी और अस्थमा पेशेंट को आराम मिलेगा।

3. मसल्स और वजन बढ़ाने के लिए

इसमें बहुत अधिक मात्रा में स्टार्च होता है, जिससे मसल्स बढ़ाने में मदद मिलती है। इसके अलावा इसमें मौजूद

विटामिन, खनिज और प्रोटीन वजन बढ़ाने में भी सहायक होते हैं।

4. दिल की बीमारियों से बचाव

रोजाना 1 शकरकंदी का सेवन जरूर करें क्योंकि इसमें कॉपर विटामिन बी 6 होता है, जो कोलेस्ट्रॉल लेवल को कंट्रोल में रखता है। इसके आप दिल की बीमारियों से बचे रहते हैं।

5. ब्लड सेल्स का करता है निर्माण

शकरकंद में भरपूर आयरन होता है, जिससे न सिर्फ शरीर को एनर्जी मिलती है बल्कि यह ब्लड सेल्स बढ़ाने में भी मदद करता है। इसके अलावा इसका सेवन शरीर में आयरन की कमी को भी दूर करता है।

6. फाइबर का अच्छा स्त्रोत

यह फाइबर का सबसे अच्छा स्त्रोत है। इसके अलावा इसमें विटामिन्स, आयरन, पोटेशियम और मैग्नेशियम भी काफी मात्रा में पाए जाते हैं, जोकि आपको स्वस्थ रखने में मदद करते हैं।

7. नर्वस सिस्टम को करता है सक्रिय

इसमें मौजूद पोटेशियम नर्वस सिस्टम को सक्रिय रखने में मदद करता है। इसके अलावा रोज कम से कम 2–3 शकरकंदी का सेवन किडनी को भी स्वस्थ रखता है।

सौर ऊर्जा से चमकेगा पूरा भारत

देश ने ऊर्जा निर्माण के जितने भी माध्यम हो सकते हैं, सबको अपना लिया है. पारंपरिक और गैर– पारंपरिक... । ताप और जल विद्युत गृह से आगे बढ़ हम परंपरागत, पुनरोपयोगी और गैर–परंपरागत ऊर्जा स्रोतों की तलाश में जुटे और शीघ्र ही सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, जल विद्युत, बायो गैस, हाइड्रोजन, ईंधन

कोशिकाएं, परमाणु ऊर्जा, समुद्री ऊर्जा, भू–तापीय ऊर्जा, आदि नवीन प्रौद्योगिकियों में अपना दखल बढ़ा दिया है. खुशी की बात यह कि भारत के इन प्रयासों को न केवल अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली बल्कि उसे नए साथी भी मिले, खासकर उसे सौर ऊर्जा के क्षेत्र में फ्रांस के साथ समन्वित तौर पर हम दुनिया की अगुआई करने की तरफ कदम बढ़ा चुके हैं। अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन जिसे आईएसए भी कहते हैं, के दिल्ली में आयोजित स्थापना सम्मेलन में सदस्य देशों ने अपने कुल ऊर्जा खपत में सौर ऊर्जा के हिस्से को बढ़ाने का वचन दिया। इस अवसर पर तीन पन्नों का दिल्ली सौर एजेंडा जारी किया गया, जिसमें कहा गया कि आईएसए निरंतर विकास के लिए 2030 संयुक्त राष्ट्र एजेंडे की अपनी प्रतिबद्धता दोहराता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और फ्रांस के पूर्व राष्ट्रपति फ्रांस्वा ओलांद ने पेरिस जलवायु समझौते के दौरान इस गठबंधन की शुरुआत की थी।

यह वही देश है, जहां बिजली पर शहरों का, और शहरों में भी वीवीआईपी इलाकों का पहला अधिकार था। गांवों और ग्रामीण इलाकों में खेती और सिंचाई के दिनों में भी बिजली घंटे से आती थी, और वह भी शिफ्ट में, इसकी कई वजहें थीं, ऊर्जा के स्रोत सीमित थे। उत्पादन और वितरण की अपनी दिक्कतें थीं. फिर ऊर्जा उत्पादन की लागत से लेकर उसके लिए जरूरी ईंधन कोयला और तेल के क्षेत्र में हम सक्षम न थे, हमारी निर्भरता दूसरों पर थी. लागत अधिक और उत्पाद कम. वितरण की अपनी दिक्कतों के बीच उद्योग धंधों में ऊर्जा की बढ़ती मांग से स्थितियां ऐसी थीं, कि चाहकर भी कुछ बड़ा बदलाव नहीं लाया जा सकता था। भारत ने अपनी इन दिक्कतों से सीखा और सत्तर के दशक में आए तेल संकट के बाद ऊर्जा के परंपरागत स्रोतों के साथ–साथ गैर–पारंपरिक स्रोतों की तरफ तेजी से ध्यान देना शुरू किया। स्थायी ऊर्जा आधार के निर्माण में पुनरोपयोगी ऊर्जा या गैर–परंपरागत ऊर्जा स्रोतों के उपयोग के उत्तरोत्तर बढ़ते महत्व को महसूस करते हुए भारत उन गिने–चुने देशों में शामिल रहा, जिन्होंने 1973 से ही नए तथा पुनरोपयोगी ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करने के लिए अनुसंधान और विकास कार्य आरंभ कर दिए. नतीजा यह हुआ कि हालात तेजी से बदलने लगे।

आईएसए सौर संसाधन संपन्न देशों का एक गठबंधन है, जो अपनी विशेष ऊर्जा जरूरतों को पूरा करने और दृष्टिकोण के माध्यम से अंतराल की पहचान कर उससे निपटने में सहयोग प्रदान करने के लिए मंच उपलब्ध कराएगा। आईएसए को कर्क और मकर रेखा के ऊष्णकटिबंधीय क्षेत्र में आने वाले सभी 121 देशों के लिए खुला रखा गया। अब आईएसए के शदिल्ली सौर एजेंडाश में जोर दिया गया है कि श्हमारे प्रयास में वृद्धि दर बढ़ाने, कौशल बढ़ाने, रोजगार पैदा करने, उद्यमिता उन्मुक्त करने, नवाचार बढ़ाने और आय बढ़ाकर स्थिरता हासिल करने की क्षमता है। श्आईएसए के सदस्य देशश अपनी राष्ट्रीय ऊर्जा खपत में सौर ऊर्जा की हिस्सेदारी को बढ़ाने के लिए प्रयासों में बढ़ोतरी परश भी सहमत हुए हैं। यह कदम जलवायु परिवर्तन की वैश्विक चुनौतियों से निपटने व अपने–अपने देशों में नीतिगत पहलों के समर्थन और उनके कार्यान्वयन व सभी प्रासंगिक हितधारकों की भागीदारी के जरिए एक प्रभावी समाधान के रूप में उठाया गया है। सम्मेलन में फ्रांस के राष्ट्रपति इमानुएल मैक्रों ने 2022 तक वैश्विक सौर ऊर्जा पीढ़ी के लिए अतिरिक्त 70 करोड़ यूरो के निवेश की घोषणा की, ताकि जीवाश्म ईंधन के उपयोग को कम और जलवायु परिवर्तन से सामना करने में मदद की जा सके। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का नाम लिए बगैर मैक्रों ने कहा कि कुछ लोगों ने जलवायु समझौता छोड़ दिया जबकि अन्य बने हुए हैं, क्योंकि वह अपने बच्चों और उनके बच्चों की भलाई चाहते हैं। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए 10 बिंदु प्रस्तुत करते हुए प्रौद्योगिकी, आर्थिक स्रोत, भंडारण प्रौद्योगिकी, कर्मचारी निर्माण और नवोन्मेष के विकास और मौजूदगी के लिए पूर्ण पारितंत्र पर जोर देते हुए सौर परियोजनाओं के लिए रियायती वित्तपोषण को कम जोखिम पर करने का आह्वान किया। उनका दावा था कि देश में 2030 तक 40 प्रतिशत बिजली उत्पादन सौर एवं पवन जैसे अक्षय ऊर्जा संसाधनों से किया जाएगा। उनका कहना था, शएक विश्व, एक सूर्य और एक ग्रिड का हमारा सपना है। सूर्य से हर समय बिजली मिलती रहती है क्योंकि यह पृथ्वी के एक हिस्से में अस्त होता है तो दूसरे हिस्से में उदय होता है। पूरी दुनिया में एक साथ सूर्यास्त नहीं होता। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस ने भी कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान श्हिन्द महासागर तटीय सहयोग संघश यानी आईओआरए के दूसरे वैश्विक अक्षय ऊर्जा निवेशक सम्मेलन एवं प्रदर्शनी का भी आयोजन हुआ। गुतारेस का कहना था, श्भारत में हम वैश्विक अक्षय ऊर्जा क्रांति देख रहे हैं। इस क्रांति के केंद्र में सौर ऊर्जा है श यह यों ही नहीं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को फ्रांस के राष्ट्रपति इमैन्युएल मैक्रों के साथ संयुक्त रूप से श्चैंपियंस आफ द अर्थ अवॉर्डश मिला। संयुक्त राष्ट्र संघ की ओर से पर्यावरण क्षेत्र में दिया जाने वाला यह सबसे बड़ा सम्मान है। मरकॉम कम्युनिकेशंस इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, भारत 2017 में सौर ऊर्जा के मामले में तीसरे सबसे बड़े बाजार के रूप में उभरा है और इस मामले में सिर्फ चीन और अमेरिका से पीछे है। रिपोर्ट के अनुसार 2017 में भारत ने रेकॉर्ड 9600 मेगावाट क्षमता की सौर परियोजनाएं लगाईं, जो 2016 में 4300 मेगावाट के मुकाबले दोगुने से भी अधिक है।

मीटूः अब इस महिला सिंगर ने लगाया अनु मलिक पर आरोप

सोना महापात्रा ने कुछ दिनों पहले मीटू मूवमेंट के तहत कैलाश खेर पर यौन शोषण के आरोप लगाए थे। इस दौरान उन्होंने अनु मलिक के बारे में भी बात करते हुए उनके महिला सिंगर्स के प्रति अजीब व्यवहार के बारे में जिक्र किया था। उन्होंने इस ओर भी इशारा किया था कि अनु मलिक महिलाओं से सेक्शुअल फेवर पाने की कोशिश करते हैं। अब अनु मलिक पर एक और महिला ने आरोप लगाया है। सिंगर श्वेता पंडित ने बुधवार को उनपर आरोप लगाया कि जब वह नाबालिग थीं तो मलिक ने उनका उत्पीड़न किया था। ट्विटर पर एक लंबी पोस्ट में गायिका ने मलिक पर बच्चों के प्रति यौन आकर्षण रखने और यौन–उत्पीड़क होने का आरोप लगाते हुए कहा कि संगीतकार ने उनके साथ दुर्व्यवहार तब किया जब वह हिन्दी म्यूजिक इंडस्ट्री में नई थीं। पंडित ने कहा, 'यह वर्ष 2000 था जब मुझे 'मोहब्बतें' फिल्म में मुख्य गायिका के तौर पर लांच किया गया और मैं इस कामयाबी को आगे बढ़ाने के लिए दूसरे अच्छे गीत हासिल करने की कोशिश कर रही थी।श उन्होंने कहा कि वह संगीतकार की प्रशंसक थीं। 2001 के मध्य में मलिक के प्रबंधक ने उन्हें अंधेरी के एम्पायर स्टूडियो में उनसे मिलने के लिए फोन कर बुलाया तो वह रोमांचित हो गईं। गायिका ने कहा, "जब मैं और मेरी मां मॉनीटर कक्ष में पहुंचे तो वह (मलिक) 'आवारा पागल दीवाना' फिल्म के लिए सुनिधि और शान के साथ समूह गीत रिकॉर्ड करा रहे थे। उन्होंने एक छोटे कैबिन में इंतजार करने को कहा। वहां सिर्फ मैं और वह थे।"मलिक ने पंडित की आवाज परखने के लिए उनसे कुछ पंक्तियां गाने को कहा। पंडित ने कहा, " मैंने इतना अच्छा गाया कि उन्होंने कहा, 'मैं तुम्हें सुनिधि और शान के साथ यह गाना दूंगा, लेकिन पहले मुझे एक किस दो।' फिर वह मुस्कुराया। मैं इसे सबसे भयानक मुस्कुराहट के तौर पर याद करती हूं। मैं सन्न रह गई और चेहरा पीला पड़ गया। मैं तब सिर्फ 15 साल की थी और स्कूल में पढ़ती थी।"सिंगर पंडित ने आगे कहा, "क्या कोई उस बच्चे की कल्पना कर सकता है जो मुझपर वहां बीता। यह ऐसा था जैसे किसी ने मेरे पेट में छुरा घोंप दिया हो। मैं इस व्यक्ति को अनु अंकल कहती थी और वह दशकों से मेरे पूरे परिवार को जानता था। वह हमें संगीतकार के सम्मानित घराने के तौर पर जानते था।"बता दें कि श्वेता पंडित दिग्गज शास्त्रीय गायक पंडित जसराज की पौत्री हैं। इसे अपनी जिंदगी का सबसे खराब अनुभव बताते हुए गायिका ने कहा कि घटना के बाद वह महीनों तक उदास रहीं और इसे अपने माता–पिता को नहीं बता पाईं।

जुल्म के खिलाफ महिलाओं की बगावत

कभी–कभी ऐसा लगता है कि पितृसत्तात्मक व्यवस्था स्त्री को शक्तिहीन करके पुरुष को बलशाली बनाने का उपक्रम है। प्रसिद्ध नारीवादी लेखिका सीमोन द बुआ कहती हैं, 'स्त्री पैदा नहीं होती, बनाई जाती है।' उसे पहले समाज गढ़ता है, फिर उसके लिए अपने मुताबिक कायदे–कानून भी बनाता है। उसमें जरा सी हेरफेर पितृसत्ता के लिए बर्दाश्त से बाहर हो जाता है।' तरुण तेजपाल, राम रहीम, आसाराम, नारायण साई, आरके पचौरी आदि नाम अभी जेहन से ओझल भी नहीं हुए थे कि एक नई फेहरिस्त सामने आ गई, जिनमें नाना पाटेकर, आलोक नाथ, एमजे अकबर, विनोद दुआ सरीखे बड़े नाम शामिल हैं। ऐसे नामों की सूची लंबी होती जा रही है। इसकी शुरुआत अभिनेत्री तनुश्री दत्ता ने तब की जब उन्होंने अपने साथ हुए हादसे को समाज के सामने रखा। इसके बाद विंता नंदा, प्रिया रमानी, प्रेरणा बिंद्रा, गजाला वहाब समेत तमाम महिला पत्रकारों, अभिनेत्रियों और अन्य ने अपनी आवाज उठाई। यह सिलसिला कायम है। इसे तब तक कायम रहना चाहिए जब तक किसी तार्किक अंजाम तक न पहुंच जाया जाए। मी–टू अभियान के दायरे में तथाकथित इज्जतदार फिल्मकार, पत्रकार, मजहबी लोग, बॉस, सहकर्मी आदि सामने आए है। इसका मतलब है कि हर तरह के कार्यस्थलों में महिलाओं के लिए मुसीबत है। 1इस अभियान की गूंज दुनिया

के तमाम हिस्सों में सुनाई दे रही है। शायद पितृसत्तात्मक समाज को यह बर्दाश्त नहीं और इसीलिए यौन शोषण के खिलाफ आवाज उठाने वाली महिलाओं पर मानहानि के मुकदमे दर्ज किए जा रहे हैं। यौन शोषण के आरोपों से घिरे लोगों के जवाब हैरान करने वाले हैं। बानगी देखिए–औरतें झूठ बोल रही हैं। इतने समय चुप क्यों रहीं? काम से इस्तीफा क्यों नहीं दिया? बाद में भी काम क्यों करती रहीं? चुनाव से पहले क्यों आवाज उठाई? सब कुछ नामी गिरामी औरतों के साथ ही क्यों हो रहा है? इस तरह के हैरान करने वाले आरोप शर्मसार करते हैं। क्या स्त्री सिर्फ पुरुष की दिलजोई के लिए है? क्या उसने शोषण के खिलाफ आवाज उठाकर बुरा किया? क्या महिलाएं अपने को तहखानों में कैद कर लें और रोजी–रोटी कमाने से खुद को अलग कर लें? इन नामुनासिब सवालों का जवाब नहीं हो सकता। स्त्री आधी दुनिया है, लेकिन तराजू और पैमाना लेकर स्त्री–पुरुष के लिए जमीन और आसमान, घर और समाज, संसद और सड़क को आधा–आधा बांटा तो नहीं जा सकता। ये दोनों एक–दूसरे के पूरक हैं। इनकी अलग–अलग दुनिया नहीं बनाई जा सकती। मी–टू अभियान के तहत अभी बात सिर्फ उस वर्ग की हो रही है जिसे बुद्धिजीवी कहा जाता है, लेकिन ऐसा मालूम होता है कि उसकी बुद्धि और उसका चिंतन महज किताबों के पन्नों तक ही सीमित है। जब वह किताब बंद करता है तो वापस उस दुनिया में लौट जाता है जहां उसके भीतर का शैतान सेंध लगाए बैठा है। शायद उसे घमंड है कि उसका कुछ नहीं हो पाएगा और नियम–कानून किसी और के लिए होते हैं, उनके लिए नहीं। इसी खुशफहमी का शिकार होकर वे पिछली घटनाओं से सबक भी नहीं सीख पाए। यह समझना जरूरी है कि ऐसे वाकये सिर्फ संभ्रांत वर्ग या एक खास तबके की महिलाओं के साथ ही नहीं पेश आते। आम औरतें जो जिंदगी की जद्दोजहद में लगी हैं, संघर्ष कर रही हैं, खेती किसानी में लगी हैं या घर के भीतर हैं उनके साथ भी ऐसे मामले खूब होते हैं। ऐसी आम औरतें तो जुबान खोलने की हिम्मत ही नहीं कर पातीं। उन्हें परिवार से लेकर समाज तक किसी का भी सहयोग नहीं मिलता–मीडिया का भी नहीं। 1पितृसत्तात्मक समाज को इस सच्चाई से अवगत होना चाहिए कि तमाम नाइंसाफी झेलते हुए औरतें अपने दम पर कई बड़े बदलाव लाई हैं। वे यौन हिंसा के सवाल पर भी खामोश नहीं रह सकतीं। वे अपने कंधों पर अब इस कथित मर्दानगी का बोझ ढोने को कतई तैयार नहीं हैं। वे कथित इज्जतदार घुसपैठियों से मुकाबला करने को तैयार हैं। वे बगावत पर है। आधी आबादी इंसाफ की हकदार है। आज औरतें समाज से, व्यवस्था से और सत्ता से सवाल कर रही हैं। जब व्यवस्था ने गैरबराबरी और जुल्म के खिलाफ खुलकर कदम नहीं उठाया तो महिलाएं सारी परंपराओं को ताक पर रखते हुए सामने आ गईं। वे जानती हैं कि उन्हें कानूनी तिकड़मबाजी में इसकी कीमत भी चुकानी पड़ सकती है, उन्हें नौकरियों से वंचित किया जा सकता है, लेकिन शायद महिलाओं का कारवां यह कहते हुए निकल पड़ा है कि कटते भी चलो बढ़ते भी चलो, बाजू भी बहुत हैं सर भी बहुत.. । ऐसा तभी होता है जब अन्याय के खिलाफ आवाज उठाने वाले यह जान जाते हैं कि आखिर में जीत उन्हीं की होगी।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी एवं संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा
द्वारा पिन वर्क पब्लिकेशन हाउस, दादाबाड़ी कम्पाउन्ड, ठाकुरगंज, लखनऊ, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित
संपादक
हेमन्त कुमार मिश्रा
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न किसी भी प्रकार के विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद लखनऊ न्यायालय होगा।
इस अंक में प्रकाशित समाचारों में किसी प्रकार की आपत्ति होने पर सात दिन के अंदर खंडन भेजे अन्यथा समाचार "सत्य" माना जायेगा।
संपादक
crimereview2012@gmail.com
मो: 9454552222